नई दिल्ली ■ बुधवार, 02 अप्रैल 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 02 ■ पृष्ठ 12

जनभावना टाइम्स

JBT
www.thejbt.com
राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून एवं करनाल से प्रकाशित
निष्पक्ष और निर्भीक खबर

04 कृषि क्षेत्र में करवट बदलता भारत | 11 गुजरात टाइटंस के खिलाफ घरेलू मैदान पर उतरेगी आरसीबी | निमरत ने बताया-कैसे उनका झुकाव हुआ... 10

गुजरात: पटाखा गोदाम में आग लगने से 21 की मौत

पालनपुर (गुजरात)। गुजरात के बनासकांठा जिले में मंगलवार को एक पटाखा गोदाम में आग लगने और इमारत के कुछ हिस्से ढहने से 21 लोगों की जान चली गई और 6 अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह घटना सुबह करीब नौ बजकर 45 मिनट पर डीसा कस्बे के पास स्थित गोदाम में हुई।

पुलिस अधीक्षक अक्षयराज मकवाना ने बताया कि इस घटना में 21 लोगों की मौत हो गई तथा भीषण विस्फोट के बाद इमारत का स्लैब ढह जाने से पांच अन्य घायल हो गए। उन्होंने कहा कि मृतक मध्य प्रदेश के मजदूर और उनके परिवार के सदस्य थे तथा उनमें से अधिकतर की मौत स्लैब गिरने से हुई। मकवाना ने बताया कि यह इकाई पटाखों के भंडारण के लिए थी और अभी तक इस बात का कोई सुराग नहीं मिला है कि वहां पटाखे बनाए जा रहे थे। इससे पहले अधिकारियों ने कहा था कि यह एक फैक्टरी है।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने घटना पर दुख व्यक्त किया और मृतकों के परिवारों को चार लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। पटेल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'डीसा में एक पटाखा गोदाम में आग लगने और स्लैब गिरने से श्रमिकों की मौत की घटना दिल दहला देने वाली है। दुख की इस घड़ी में मृतकों के परिजनों के साथ में मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।'

उन्होंने कहा कि मैं इस दुर्घटना में राहत, बचाव और उपचार कार्य के संबंध में प्रशासन के साथ लगातार संपर्क में हूं। मैंने प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि घायलों को जल्द से जल्द उचित उपचार मिले। राज्य सरकार मृतकों के परिवारों को चार लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की सहायता प्रदान करेगी। पटेल ने पोस्ट में कहा, 'मैं प्रार्थना करता हूं कि ईश्वर मृत कर्मचारियों की आत्मा को शांति प्रदान करें तथा घायलों को शीघ्र स्वस्थ करे।'

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी इस घटना में मध्य प्रदेश के कर्मचारियों की असामयिक मृत्यु पर दुख व्यक्त किया है। यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार गुजरात के अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है। उन्होंने कहा कि घटना से प्रभावित कर्मचारियों को पूरी सहायता दी जाएगी। यादव ने कहा कि कर्मचारियों और उनके परिवारों की सहायता के लिए सभी आवश्यक प्रयास किए जाएंगे।

> प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'गुजरात के बनासकांठा में एक पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट में लोगों की मौत से बहुत दुख हुआ है। अपने प्रियजनों को खोने वालों के प्रति संवेदना। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है। प्रत्येक मृतक के परिजनों को पीएमएनआरएफ से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।'

भारत और चिली व्यापार समझौते के लिए वार्ता शुरू करने पर सहमत

रक्षा के क्षेत्र में बढ़ता सहयोग हमारे गहरे आपसी विश्वास का प्रतीक: पीएम मोदी

नई दिल्ली। भारत और चिली ने मंगलवार को व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते पर वार्ता शुरू करने की घोषणा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चिली के राष्ट्रपति गैब्रियल बोरिक फॉन्ट ने व्यापार, रक्षा, महत्वपूर्ण खनिजों और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में संबंधों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करते हुए व्यापक चर्चा की। लातिन अमेरिका में चिली को भारत का एक महत्वपूर्ण 'मित्र और साझेदार' बताते हुए मोदी ने कहा कि आगामी दशक में समग्र सहयोग बढ़ाने के लिए कई नयी पहल की पहचान की गई है। बोरिक, मंत्रियों, सांसदों, वरिष्ठ अधिकारियों और व्यापारिक नेताओं के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत की पांच दिवसीय राजकीय यात्रा पर हैं।

मोदी ने कहा कि भारत और चिली विश्व मानचित्र के अलग-अलग छोर पर स्थित हो सकते हैं, हमारे बीच विशाल महासागर हो सकते हैं, लेकिन प्रकृति ने हमें अद्वितीय समानताओं से जोड़ा है। उन्होंने कहा कि हिंद महासागर की लहरें भारत में उसी ऊर्जा के साथ उत्पन्न होती हैं, जैसे प्रशांत महासागर की लहरें चिली के तटों को छूती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, नवीकरणीय ऊर्जा, रेलवे, अंतरिक्ष और अन्य क्षेत्रों में चिली के साथ अपने सकारात्मक अनुभव साझा करने के लिए तैयार है।

उन्होंने कहा कि हम आपसी व्यापार और निवेश में वृद्धि का स्वागत करते हैं। हम इस बात पर सहमत हैं कि इसमें आगे भी सहयोग की असीम संभावनाएं हैं। मोदी ने कहा कि महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में भारत-चिली साझेदारी को मजबूत किया जाएगा तथा लचीली आपूर्ति और मूल्य श्रृंखलाएं स्थापित करने के लिए काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कृषि के क्षेत्र में एक-दूसरे की क्षमताओं को मिलाकर खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सहयोग किया जाएगा।

मोदी ने कहा कि रक्षा के क्षेत्र में बढ़ता सहयोग हमारे गहरे आपसी विश्वास का प्रतीक है। हम एक-दूसरे की जरूरतों के मुताबिक इस क्षेत्र में रक्षा औद्योगिक विनिर्माण और आपूर्ति श्रृंखला बनाने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि हम संगठित अपराध, मादक पदार्थों की तस्करी, आतंकवाद जैसी आम चुनौतियों का सामना करने के लिए दोनों देशों की एजेंसियों के बीच सहयोग बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर भारत और चिली इस बात पर सहमत हैं कि सभी तनावों और विवादों को बातचीत के माध्यम से सुलझाया जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत और चिली 'इस बात पर एकमत हैं कि वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और अन्य संस्थाओं में सुधार आवश्यक है।' दोनों पक्षों ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर भी एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। मोदी ने कहा कि हमने दोनों देशों के बीच वीजा प्रक्रिया को सरल बनाने पर भी विचार किया। हम भारत और चिली के बीच छात्रों के आदान-प्रदान को बढ़ाने के लिए भी प्रयास जारी रखेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि चिली के राष्ट्रपति की भारत यात्रा ने संबंधों में 'नयी ऊर्जा और उत्साह' पैदा किया है। उन्होंने कहा कि यह ऊर्जा हमारे द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ पूरे लातिन अमेरिका क्षेत्र में हमारे सहयोग को नयी गति और दिशा देगी।

संक्षिप्त खबरें

आसाराम फिर पहुंचा सलाखों के पीछे, जेल में सरेंडर किया

जोधपुर। अपने ही आश्रम की नाबालिग छात्रा से रेप करने का दोषी आसाराम ने जमानत अवधि खत्म होने पर मंगलवार को फिर जोधपुर की सेंट्रल जेल में सरेंडर कर दिया है। राजस्थान हाईकोर्ट से मिली अंतरिम जमानत 31 मार्च को समाप्त हो गई है। आसाराम के वकील ने जमानत अवधि बढ़ाने के लिए याचिका दाखिल की है, जिस पर कोर्ट दो अप्रैल को सुनवाई करेगा। कोर्ट में 29 से 31 मार्च तक छुट्टी के बाद मंगलवार को आसाराम के वकील निशांत बोड़ा ने सुनवाई का आग्रह किया था। इससे पहले गुजरात हाईकोर्ट में सुनवाई के बाद आसाराम को तीन महीने की अंतरिम जमानत दी गई है। राजस्थान हाईकोर्ट के वकील दिनेश जैन ने बताया कि आसाराम की ओर से अंतरिम जमानत अवधि बढ़ाने के आवेदन पर बुधवार को सुनवाई होगी।

सोना 2,000 के उछाल के साथ 94,150 रुपये के नए रिकॉर्ड पर, चांदी टूटी

नई दिल्ली। स्टॉकिस्ट और आभूषण विक्रेताओं की निरंतर लिवाली के बीच मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमतों में 2,000 रुपये की तेजी आई और यह 94,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए उच्चस्तर पर पहुंच गया। यह सोने में दो माह में एक दिन का सबसे बड़ा उछाल है। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी है। शुक्रवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 92,150 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। विश्लेषकों ने कहा कि शेयर बाजारों में गिरावट के बीच वैकल्पिक निवेश की मजबूत मांग के कारण विदेशी बाजारों में सोने में तेजी के कारण कारोबारी धारणा मजबूत रही। लगातार चौथे दिन मजबूती के साथ 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 2,000 रुपये की तेजी के साथ 93,700 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, जो इसका अबतक का सर्वकालिक उच्चस्तर है।

रणवीर ने कोर्ट को अपने शो में शालीनता बनाए रखने का भरोसा दिलाया

नई दिल्ली। पॉडकास्टर रणवीर इलाहाबादिया ने उच्चतम न्यायालय में मंगलवार को लिखित आश्वासन दिया कि वह अपने कार्यक्रम 'द रणवीर शो' में शालीनता बनाए रखेंगे। इलाहाबादिया की ओर पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिनव चंद्रचूड़ ने न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ को बताया कि उनके मुवक्किल ने शीर्ष अदालत के निर्देश के अनुपालन में लिखित आश्वासन दाखिल किया है और मामले की जांच में शामिल होकर अपने बयान दर्ज कराए हैं। चंद्रचूड़ ने शीर्ष अदालत से इलाहाबादिया पर लगाई गई पासपोर्ट जमा करने की शर्त में संशोधन करने का अनुरोध किया। उन्होंने दलील दी कि यह शर्त उनकी आजीविका को प्रभावित करती है। चंद्रचूड़ ने कहा कि इलाहाबादिया को विभिन्न लोगों के साक्षात्कार के लिए विदेश यात्रा करनी पड़ती है, जिसके लिए कई दौर की बैठकें करने की आवश्यकता होती है।

पंजाब: पादरी बजिंदर सिंह को आजीवन कारावास की सजा

चंडीगढ़। पंजाब के मोहाली की एक अदालत ने स्वयंभू पादरी बजिंदर सिंह को 2018 के बलात्कार के एक मामले में मंगलवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीएसजे) विक्रांत कुमार की अदालत ने यह फैसला सुनाया। बजिन्दर को 28 मार्च को भारतीय दंड संहिता की धाराओं 376 (बलात्कार), 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाने की सजा) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत दोषी ठहराया गया। यह मामला 2018 में जीरकपुर थाने में एक महिला द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया था। मंगलवार को फैसला सुनाए जाने से पहले अदालत परिसर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

प्रयागराज की अमानवीय एवं अवैध तोड़फोड़ कार्रवाई हमारी अंतरात्मा को झकझोरती है: शीर्ष अदालत

नई दिल्ली। प्रयागराज में घरों को गिराने की कार्रवाई को 'अमानवीय और अवैध' करार देते हुए उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को शहर विकास प्राधिकरण को छह सप्ताह के अंदर प्रत्येक मकान मालिक को 10-10 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने कहा कि जिस तरीके से मकान गिराये गये हैं, वह हमारी अंतरात्मा को झकझोर देने वाला है। अपीलकर्ताओं के घरों को मनमाने तरीके से ध्वस्त कर दिया गया। आश्रय का अधिकार, कानून की उचित प्रक्रिया नाम की कोई चीज होती है।

पीठ ने 'देश में कानून के शासन' पर बल देते हुए कहा कि मकान गिरा देने का 'मनमाना' तरीका प्रशासन की असंवेदनशीलता को दर्शाता है। शीर्ष अदालत ने कहा कि नागरिकों के मकानों को इस तरह से ध्वस्त नहीं किया जा सकता।

न्यायालय ने कहा कि प्रयागराज विकास प्राधिकरण को याद रखना चाहिए कि आश्रय का अधिकार अनुच्छेद 21 का अभिन्न अंग है और कानून शासन संविधान का मूल हिस्सा है। शीर्ष अदालत ने कहा कि प्राधिकरण ने उत्तर प्रदेश शहरी नियोजन और विकास अधिनियम, 1973 की धारा 27 के तहत मकान गिराये थे। पीठ ने कहा कि 18 दिसंबर 2020 को एक कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए इसे उसी दिन घरों पर चिपकाया गया था जिसमें यह उल्लेख भी था कि दो मौकों पर यह नोटिस व्यक्तिगत रूप से भी देने का प्रयास किया गया था।

शीर्ष अदालत ने कहा कि मकान गिराने से संबंधित अगला आदेश भी आठ जनवरी, 2021 को चिपका दिया गया था, लेकिन उसे पंजीकृत डाक से नहीं भेजा गया। पीठ ने कहा कि पहली पंजीकृत डाक एक मार्च, 2021 को भेजी गयी थी जो छह मार्च, 2021 को प्राप्त हुई। लेकिन अगले ही दिन मकान गिरा दिया गया, जिससे अपीलकर्ताओं को अधिनियम की धारा 27 (2) के तहत अपील करने का कोई अवसर नहीं मिला। शीर्ष अदालत ने कहा कि धारा 27(1) के प्रावधान का उद्देश्य मकान गिराने से पहले कारण बताने का उचित अवसर प्रदान करना है। यह उचित अवसर प्रदान करने का कोई तरीका नहीं है।

वक्फ संशोधन विधेयक: आज होगी लोकसभा में चर्चा, पारित कराने के लिए लाया जाएगा

नई दिल्ली। लोकसभा में बुधवार को यानि आज वक्फ संशोधन विधेयक विचार और पारित कराने के लिए लाया जाएगा और इस दौरान हंगामा होने के आसार हैं क्योंकि विपक्षी दल इसका पुरजोर विरोध कर रहे हैं।

सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि विधेयक पर सदन में आठ घंटे की प्रस्तावित चर्चा के बाद अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू जवाब देंगे और इस विधेयक को पारित कराने के लिए सदन की मंजूरी लेंगे। सूत्रों ने बताया कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा हुई। पिछले साल विधेयक पेश करते समय सरकार ने इसे दोनों सदनों की एक संयुक्त समिति को भेजने का प्रस्ताव किया था।

बाद में रीजीजू ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा कि कुछ दल चार से छह घंटे की चर्चा चाहते थे, वहीं विपक्ष 12 घंटे की चर्चा कराने पर अड़ा रहा। उन्होंने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ने चर्चा के लिए आठ घंटे निर्धारित किए हैं और सदन की भावना के अनुरूप इस अवधि को बढ़ाया जा सकता है। रीजीजू ने इस बात पर हैरानी जतायी कि विपक्ष ने बीएसी की बैठक से वॉकआउट क्यों किया? रीजीजू ने कहा कि वह बुधवार को 12 बजे निचले सदन में प्रश्नकाल समाप्त होते ही विधेयक को चर्चा और पारित कराने के लिए रखेंगे। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए दावा किया कि कुछ दल चर्चा से बचने के लिए बहाने बना रहे हैं। रीजीजू ने कहा कि लोकसभा द्वारा विधेयक पारित किए जाने के बाद राज्यसभा को इसकी सूचना दी जाएगी।

वक्फ विधेयक का विपक्ष करेगा विरोध

विपक्षी गठबंधन 'आईएनडीआईए' के नेताओं ने बैठक कर एकमत होकर सरकार की ओर से पेश किए जा रहे वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध करने का फैसला लिया है। बैठक में शामिल विपक्षी दलों के कुछ नेताओं का कहना है कि वे चर्चा में भाग लेंगे और मतविभाजन कराकर अपनी ओर से पेश किए जाने वाले संशोधनों को पारित कराने का प्रयास करेंगे। संसद भवन में आयोजित फ्लोर लीडर्स की इस बैठक में कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल, गौरव गोगोई, सपा नेता राम गोपाल यादव, राजद नेता मनोज झा, तृणमूल कांग्रेस नेता कल्याण बेनर्जी आप नेता संजय सिंह, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) सुप्रिया सुले, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) अरविंद सावंत और अन्य दलों के नेताओं ने भाग लिया।

लखानी समूह के विरूद्ध 'धोखाधड़ी' मामले में 110 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली। कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में धनशोधन निरोधक कानून के तहत 'लखानी इंडिया लिमिटेड' जूता कंपनी की 110 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की गई है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

ईडी ने एक बयान में कहा कि पीएमएलए के तहत 'लखानी इंडिया लिमिटेड' और इस समूह की अधीनस्थ कंपनियों - 'लखानी रबर उद्योग प्राइवेट लिमिटेड', 'लखानी अपैरल प्राइवेट लिमिटेड' के साथ-साथ उनके प्रवर्तकों- पीडी लखानी और सुमन लखानी के खिलाफ जांच, विभिन्न बैंकों के विरूद्ध आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और जालसाजी के आरोपों पर 2021 और 2023 में सीबीआई द्वारा दर्ज की गयी प्राथमिकी पर आधारित है। लखानी इंडिया लिमिटेड और इस समूह की कंपनियों ने साथ मिलकर समूह की अन्य कंपनियों में 'पैसे भेजकर' और 'हेराफेरी' कर इंडियन ओवरसीज बैंक, पंजाब नेशनल बैंक और इलाहाबाद बैंक के साथ धोखाधड़ी की, जिसके परिणामस्वरूप 162 करोड़ रुपये की 'ठगी' हुई। कंपनियों या उनके प्रवर्तकों से ईडी द्वारा उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों पर प्रतिक्रिया के लिए तत्काल संपर्क नहीं किया जा सका।

ईडी ने बयान में कहा कि शिकायतकर्ता बैंकों द्वारा वितरित व्यवसाय/पूंजी ऋण और ऋण सुविधाओं में से, लखानी समूह ने प्रवर्तकों के निर्देश पर, संबंधित पक्षों को घाटे पर बिक्री की, सहयोगी कंपनियों के ऋण चुकाए, निदेशकों को असामान्य ब्याज भुगतान किया।

तलाशी अभियान में सुरक्षा बलों को मिले एम-4 के बुलेट और एक हैंडसेट डिवाइस, पैरों के भी दिखे निशान

कठुआ। कठुआ की पहाड़ी तहसील बिलावर के पंजतीर्थी क्षेत्र में सुबह से जारी तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों को एम-4 के कुछ बुलेट और एक हैंडसेट डिवाइस मिली है।

इसी के साथ-साथ उसी जगह पर पैरों के निशान भी पाए गए हैं। जिसके चलते अब तलाशी अभियान को तेज कर दिया है। मंगलवार सुबह से ही कठुआ के पहाड़ी तहसील बिलावर के पंजतीर्थी क्षेत्र के आसपास सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच रुक-रुक कर मुठभेड़ जारी है। इसी बीच सुरक्षाबलों द्वारा युद्ध स्तर पर तलाशी अभियान भी चलाया गया। इस तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों को पंजतीर्थी के जंगलों में एम-4 के कुछ बुलेट और एक हैंडसेट डिवाइस मिली है। और उसी के आसपास के क्षेत्र में कुछ पैरों के निशान भी पाए गए हैं। जिससे अंदेशा लगाया जा रहा है कि आतंकी इसी क्षेत्र के आसपास छुपे हुए हैं। जिसके चलते सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान को और तेज कर दिया है। वहीं शाम ढलते ही मुठभेड़ बंद हो गई है लेकिन सुरक्षा बलों द्वारा तलाशी अभियान अभी भी जारी रखा गया है।

भारत अपनी शुल्क दरों में बहुत बड़ी कटौती करेगा: ट्रंप

वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रमुख व्यापारिक साझेदार देशों पर दो अप्रैल से जवाबी सीमा शुल्क लगाए जाने के पहले कहा है कि भारत 'अपनी शुल्क दरों में बहुत बड़ी कटौती करेगा।' ट्रंप ने व्हाइट हाउस में स्थित कार्यालय 'ओवल ऑफिस' में संवाददाताओं के साथ बातचीत में भारत को लेकर यह बात कही। ट्रंप कई बार भारत को बहुत ऊंचे शुल्क वाला देश बता चुके हैं। इसी क्रम में उन्होंने भारत के अलावा कुछ अन्य देशों से आयातित उत्पादों पर दो अप्रैल से जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की है।

इस बारे में पूछे जाने पर सअमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि मुझे लगता है कि बहुत से (देश) अपने शुल्क में कटौती करेंगे क्योंकि वे वर्षों से अमेरिका पर अनुचित तरीके से शुल्क लगाते आ रहे हैं। यदि आप यूरोपीय संघ को देखें, तो उसने कारों पर पहले ही अपने शुल्क को 2.5 प्रतिशत तक घटा दिया है। उन्होंने कहा कि अभी कुछ समय पहले ही मैंने सुना कि भारत अपने शुल्क में बहुत बड़ी कटौती करने जा रहा है। मैंने कहा, किसी ने ऐसा बहुत पहले क्यों नहीं किया। बहुत से देश अपने शुल्क में कटौती करने जा रहे हैं।

ट्रंप की जवाबी शुल्क नीति 'जैसे को तैसा' सिद्धांत पर आधारित है। इसका मतलब है कि अमेरिका उन देशों से आयातित वस्तुओं पर वही शुल्क लगाएगा जो ये देश अमेरिकी उत्पादों पर लगाते हैं। इसका भारत के अलावा चीन, यूरोपीय संघ, कनाडा एवं मेक्सिको पर विशेष असर पड़ने की आशंका है।

ट्रंप की ताजा टिप्पणियों से कुछ घंटे पहले ही व्हाइट हाउस ने कहा कि भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाता है। उसने कहा कि अन्य देशों द्वारा लगाए गए उच्च शुल्क ने अमेरिकी उत्पादों का उन देशों में आयात 'लगभग असंभव' बना दिया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि दुर्भाग्य से, ये देश बहुत लंबे समय से हमारे देश को लूट रहे हैं। मुझे लगता है कि अमेरिकी श्रमिकों को लेकर अपनी उपेक्षा को उन्होंने बिल्कुल साफ कर दिया है। उन्होंने कहा कि इन देशों की अनुचित व्यापार प्रथाओं से अमेरिकी उत्पादों का इन बाजारों में आयात लगभग असंभव हो जाता है। इसने पिछले कई दशकों में बहुत से अमेरिकियों को व्यवसाय और काम से बाहर कर दिया है। लेविट ने एक चार्ट भी दिखाया जिसमें भारत, जापान और अन्य देशों द्वारा लगाए गए शुल्क दर्ज थे।

प्रेस सचिव ने कहा कि यह एक राष्ट्रपति के लिए अमेरिकी लोगों के लिए सही कदम उठाने, ऐतिहासिक परिवर्तन करने का समय है। हालांकि, लेविट ने इस बारे में कोई खास जानकारी नहीं दी कि शुल्क किस तरह के होंगे और किन देशों पर इसका असर होगा। उन्होंने कहा कि बुधवार को यानि आज राष्ट्रपति ही इसकी घोषणा करेंगे।

राजनीति मेरे लिए 'फुल टाइम जॉब' नहीं, मैं असल में योगी हूं: मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ। खरी खरी बोलने वाले और हमेशा अपने विचारों को लेकर मुखर उत्तर प्रदेश के संन्यासी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुसलमानों के लिए एक स्पष्ट संदेश दिया है: आपको राज्य के विकास में उचित हिस्सा मिलेगा, लेकिन सिर्फ इसलिए विशेष रियायतों की उम्मीद न करें कि आप अल्पसंख्यक हैं। इसका मतलब साफ है कि आप सड़कों पर नमाज नहीं पढ़ सकते, या कोई अवैध गतिविधि नहीं कर सकते। अगर आप ऐसा करते हैं, तो 'बुलडोजर न्याय' का सामना करने के लिए तैयार रहें।

मुख्यमंत्री ने एक न्यूज एजेंसी के साथ एक विशेष साक्षात्कार के दौरान वक्फ (संशोधन) विधेयक के आलोचकों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड स्वार्थी हितों के साथ-साथ 'लूट खसोट' के अड्डा बन गए हैं और इन्होंने मुसलमानों के कल्याण के लिए बहुत कम काम किया है। साक्षात्कार में उन्होंने देश में अपनी बढ़ती लोकप्रियता, आरएसएस (जिसके वह कभी सदस्य नहीं रहे) के साथ अपने संबंधों, कुछ केंद्रीय नेताओं के साथ उनकी कथित अनबन, प्रधानमंत्री बनने की उनकी महत्वाकांक्षा, राष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी और कांग्रेस पार्टी के भविष्य के बारे में भी बात की। योगी ने संभावित प्रधानमंत्री के रूप में उनके प्रति बढ़ते समर्थन के बारे में पूछे जाने पर कहा कि राजनीति मेरे लिए एक 'फुल टाइम जॉब' नहीं है। इस समय मैं यहां काम कर रहा हूं लेकिन वास्तविकता में मैं हूं तो एक योगी ही। यह पूछे जाने पर कि उनकी राजनीति में कब तक बने रहने की योजना है, मुख्यमंत्री ने कहा कि इसकी भी एक समयसीमा होगी। योगी ने कहा कि उनका प्राथमिक काम उत्तर प्रदेश के लोगों की सेवा करना है जो उनकी पार्टी ने उन्हें सौंपा है। उन्होंने कहा कि मैं उप्र का मुख्यमंत्री हूं और पार्टी ने मुझे राज्य के लोगों की सेवा करने के लिए यहां रखा है।

आईएमएस ने इंडो-आइसलैंडिक बिजनेस एसोसिएशन के साथ किया एमओयू साइन

❖ जनभावना टाइम्स

नोएडा। इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (आईएमएस) नोएडा ने वैश्विक सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए इंडो-आइसलैंडिक बिजनेस एसोसिएशन (आईआईबीए) के साथ एमओयू हस्ताक्षर किए। इस समझौते का उद्देश्य आपसी सहयोग से शैक्षणिक, व्यापारिक और सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देना है। संस्थान में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान एमओयू पर आईएमएस नोएडा के प्रसिडेंट राजीव कुमार गुप्ता एवं आईआईबीए के चेयरमैन प्रसून देवाण ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर दोनों संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

राजीव कुमार गुप्ता ने कहा कि यह साझेदारी हमारे छात्रों और फैकल्टी के लिए एक शानदार अवसर है, जिससे वे वैश्विक व्यापार और उद्योग जगत से सीधे जुड़ सकेंगे। यह समझौता न केवल अकादमिक विकास को बढ़ावा देगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हमारे संस्थान की पहचान भी मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि इस समझौते से शिक्षा के क्षेत्र में हम संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम, अकादमिक शोध, कार्यशालाएं एवं सेमिनार का आयोजन करेंगे। वहीं व्यापार के क्षेत्र में हमें नए अवसरों की जानकारी एवं छात्रों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यावसायिक अवसरों से जोड़ने का अवसर मिलेगा। दोनों ही संस्थान भारत एवं आइसलैंड के बीच सांस्कृतिक, नवाचार एवं व्यावसायिक संबंधों को बढ़ावा देंगे। वहीं प्रसून देवाण ने कहा कि भारत और आइसलैंड के बीच व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए यह सहयोग एक महत्वपूर्ण पहल है। हम आईएमएस नोएडा के साथ मिलकर इस समझौते को सार्थक बनाने के लिए तत्पर हैं। उन्होंने कहा कि यह एमओयू दोनों संस्थानों के लिए नई संभावनाओं और वैश्विक स्तर पर सहयोग के नई राह प्रदान करेगा। यह पहल भारत और आइसलैंड के बीच व्यापारिक और सांस्कृतिक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करने में सहायक होगी।

नववर्ष कार्यक्रम में शामिल हुए कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा

❖ जनभावना टाइम्स

साहिबाबाद। वैशाली सेक्टर-1 बद्रीनाथ पार्क में आयोजित सनातन सेवा संस्थान शाखा वैशाली द्वारा सनातन नव वर्ष के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यरूप से प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, क्षेत्रीय पार्षद कुसुम गोयल, पूर्व पार्षद डॉ मनोज गोयल उपस्थित रहे।

इस अवसर पर भव्य शोभायात्रा भी निकली गई। शोभा यात्रा वैशाली सेक्टर एक मंदिर से होते हुए सेक्टर 3 सेक्टर 4 और सेक्टर 2 के मुख्य बाजार से निकलकर सेक्टर एक कार्यक्रम स्थल पर पहुंची। इस शोभायात्रा में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा द्वारा सपा के सांसद रामजीलाल सुमन के महान योद्धा राणा सांगा के खिलाफ की गई टिप्पणी का विरोध किया गया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग वोट बैंक के खातिर क्रूर शासक औरंगजेब का गुणगान कर रहे हैं। यह गलत है, सभी लोगों से एक रहने की अपील की गई और कहा कि जाति से बड़ा धर्म होता है। सनातन धर्म वैज्ञानिक आधार पर अपना काम करता है, वह चाहता है कि पूरा विश्व खुशहाल रहे संपन्न रहे, यह धर्म किसी का विरोध नहीं करता। इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष एमपी पाठक, पार्षद कुसुम मनोज गोयल, कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में अशोक चौबे, राजेश ओझा, कमल, रविन्द्र सैनी सुभाष शर्मा, अवधेश कटियार, लाल बिहारी पांडेय, शिव शंकर उपाध्याय, राजेश तिवारी आदि लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस एनकाउंटर में गिरा 16 मुकदमों वाला बदमाश

नोएडा। थाना सेक्टर-24 पुलिस ने एक मुठभेड़ के दौरान एक शातिर लुटेरे को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली उसके पैर में लगी है। इसके पास से पुलिस ने विभिन्न जगहों से लूटे हुए पांच मोबाइल फोन, 8 हजार 500 रूपए नकद तथा देसी तमंचा और घटना में प्रयुक्त होने वाली मोटरसाइकिल बरामद किया है। इसके खिलाफ पूर्व में 16 मुकदमे दर्ज हैं। अपर पुलिस उपायुक्त जोन प्रथम सुमित कुमार शुक्ला ने बताया कि देर रात को थाना सेक्टर-24 पुलिस सेक्टर-11 के टी पॉइंट के पास बैरियर लगाकर चेकिंग कर रही थी, तभी बाइक पर सवार होकर एक व्यक्ति आता हुआ दिखाई दिया। संदिग्ध प्रतीत होने पर पुलिस ने उसे रूकने का इशारा किया, लेकिन वह नहीं रुका और मोटरसाइकिल लेकर भागने लगा। उन्होंने बताया कि पुलिस ने उसका पीछा किया। अपने आपको पुलिस से घिरा देख बदमाश ने पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से गोली चलाई। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई। उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा चलाई गई गोली उसके पैर में लगी है। अपर उपायुक्त ने बताया कि घायल बदमाश की पहचान सोहन सिंह उर्फ सोनू पुत्र अवतार सिंह निवासी त्रिलोकपुरी दिल्ली के रूप में हुई है। इसकी उम्र 36 वर्ष है। उन्होंने बताया कि इसके पास से पुलिस ने घटना में प्रयुक्त होने वाली चोरी की एक मोटरसाइकिल, एक देसी तमंचा, कारतूस, विभिन्न जगहों से लूटे हुए पांच मोबाइल फोन तथा 8,500 रूपए नकद बरामद किया है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान गिरफ्तार बदमाश ने एनसीआर में लूटपाट की दर्जनों वारदातें करनी स्वीकार की है। उन्होंने बताया कि इसके खिलाफ नोएडा, दिल्ली के विभिन्न थानों में पूर्व में 16 मुकदमे दर्ज हैं। यह शातिर बदमाश है तथा अपने गैंग के साथियों के संग आए दिन लूटपाट की वारदातें करता है।

हेलमेट नहीं तो पेट्रोल नहीं अभियान की निकल रही है हवा

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश में पेट्रोल पंप संचालकों को संचालकों को सरकार से सत्य विधायक दी गई है कि टू व्हीलर चालकों को बिगर हेलमेट लगाए पेट्रोल ना दें लेकिन गाजियाबाद में हेलमेट नहीं तो पेट्रोल नहीं अभियान को लागू करने की कोशिश कई बार की गई, लेकिन यह पूर्ण रूप से कामयाब नहीं हो सका। इसके पीछे कई मुख्य कारण हैं, जिन्हें सामाजिक, प्रशासनिक और जनता में जागरूकता व व्यावहारिक दृष्टिकोण से समझा जा सकता है। गाजियाबाद जैसे शहर में दोपहिया वाहन चालकों की संख्या बहुत अधिक है, लेकिन हेलमेट के प्रति जागरूकता अभी भी कम है। कई लोग इसे अपनी व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर हमला मानते हैं और नियम का पालन करने में अनिच्छा दिखाते हैं। अभियान के शुरुआती दिनों में लोगों ने इसका विरोध किया और पेट्रोल पंप संचल को का कहना है टू व्हीलर चालक जो तेल डालने के लिए आते हैं और हेलमेट लगाए नहीं होते हैं पेट्रोल पंप कर्मी जब पेट्रोल देने को मना करते हैं तो टू व्हीलर चालक कर्मियों के साथ बहस या मारपीट की घटनाएं भी सामने आईं।

राहगीरों से लूटपाट करने वाला मुठभेड़ में घायल

नोएडा। सेक्टर-24 पुलिस ने दिल्ली-एनसीआर में राहगीरों से लूटपाट करने वाले बदमाश को सोमवार रात मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। वह गोली लगने से घायल हो गया था। उसको जिला अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया। उसके खिलाफ दिल्ली और नोएडा के थानों में 16 केस दर्ज हैं। एडीसीपी सुमित कुमार शुक्ला ने बताया कि पुलिस टीम को सोमवार रात सेक्टर-56 टी प्वाइंट की तरफ सामने से एक बाइक सवार आता दिखाई दिया। टीम ने संदिग्ध लगने पर उसे रुकने का इशारा किया, लेकिन वह मुड़कर भागने का प्रयास करने लगा। पुलिस ने उसका पीछा किया तो वह खुद को घिरता देखकर अनियंत्रित होकर बाइक से गिर गया। उसने तमंचा निकाला और पुलिस टीम पर फायर कर दिया। जवाबी कार्रवाई में गोली आरोपी के पैर में लगी। पुलिस ने घायल होने पर उसे पकड़ लिया। उसकी पहचान दिल्ली के त्रिलोकपुरी निवासी सोहन सिंह उर्फ सोनू के रूप में हुई। एडीसीपी ने बताया कि सोहन राहगीरों से मोबाइल और चेन झपटता था। अगर कोई उसका विरोध करता तो वह हथियार के बल पर उसे डराता था। आरोपी के पास से चोरी की बाइक, 8,500 रुपये और पांच मोबाइल फोन बरामद हुए। ये सभी मोबाइल फोन लोगों से छीने गए थे। आरोपी के पास से तमंचा और कारतूस भी बरामद हुआ है।

भाजपा 3 से 5 अप्रैल के बीच विधानसभा वार करेगी 'विकास गोष्ठी' का आयोजन

❖ जनभावना टाइम्स

गाजियाबाद महानगर भाजपा अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में आगामी कार्यक्रम विकास गोष्ठी (विधान सभा स्तर पर) के लिए विधानसभा तैयारी बैठक का आयोजन तीनों विधायकों की मौजूदगी में किया गया। बैठक में मंडल अध्यक्षों, पार्षदों तथा महानगर पदाधिकारियों कोआमंत्रित किया गया।

3 से 5 अप्रैल के बीच विकास गोष्ठी के आयोजन में सरकार की 8 वर्षो की उपलब्धियों पर विधानसभा में गोष्ठी समस्त वर्तमान व पूर्व जनप्रतिनिधि सांसद, विधायक, एम.एल.सी. मेयर, जिला पंचायत अध्यक्ष, जिला पंचायत सदस्य, नगर पालिका अध्यक्ष, नगर पंचायत अध्यक्ष, ब्लाक प्रमुख, प्रधान, बीडीसी को-ऑपरेटिव एवं अन्य जनप्रतिनिधियों तथा लाभार्थियों को गोष्ठी में आमंत्रित किया जाएगा। मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि उत्कर्ष के 8 साल बेमिसाल अभियान को लेकर विधानसभा में विकास गोष्टी के कार्यक्रम की रूपरेखा के बाबत तीनों विधानसभाओं में बैठक आयोजित की गई । जिनमें उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने विधानसभा साहिबाबाद में अध्यक्ष मयंक गोयल की उपस्थिति में सभी मंडल अध्यक्ष और पार्षदों के साथ वार्ता की और कार्य का आबंटन किया। इसी कड़ी में मुरादनगर विधानसभा के विधायक अजीत पाल त्यागी के आरडीसी स्थित कार्यालय पर तथा शहर विधायक संजीव शर्मा ने शहर विधानसभा में आयोजन की तैयारियों को अमली जामा पहनाया गया। विकास गोष्टी में मुख्य वक्ता के रूप से प्रदेश नेतृत्व द्वारा वक्ता तय कर भेजे जाएंगे। जिसमें बैठक का आयोजन विधानसभा वार होते हुए उनमें उनके विधायक और महानगर अध्यक्ष प्रमुख रूप से विकास संगोष्ठी की बैठक में शामिल होंगे।

अंतरराष्ट्रीय रक्षा पर सम्मेलन आयोजित

❖ जनभावना टाइम्स

नोएडा। एमिटी विश्वविद्यालय के एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ डिफेंस एंड स्ट्रैटेजिक स्टडीज ने अंतरराष्ट्रीय रक्षा और सामरिक सम्मेलन रणनीति की मेजबानी की। सम्मेलन में मुख्य भाषण, विशेषज्ञ पैनल सत्र और अकादमिक पेपर प्रस्तुत किए गए।

इसमें 22 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रक्षा और सामरिक विशेषज्ञों की सक्रिय भागीदारी हुई। इस सम्मेलन का शुभारंभ यूपीएससी के सदस्य और एआरटीआरएसी के पूर्व सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल राज शुक्ला, पीवीएस, वाईएसएम और एसएम (सेवानिवृत्त), एमिटी शिक्षण समूह के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार चौहान, राजदूत अशोक सज्जनहार, आईएफएस (सेवानिवृत्त), एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ डिफेंस एंड स्ट्रैटेजिक स्टडीज के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) एस.के. गिडिऑक और प्रमुख ब्रिगेडियर (डॉ.) आनंद के. तिवारी द्वारा शुभारंभ किया गया। इस सम्मेलन में मुख्य भाषण, विशेषज्ञ पैनल सत्र और अकादमिक पेपर प्रस्तुतियाँ शामिल थीं, जिसमें 22 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रक्षा और सामरिक विशेषज्ञों की सक्रिय भागीदारी थी।

यूपीएससी के सदस्य और एआरटीआरएसी के पूर्व सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल राज शुक्ला, पीवीएस, वाईएसएम और एसएम (सेवानिवृत्त) ने कहा कि एमिटी में आयोजित इस प्रकार के सम्मेलन छात्रों को वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों को समझने और उनके निवारण में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करते है। एमिटी शिक्षण समूह के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार चौहान ने कहा कि यह अत्यंत गर्व और सम्मान की बात है कि लेफ्टिनेंट जनरल राज शुक्ला जैसे विशेषज्ञ आज हमारे साथ अपने विचार साझा करने और ऐसे प्रासंगिक विषय पर प्रकाश डालने के लिए मौजूद हैं। वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए मजबूत कूटनीतिक संबंध बनाना और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में शामिल होना महत्वपूर्ण है।

एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ डिफेंस एंड स्ट्रैटेजिक स्टडीज के प्रमुख ब्रिगेडियर (डॉ.) आनंद के. तिवारी ने सम्मेलन की शुरुआत करते हुए सम्मेलन की थीम::बदलते प्रतिमान-21वीं सदी में बदलती भू-राजनीति को नेविगेट करना" रखी। रणनीति-2025 ने पश्चिम एशिया, यूरेशिया और हिंद महासागर क्षेत्र में वैश्विक पुनर्गठन और उभरती चुनौतियों का पता लगाया। यह बहुध्रुवीयता, आर्थिक राज्य कला, भू-आर्थिक नीतियों और वैश्विक शक्ति गतिशीलता को आकार देने में राज्य और गैर-राज्य अभिनेताओं दोनों की भूमिका पर गहन चर्चा के लिए एक उच्च-स्तरीय मंच के रूप में कार्य करता है। संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों - 17 के साथ संरेखित, शांति और वैश्विक स्थिरता को बढ़ावा देते हुए, इस कार्यक्रम ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर युद्ध, स्वायत्त प्रणालियों और अंतरिक्ष सैन्यीकरण जैसे समकालीन मुद्दों को संबोधित किया और विद्वानों और छात्रों के बीच नीति-उन्मुख अनुसंधान को प्रोत्साहित किया। रणनीती-2025 ने नीति निर्माताओं, राजनयिकों और रक्षा पेशेवरों के लिए रणनीतिक अंतर्दृष्टि प्रदान करते हुए अकादमिक नेटवर्किंग और अनुसंधान सहयोग को भी बढ़ावा दिया। अकादमिक गहराई और नीति प्रासंगिकता के संयोजन के माध्यम से, सम्मेलन ने महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक बदलावों पर बौद्धिक प्रवचन को आगे बढ़ाया और क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई योग्य रणनीति प्रदान की।

गार्डेनिया ग्रीन सोसाइटी के आरडब्ल्यूए अध्यक्ष बने राजू वर्मा

❖ जनभावना टाइम्स

साहिबाबाद। वसुंधरा सेक्टर 18 स्थित गार्डेनिया ग्रीन सोसाइटी की आरडब्ल्यूए (रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन) के चुनाव संपन्न हो गए। इसमें राजू वर्मा को आरडब्ल्यूए का अध्यक्ष चुना। चुनाव संपन्न होने पर सोसाइटी वासियों ने नई कार्यकारणी को बधाई दी।

आरडब्ल्यूए अध्यक्ष के अलावा उपाध्यक्ष विश्व दीपक पांडे, महासचिव अंकुर अग्रवाल, सचिव मयूर, कोषाध्यक्ष प्रतिमा श्रीवास्तव को चुना गया। इसके अलावा कार्यकारी सदस्य के तौर पर संजीव शर्मा, राघवेन्द्र शर्मा, प्रदीप आर्या, सुनील शर्मा, कनिका जाटावत, अभिषेक कक्कड़, अर्चना जैन, दिव्या भाटिया, गुड्डू रावत, उत्तम सिंह रावत को चुना गया। चुनाव की यह प्रक्रिया निर्वाचन अधिकारी सतपाल गर्ग ने संपन्न करवाई।

सोसाइटी की आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों ने सोसाइटी के लोगों को विश्वास दिलाया कि सोसाइटी की सभी समस्याओं का निपटारा किया जाएगा। सोसाइटी के महासचिव अंकुर अग्रवाल ने बताया कि सोसाइटी की जो भी समस्या होगी उसको प्रशासन के सहयोग से दूर किया जाएगा। इसे शहर की सबसे अच्छी सोसाइटी बनाने का प्रयास रहेगा।

प्रमुख सचिव ने अपेरल व एमडीपी का निरीक्षण किया

❖ जनभावना टाइम्स

ग्रेटर नोएडा। यमुना विकास प्राधिकरण के चेयरमैन एवं प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने मेडिकल डिवाइस पार्क और अपेरल पार्क का निरीक्षण किया।

यहां उन्होंने इकाइयों के चल रहे निर्माण समेत उद्यमियों के साथ वार्ता की। प्रमुख सचिव से अपेरल पार्क के उद्यमी भी मिले। उन्होंने कहा कि अपेरल पार्क में कुल 81 भूखंड आवंटित हुए थे, जिनमें से 16 भूखंडों का आजतक आवंटन नहीं हो पाया है। ऐसे में उन्होंने भूखंड आवंटन जल्द करने की मांग की।

इसके अलावा अन्य समस्याओं के बारे में भी बताया। इसके बाद प्रमुख सचिव मेडिकल डिवाइस पार्क भी पहुंचे थे। यहां निर्माणाधीन इकाइयों के साथ ही कॉमन फैसिलिटी एरिया का जाजया लिया गया। उन्होंने उद्यमियों को निर्माण पूरा कर जल्द मैन्युफैक्चरिंग शुरू करने के आदेश दिए। इस दौरान सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह समेत अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

परिषदीय स्कूलों में किताबों के बिना नया सत्र शुरू

प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा एक से तीसरी तक के विद्यार्थी खाली बस्ता लेकर पहुंचे

❖ जनभावना टाइम्स

ग्रेटर नोएडा। जिले के परिषदीय विद्यालयों में नया शैक्षिक सत्र शुरू हो गया है। मंगलवार को पहले ही दिन छात्रों ने बिना किताबों के पढ़ाई की। कक्षा एक से तीन तक के छात्रों की किताबें विद्यालयों में नहीं पहुंचने से वह खाली बस्ता लेकर स्कूल पहुंचे थे। वहीं, कक्षा छह के छात्रों को भी उनकी किताबें अबतक नहीं मिल सकी। शिक्षकों ने छात्रों को बोर्ड पर लिखकर पढ़ाया और घर के लिए काम दिया। जिले में 511 प्राथमिक विद्यालय है। जिनमें एक अप्रैल से नए सत्र शुरू हो गया है।

शासन के आदेश के अनुसार विद्यालयों में नए सत्र के पहले सभी छात्रों को उनके अगली कक्षा की किताबें वितरित की जानी थी, लेकिन सभी विद्यालयों में किताबें न पहुंचने के कारण छात्रों को उनकी पुस्तकें नहीं मिल पाई। खास तौर पर कक्षा एक से तीन के छात्र को किसी विषय की किबात नहीं मिल पाई है। हालांकि, बेसिक शिक्षा विभाग ने चौथी से आठवीं तक के छात्रों की किताबें विद्यालयों में पहुंचने का दावा किया गया, जो कि पूरा नहीं हो पाया। जनपद के लगभग सभी विद्यालयों में कक्षा 6 की किताबें भी नहीं पहुंची। ऐसे में एक किताब से तीन से चार छात्र पढ़ाई के लिए मजबूर रहे। वहीं, छोटी कक्षाओं के छात्रों को किताबें नहीं मिली तो उन्होंने छुट्टी में लेने आए अभिभावकों से इसकी शिकायत की। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षा संघ के मंडल अध्यक्ष मेघराज भाटी ने बताया कि हर वर्ष विभाग द्वारा नए सत्र शुरू होने पर समय से किताब पहुंचने के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, जिनको पूरा करने में विभाग असफल हो जाता है। इस बार भी नए सत्र की शुरुआत के पहले दिन पहली से तीसरी कक्षा की किताबें नहीं पहुंची। साथ ही, छठी के छात्रों को भी उनकी किताबें नहीं मिली। अब छात्रों को कक्षाओं में पढ़ने में काफी अधिक परेशानी होगी। इस समस्या का समाधान करने के लिए उनके द्वारा पुराने छात्रों से पुस्तक के लिए जाएगी, जिनके जरिए छात्रों को पढ़ाया जाएगा, लेकिन वह पुस्तक के सभी छात्रों के लिए पर्याप्त नहीं हो पाती हैं। शहर के तुगलपुर, नवादा, सूरजपुर, बिसरख व नोएडा क्षेत्र के सभी स्कूलों में यह बच्चे बिना किताबों के ही घर लौट गए।

पहले दिन तिलक लगाकर हुआ छात्रों का स्वागत

जनपद के सभी परिषदीय विद्यालयों में स्कूल चलो अभियान के माध्यम से नए शैक्षिक सत्र 2025- 26 का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जनपद के विद्यालयों को विशेष रूप से छात्रों का तिलक लगाकर व पुष्प वर्षा कर किया गया। साथ ही, मुख्यमंत्री के प्रसारण को भी दिखाया गया। जिसके लिए दादरी ब्लॉक स्थित मथुरापुर प्राथमिक विद्यालय में विशेष आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी विद्यानाथ शुक्ल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी नरेंद्र कुमार, उप शिक्षा निदेशक व प्राचार्य डायट राज सिंह यादव, डीपीआरओ वीरेंद्र सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर छात्रों की रैली का शुभारंभ किया। छात्रों के साथ स्वास्थ्य विभाग की टीम ने भी गांव में रैली निकाली। वहीं, छात्रों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि शिक्षक छात्रों को सपने देखने के लिए प्रेरित करें। शिक्षकों की मेहनत से यदि छात्र आगे बढ़ते हैं तो वही सच्ची उपलब्धि होगी। इसके अतिरिक्त उन्होंने जनपद में संचारी रोगों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग के द्वारा किए जा रहे प्रयासों की भी चर्चा की और यह भी अपील की कि छात्रों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए इन रोगों से उनका बचाव बहुत जरूरी है।

दिल्ली पुलिस ने किया सात वाहन चोर गिरफ्तार, 22 गाड़ी बरामद

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। पश्चिम जिला पुलिस ने दो अलग अलग मामलों में सात कुख्यात वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके पास से 20 चोरी के दोपहिया वाहन (10 बाइक और 10 स्कूटी) बरामद किए हैं। इसके अलावा उनसे एक वाला चाकू भी जब्त किया गया है। आरोपितों की पहचान सुभाष नगर के अजय, जखीरा के उमेश, तिलक नगर के प्रिंस उर्फ राहुल , शिवाजी एन्क्लेव के हर्ष उर्फ अंकित, मादीपुर गांव के बलराम उर्फ बिट्टू व ख्याला के सुभान खान और मनीष के रूप में हुई है। ये सभी पहले भी चोरी, झपटमारी और हथियार अधिनियम जैसे कई अपराधों में शामिल रहे हैं। पुलिस का दावा है कि आरोपितों की गिरफ्तारी से 21 चोरी के मामलों को सुलझाया गया है।

पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त विचित्र वीर ने बताया कि वाहन चोरी की बढ़ती घटनाओं को रोकने के लिए पश्चिम जिला पुलिस की टीमें लगातार काम कर रही हैं। इसी कड़ी में रविवार को राजौरी गार्डन, मोती नगर और ख्याला थाना क्षेत्रों में अजय, उमेश और मनीष को पकड़ा गया। अजय को सुभाष नगर में स्कूटी खींचते हुए, उमेश को ईएसआई अस्पताल के पास और मनीष को गंदा नाला रोड पर बाइक के साथ धर दबोचा गया। इनके पास से 10 वाहन बरामद हुए। वहीं सोमवार को दूसरा अभियान एएटीएस, पंजाबी बाग और ख्याला थाना पुलिस ने हर्ष, प्रिंस, बलराम और सुभान को गिरफ्तार किया। इनके पास से भी 10 वाहन और एक चाकू बरामद हुआ। पुलिस अधिकारी ने बताया कि टीमें गश्त करने के साथ-साथ सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय सूचनाओं का सहारा भी ले रही थी। सभी आरोपितों का आपराधिक रिकार्ड रहा है, जिसमें अजय 10, प्रिंस 20 और बलराम 11 आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई में जुटी है।

वाहन वायु प्रदूषण रोकथाम से संबंधित सीएजी की चौथी रिपोर्ट सदन में पेश

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली की आठवीं विधानसभा में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मंगलवार को बजट सत्र के दौरान भारत नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की चौथी रिपोर्ट सदन में पेश की। सीएजी की यह रिपोर्ट दिल्ली में वाहनों से होने वाले वायु प्रदूषण की रोकथाम से संबंधित है।

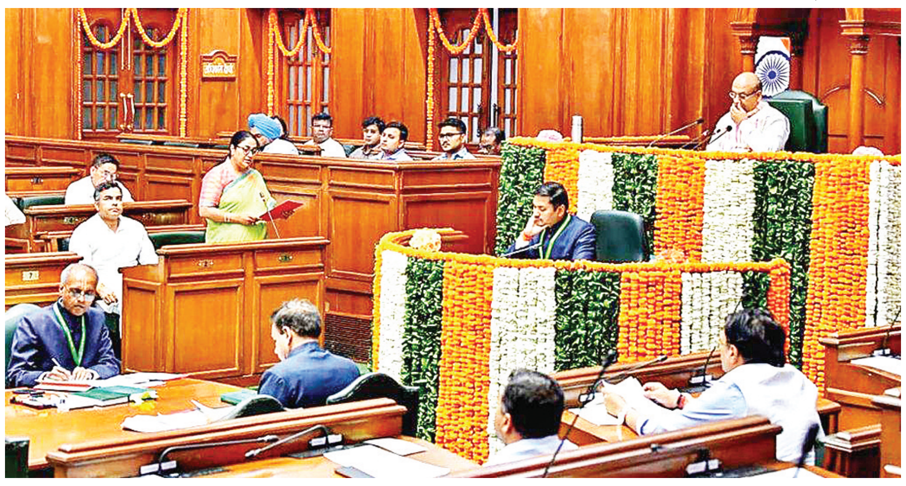

मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री रेखा गुप्ता 31 मार्च 2021 में समाप्त हुए साल के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार से संबंधित भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक के दिल्ली में वाहन वायु प्रदूषण रोकथाम और शमन पर निष्पादन लेखा परीक्षा प्रतिवेदन की प्रतियां सदन पटल पर पेश कीं। सीएजी रिपोर्ट पर चर्चा शुरू होते ही विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया। हंगामे को देखते हुए विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सदन को दस मिनट के लिए स्थगित कर दिया। सीएजी की यह रिपोर्ट 'परिवहन' क्षेत्र से ईंधन के जलने से होने वाले प्रदूषण पर केन्द्रित है, जो वातावरण में कणिकीय पदार्थ (पीएम), नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर डाई-ऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड तथा एनएमवीओसी को छोड़ता है। इस उत्सर्जन का मानव स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है, जिससे हृदय रोग, फेफड़े रोग, फेफड़ों में संक्रमण, ब्लड कैंसर आदि होता है। वायु प्रदूषण के लिए पीएम एक सामान्य प्रॉक्सी संकेतक है और किसी भी अन्य प्रदूषक की तुलना में अधिक लोगों को प्रभावित करता है। परिवहन क्षेत्र से प्रदूषण के प्रबंधन के लिए यह आवश्यक है कि वाहनों के उत्सर्जन के प्रतिकूल प्रभावों और समस्या को समझा जाये और संभव समाधानों की पहचान की जाए।

पहला कदम वायु प्रदूषण की गंभीरता से अवगत होना है, जिसके लिए एक विश्वसनीय वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली की आवश्यकता होती है। शहरी परिवहन व्यवस्था में सुधार, बुनियादी ढांचे में निवेश के माध्यम से परिवहन के साधनों में बदलाव, कुछ निश्चित श्रेणियों के वाहनों पर स्थान और समय विशिष्ट प्रतिबंधों के माध्यम से वाहनों की आवाजाही को रोक कर तथा मोटर वाहनों के उत्सर्जन और फिटनेस की जांच के लिए निगरानी और प्रवर्तन प्रणाली की स्थापना करके वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को कम किया जा सकता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने से वाहनों से उत्सर्जन को कम करने में काफी मदद मिलेगी। पर्याप्त चार्जिंग सुविधाओं के अभाव के कारण नए पंजीकरणों में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी कम हो सकती है।

सरकार के जरिए सड़कों के किनारे अलग-अलग लेन के माध्यम से गैर-मोटर चालित परिवहन को बढ़ावा देने के लिए नियमित और ठोस प्रयासों की कमी थी। दिल्ली की सड़कों पर वाहनों के यातायात को कम करने के लिए विभिन्न कदम उठाए जा सकते हैं, विशेष रूप से वे जो डीजल ईंधन पर चल रहे हैं और या दिल्ली के लिए नियत नहीं है। जीआरएपी ने उच्च प्रदूषण स्तरों की कड़ी के दौरान ऑड-ईवन योजना के कार्यान्वयन को अनिवार्य किया और ट्रकों के प्रवेश को प्रतिबंधित किया। हालांकि ऐसे अधिकांश अवसरों पर यहां अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई थी। यहां तक कि जब ऑड-ईवन योजना लागू की गई थी, दोपहिया वाहनों को छूट दी गई थी, जिससे योजना का उद्देश्य विफल हो गया था।

आप सरकार की लापरवाही से हुआ हजारों करोड़ का घाटा : सूरा
कैग रिपोर्ट में हुआ खुलासा

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में पेश की गई डी.टी.सी. की कैग रिपोर्ट में 60 हजार 741 करोड़ के घाटे के साथ आप पार्टी सरकार की कई खामियां भी जाहिर की गई है। इस मामले पर पूर्वी दिल्ली भाजपा के वरिष्ठ नेता पश्चिमी जिले के पूर्व सह-प्रभारी गुरमीत सिंह सूरा का कहना है कि कैग रिपोर्ट ने यह साबित कर दिया है कि केजरीवाल ने मात्र विज्ञापनों के दम पर लोगो को बेवकूफ बनाने का काम किया था।

क्योंकि बसों की संख्या लगातार घटती गई और अपने सिस्टम को विश्वस्तरीय बताने में आप सरकार लगी रही। इतना ही आप पार्टी सरकार के समय में बस डिपो की संख्या भी घटती गई डिपो घटकर 38 रह गए। जिन बसों को पहले 10 वर्ष पुरानी होने पर सड़कों से हटा दिया जाता था वहीं आज दो हजार से ज्यादा बसें ऐसी है जो ओवर एज होने के बावजूद जबरन चलाई जा रही हैं। अनुभव हीनता और दिशाहीनता के चलते आज डीटीसी

का घाटा 60 हजार 741 करोड़ रुपए हो चुका है। जबकि सरकार की योजनाओं से होने वाली आय से उस विभाग का खर्च निकाल कर बाकी रकम से से आम जनता की सुविधाओं को और मजबूत किया जाता है लेकिन पूर्व सरकार साल दर साल घाटा दिखाने के अलावा कुछ कर ना सकी।

गुरमीत सिंह सूरा कहते हैं जो केजरीवाल बसों के पीछे अपने बड़े बड़े पोस्टर लगवाने में आगे तो रहे लेकिन डीटीसी में विज्ञापन कॉन्ट्रैक्ट या कमर्शियल स्थान के टेंडर देने में देरी करने के चलते डीटीसी को राजस्व कमाने देने में पिछड़ गए। रिपोर्ट के अनुसार सरकार की रूट प्लानिंग में कमी के चलते डीटीसी की बसें केवल 57 प्रतिशत रूटों पर ही चल पा रही थी, जिस कारण डीटीसी किसी भी रूट पर अपनी परिचालन लागत तक वसूल नहीं कर सका।

कैग की इस रिपोर्ट ने साफ संकेत दिए हैं कि सरकारी उपक्रमों में कुप्रबंधन और लापरवाही के कारण दिल्लीवासियों के टैक्स के करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ। अब यह रिपोर्ट सरकारी उपक्रमों संबंधी समिति को भेजी जा रही है। समिति को तीन महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा परिवहन विभाग और डीटीसी को अब एक महीने के भीतर अपने एक्शन टेकन नोट विधानसभा सचिवालय को भेजने होंगे, ताकि दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की जा सके और भविष्य में ऐसी अनियमितताओं से बचा जा सके। गुरमीत सिंह सूरा कहते हैं अभी तो और भी कई विभागों की रिपोर्ट सामने आनी हैं जिनसे आप पार्टी सरकार की पोल जनता के सामने आएगी।

संक्षिप्त खबरें

न्यू सीलमपुर इलाके में झुग्गियों में लगी आग

नई दिल्ली। न्यू सीलमपुर इलाके में मंगलवार सुबह दो झुग्गियों में आग लग गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस व दमकल की सात गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकलकर्मियों ने आधे घंटे के भीतर आग पर काबू पाया। घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। फिलहाल पुलिसआग लगने के कारणों की जांच कर रही है। दमकल विभाग के अनुसार मंगलवार सुबह साढ़े सात बजे दमकल कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि न्यू सीलमपुर केपास झुग्गियों में आग लग गई है। सूचना मिलते ही एक एक कर दमकल की सात गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकल अधिकारी के अनुसार आग दो झुग्गियों में लगी थी। घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। फिलहाल पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

दिल्ली हाईकोर्ट के जज डी के शर्मा का कलकत्ता हाईकोर्ट में तबादला

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा का मंगलवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय में तबादला कर दिया गया। विधि और न्याय मंत्रालय ने यह जानकारी दी। शर्मा, दिल्ली उच्च न्यायालय के ऐसे तीसरे न्यायाधीश हैं, जिनका हाल के दिनों में तबादला किया गया है। कुछ दिन पहले, न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा और न्यायमूर्ति चंद्रधारी सिंह का स्थानांतरण किया गया था। उच्चतम न्यायालय के कॉलेजियम ने पिछले महीने न्यायमूर्ति शर्मा के स्थानांतरण की सिफारिश की थी। न्यायमूर्ति शर्मा वर्तमान में दिल्ली उच्च न्यायालय में वरिष्ठता में 18वें स्थान पर हैं। उन्हें साल 2022 में उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत होने से पहले शर्मा नई दिल्ली में जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा दिल्ली उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार (सतर्कता) थे।

दिल्ली चिड़ियाघर में एक चिंकारा और काला हिरण मृत मिला

नई दिल्ली। दिल्ली चिड़ियाघर में एक चिंकारा और एक काले हिरण की मौत हो गई। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। दिल्ली प्राणि उद्यान के अधिकारियों के अनुसार, चिंकारा (गेजेला बेनेट्टी) की मौत का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही पता चलेगा। वहीं, प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चला है कि काले हिरण (एंटीलोप सर्विकाप्रा) की मौत वृद्धावस्था के कारण हुई। दिल्ली चिड़ियाघर के निदेशक संजीत कुमार ने कहा, 'संयुक्त निदेशक (प्राणी उद्यान) को जानवरों की मौतों पर रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है।' चिड़ियाघर के अधिकारियों द्वारा जानवरों की मौत की तारीख, समय और उम्र सहित अन्य विवरण अभी तक उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। इससे पहले फरवरी में दिल्ली चिडियाघर में एक जगुआर और एक नीलगाय की मौत हुई थी। नवंबर 1959 में स्थापित दिल्ली चिड़ियाघर में 95 प्रजातियों के पशु और पक्षी हैं और इसे देश का 'मॉडल' चिड़ियाघर माना जाता है।

विस उपाध्यक्ष ने मुस्तफाबाद में अवैध निर्माण व ऊंची इमारतों को लेकर सदन में जताई चिंता

● निर्माण मानकों के खिलाफ बनी ऊपरी मंजिलों को तत्काल गिराने की मांग की

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट ने मंगलवार को मुस्तफाबाद विधानसभा क्षेत्र में अवैध निर्माण और छोटे-छोटे प्लाट पर पांच से छह मंजिला ऊंची इमारतों का मुद्दा विधानसभा में उठाया। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि बेतरतीब और अवैध निर्माण की वजह से लोगों पर गंभीर सुरक्षा संकट उत्पन्न हो गया है। भूकंप के समय ऐसी इमारतों के गिरने से लोगों के जीवन पर संकट आ जाएगा। उन्होंने लोगों की सुरक्षा के मद्देनजर इस मामले में विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता से त्वरित संज्ञान लेने की मांग की।

मोहन सिंह बिष्ट ने बताया कि 50, 60 एवं 100 गज के छोटे प्लॉट्स पर 5-6 मंजिला ऊंची इमारतें खड़ी कर दी गई हैं, जिससे पूरे इलाके में भवन निर्माण मानकों की अनदेखी हुई है। दिल्ली सरकार की ओर से केवल 3-4 मंजिला भवन तक की इजाजत दी गई है, जिसका उल्लंघन कर ऊंची इमारतों का निर्माण किया गया है। उन्होंने आगाह किया कि दिल्ली के भूकंप संभावित क्षेत्र में यह अवैध निर्माण बड़ा खतरा पैदा कर सकता है और किसी भी आपदा की स्थिति में जान-माल का भारी नुकसान हो

सकता है। बिष्ट ने कहा कि संकरी गलियों और अव्यवस्थित ढांचों की वजह से राहत एवं बचाव कार्य बेहद मुश्किल हो जाएगा।

उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि बिजली कंपनियों ने किस आधार पर इन अवैध निर्माणों को बिजली कनेक्शन प्रदान किए, जबकि भवन निर्माण मानकों का स्पष्ट उल्लंघन किया गया है। विधानसभा उपाध्यक्ष ने भवन निर्माण के उल्लंघनों की उच्चस्तरीय जांच कराने और निर्माण मानकों के खिलाफ बनी ऊपरी मंजिलों को तत्काल गिराने की मांग की। उन्होंने कहा कि इन अनियमितताओं की वजह से क्षेत्र के कई लोग पलायन को मजबूर हो रहे हैं। उन्होंने पेयजल एवं सीवेज व्यवस्था की खस्ताहाल स्थिति को सुधारने के लिए ठोस कदम उठाने पर जोर दिया।

आप विधायकों ने दिल्ली में बिजली कटौती पर विधानसभा में चर्चा की मांग की

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) विधायकों ने मंगलवार को दिल्ली विधानसभा सचिव को नोटिस सौंपकर राष्ट्रीय राजधानी के कई इलाकों में कथित बिजली कटौती पर चर्चा का अनुरोध किया। आप विधायक संजीव झा और कुलदीप कुमार ने दिल्ली के बिजली मंत्री आशीष सूद को अलग-अलग पत्र लिखकर लंबे समय तक बिजली की कटौती की समस्या पर प्रकाश डाला और सरकार से इस मुद्दे को सुलझाने का आग्रह किया।

बुराड़ी से विधायक संजीव झा ने 28 मार्च को अपने विधानसभा क्षेत्र के जगतपुर गांव में बिजली कटौती की ओर ध्यान आकृष्ट किया, जिससे घरों, व्यवसायों और आवश्यक सेवाओं पर असर पड़ा। झा ने विधानसभा में प्रक्रिया और व्यवसाय के संचालन नियमों के नियम 54 का हवाला देते हुए लिखा, "शिकायतों के बावजूद कोई तत्काल समाधान नहीं किया गया। मैं बिजली मंत्री से विस्तृत स्पष्टीकरण देने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह करता हूं। इस बीच, विधायक कुलदीप कुमार ने विधानसभा में इस मुद्दे पर चर्चा के लिए नियम 59 के तहत स्थगन प्रस्ताव

लाने की मांग की।

कुमार ने कहा कि इन बिजली कटौती से निवासियों को भारी असुविधा हुई है, कारोबार बाधित हुआ है और आवश्यक सेवाएं बाधित हुई हैं। स्थिति पर सरकार को तत्काल ध्यान देने और पूरी तरह से जवाब देने की आवश्यकता है। बिजली आपूर्ति के मुद्दे ने आप और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच राजनीतिक विवाद को जन्म दिया है। आप नेताओं ने भाजपा पर फरवरी में सत्ता संभालने के बाद बिजली वितरण का प्रबंधन करने में विफल रहने का आरोप लगाया है। आप की वरिष्ठ नेता और दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार को बिजली कटौती के लिए भाजपा नीत प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया और कुप्रबंधन का आरोप लगाया। आतिशी ने कहा, "ऐसा कैसे हो सकता है कि 10 साल में बिजली कटौती नहीं हुई, लेकिन भाजपा शासन के एक महीने के भीतर ही बिजली कटौती फिर से शुरू हो गई? इसका मतलब केवल एक ही है: भाजपा को सरकार चलाना नहीं आता। उनके पास दिल्ली के लोगों की सेवा करने का न तो इरादा है और न ही क्षमता।

आरोपों का जवाब देते हुए भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने इन दावों का खंडन करते हुए कहा कि निर्बाध बिजली आपूर्ति किसी भी सरकार का मूल कर्तव्य है और उन्होंने आप पर बिजली क्षेत्र के प्रबंधन में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। सचदेवा ने कहा कि मुंबई, पुणे, अहमदाबाद, वडोदरा और बेंगलुरु जैसे भाजपा शासित शहरों में निर्बाध बिजली आपूर्ति है। यहां तक कि उत्तर प्रदेश, जो कभी खराब बिजली प्रबंधन के लिए जाना जाता था, अब स्थिर बिजली आपूर्ति कर रहा है। 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराना सरकार का कर्तव्य है, कोई एहसान नहीं।

पूर्व मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी शुक्रवार को इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया व्यक्त की और सोशल मीडिया पर भाजपा की आलोचना की। केजरीवाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया कि हमने बड़ी मुश्किल से दिल्ली में बिजली व्यवस्था स्थापित की थी, निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत की। 10 साल तक बिजली कटौती नहीं हुई। उन्होंने लिखा कि सिर्फ एक महीने में उन्होंने व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। दिल्ली की आठवीं विधानसभा का पहला बजट सत्र अभी जारी है। फरवरी में हुए चुनाव में भाजपा ने 70 में से 48 सीट जीती, जिससे आप का एक दशक पुराना शासन खत्म हो गया और 27 साल बाद राष्ट्रीय राजधानी में सत्ता में उसकी वापसी हुई।

झंडेवालान एक्सटेंशन इमारत में लगी आग

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के झंडेवालान एक्सटेंशन इमारत में मंगलवार दोपहर अचानक आग लगने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया। आग चपेट में आकर इमारत के बाहर खड़ी पांच से छह वाहन भी जल गए। सूचना मिलने पर दमकल की 25 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया।

आग किस वजह से लगी है, यह पता नहीं चल सका है। दमकल विभाग के अनुसार इमारत के छत पर रखे एसी के आउट डोर में धमाका हुआ। जिसके कारण आग फैल गई। घटनास्थल से मिली जानकारी के अनुसार आग के दौरान एक एसी के फटने की भी सूचना मिली है, जिससे सामने की एक अन्य इमारत को नुकसान पहुंचा। राहत की बात यह है कि इस हादसे में किसी के हताहत होने को सूचना नहीं है। पुलिस के अनुसार आग दोपहर करीब 2:30 बजे लगी। तेज हवा के

कारण आग तेजी से फैली, जिससे आसपास की इमारतों को भी खतरा उत्पन्न हो गया था।

स्थानीय लोगों ने बताया कि आग इतनी भीषण थी कि अन्य इमारतों के भी चपेट में आने की आशंका थी, लेकिन दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई से स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया। इस हादसे में किसी के हताहत होने या घायल होने की कोई सूचना नहीं है। इमारत में बैंक व ऑफिस :स्थानीय निवासी राज कुमार ने बताया कि उनकी अनारकली इमारत में मार्केटिंग का ऑफिस है। मंगलवार दोपहर करीब दो बजे लोगों का शोर सुना। बाहर आकरदेखा तो पड़ोस की इमारत में आग लगी हुई थी। जिस इमारत में आग लगी वह चार मंजिला बना हुई है। इसमें ग्राउंड फ्लोर पर आईसीआईसीआई बैंक था। बैंक केभीतर तीन एटीएम भी लगे हुए थे।

इमारत के आधे हिस्से में नीचे से ऊपर तक बैंक का था जबकि अन्य आधे हिस्से में प्राइवेट ऑफिस बने हुए थे। राजकुमारके अनुसार आग छत से नीचे तक पहुंच गई। आग लगने के दौरान धमाका भी हुआ था। घटना में इमारत के बाहर खड़ी पांच से छह वाहन भी जल गए।आग की सूचना मिलने पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। दमकल के अधिकारी रविन्द्र कुमार ने बताया कि 2:24 बजे पर दमकल को आग लगने की सूचना मिली। मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों को आग पर काबू पाने में करीब दो घंटे का समय लगा। आग बुझाने के बाद अब कूलिंग का काम शुरू हो चुका है। मौके पर पहुंचे क्षेत्रीय निगम पार्षद मनीष चड्ढा ने बताया कि आग से किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है। न ही किसी के घायल होने या जलने की सूचना है। आग लगने की वजह की जांच की जाएगी।

कोर्ट से मंत्री कपिल मिश्रा को झटका, एफआईआर दर्ज करने का आदेश

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली दंगों से जुड़े एक मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर आगे की जांच करने का आदेश दिया है। यह आदेश मोहम्मद इलियास नाम के व्यक्ति की दायर याचिका पर दिया गया, जिसमें उन्होंने दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा समेत अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी।

दिल्ली पुलिस ने कपिल मिश्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का विरोध किया और कोर्ट में कहा कि उन्हें फंसाने की साजिश रची जा रही है। पुलिस के अनुसार, इस मामले में पहले ही उचित जांच हो चुकी है और मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ किसी ठोस सबूत के अभाव में एफआईआर दर्ज करना अनावश्यक होगा। हालांकि, कोर्ट ने इस तर्क को खारिज करते हुए दिल्ली पुलिस को एफआईआर दर्ज करने और मामले की जांच आगे बढ़ाने का आदेश दिया। मोहम्मद इलियास ने अगस्त 2024 में एक याचिका दायर की थी। याचिका में दावा किया गया था कि 23 फरवरी 2020 को उन्होंने कपिल मिश्रा और उनके समर्थकों को दिल्ली के कर्दमपुरी इलाके में एक सड़क को ब्लॉक करते हुए देखा था। इलियास ने यह भी आरोप लगाया कि उन्होंने वहां मौजूद रेहड़ी-पटरी वालों की गाड़ियों को तोड़ते हुए भी देखा।

विधायक गजेंद्र यादव की किताब 'नरेन्द्र मोदी का विकसित भारत' का हुआ विमोचन

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। महरौली के विधायक गजेंद्र यादव की पुस्तक 'नरेन्द्र मोदी का विकसित भारत' का मंगलवार को चाणक्यपुरी स्थित पीएसओआई क्लब में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने विमोचन किया।

कार्यक्रम में भाजपा की राष्ट्रीय सचिव डॉ अलका गुर्जर, वसंत कुंज संवाद पत्रिका के संपादक अमित अग्रवाल, वसंत कुंज फेडरेशन के चेयरमैन राजेश पंवार समेत कई प्रमुख

लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर सुनील बंसल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को जानना है तो उनके पिछले दस वर्ष के लाल किले की प्राचीर से दिए गए भाषण और मन की बात कार्यक्रम को सुन लें। इनमें आपको भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के उनके संकल्प का दर्शन देखने को मिलेगा।

गजेंद्र यादव द्वारा लिखी पुस्तक को पढ़ कर पाठक आश्वस्त होंगे कि मोदी जो कहते हैं, वह पूरा करते हैं। बंसल ने पुस्तक के संपादक गजेंद्र यादव की प्रशंसा भी की। बंसल ने कहा कि महरौली की जनता बधाई की पात्र है जिन्होंने एक योग्य, ईमानदार और मेहनती व्यक्ति को अपने प्रतिनिधि के रूप में चुना। भाजपा की राष्ट्रीय सचिव अल्का गुर्जर ने कहा कि निश्चित तौर पर गजेंद्र भाई की यह पुस्तक पाठकों के लिए उपयोगी साबित होगी। गजेंद्र यादव ने अपने संबोधन में उपस्थित सभी मेहमानों का धन्यवाद करते हुए कहा कि इस पुस्तक में विश्व नेता के रूप में उभरे नरेन्द्र मोदी के 15 अगस्त पर लाल किले की प्राचीर से दिए पिछले 2020 से 2024 तक के उद्बोधन का संकलन है।

लग्जरी कार की चोरी के आरोप में गिरोह का सरगना गिरफ्तार

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। शाहदरा जिला पुलिस की एएटीएस टीम ने 25 मार्च को राजस्थान के जोधपुर में गैराज चलाने वाले एक शख्स को आनंद विहार इलाके से गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि सादिक दिल्ली से चोरी की लग्जरी गाड़ियों को खरीद कर दूसरे राज्यों में बेचता था।

मेरठ निवासी उजहैर और मोहसिन गाड़ी चोरी करने के बाद राजस्थान पहुंचाते थे, जहां से सादिक उनका सौदा दूसरे राज्यों में करता था। आरोपियों के पास से तीन लग्जरी गाड़ी बरामद की हैं।

पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया कि 18 मार्च की रात आनंद विहार इलाके से एक लग्जरी गाड़ी चोरी होने की शिकायत मिली थी। इंस्पेक्टर मनीष कुमार की टीम ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। एएटीएस टीम के इंचार्ज विक्रांत चौधरी की टीम ने भी जांच शुरू की। पुलिस टीम ने घटनास्थल की सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया। गाड़ी चोरी करने के बाद आरोपी यूपी की ओर जाते दिखे। पुलिस टीम ने 15 दिन में दिल्ली, यूपी और राजस्थान के सैंकड़ों कैमरों की फुटेज खंगाली कर आरोपी की पहचान की।

संपादकीय

आदित्य वशिष्ठ

संघ-भाजपा में तालमेल

भले ही प्रसंग राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सौ साल पूरा होने का हो, लेकिन प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी की संघ के मुख्यालय की पहली यात्रा के गहरे निहितार्थ भी हैं। जो इस बात का संकेत है कि पिछले आम चुनाव के दौरान संघ व भाजपा के रिश्तों में जिस खटास की बात कही जा रही थी, वह संवाद व संपर्क से दूर कर ली गई है। जो इस बात का भी संकेत है कि आने वाले वक्त में पार्टी व सरकार के अहम फैसलों में संघ की भूमिका बढ़ सकती है। यूं तो प्रधानमंत्री ने बीते रविवार को नागपुर यात्रा के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में भागीदारी की, लेकिन उनका प्रधानमंत्री के रूप में संघ मुख्यालय पहुंचना खास चर्चा में रहा। उल्लेखनीय है कि चौथाई सदी पहले संघ मुख्यालय पहुंचने वाले अटल बिहारी वाजपेयी पहले प्रधानमंत्री थे। इसमें कोई दो राय नहीं है कि मोदी भी संघ की पृष्ठभूमि से आते हैं। साथ ही वे संघ की रीति-नीतियों से भली-भांति परिचित हैं। लेकिन पिछले आम चुनाव के दौरान भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेताओं के ऐसे बयान चर्चाओं में थे कि पार्टी का कद संघ से बड़ा हो गया है। जिसके चलते संघ व भाजपा के रिश्तों में कुछ कसक देखी गई। जिसकी कुछ इस तरह व्याख्या की गई कि पार्टी जिस तरह चार सौ पार के लक्ष्य से चूकी, उसके मूल में संघ कार्यकर्ताओं की उदासीनता रही है। बाद में दोनों के रिश्ते सामान्य होने के बाद हरियाणा, महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव में भाजपा को जो आशातीत सफलता हाथ लगी, कहा जा रहा था कि उसमें संघ कार्यकर्ताओं का समर्पण व योगदान महत्वपूर्ण घटक रहा। अब संघ मुख्यालय में प्रधानमंत्री की यात्रा से यह तथ्य भी उजागर हुआ कि दोनों की रीतियों-नीतियों से फिर से बेहतर तालमेल स्थापित हुआ है। वहीं दूसरी ओर कहा तो यहां तक भी जा रहा है कि आने वाले दिनों में भाजपा अध्यक्ष के चुनाव में संघ की भूमिका हो सकती है। ऐसा ही असर बदलते वक्त के साथ पार्टी के अन्य फैसलों पर भी नजर आ सकता है। यानी दोनों अब सामंजस्य व सहजता के साथ आगे बढ़ेंगे। अर्थात पार्टी अब अपने वैचारिक स्त्रोत के साथ बेहतर तालमेल करके चलना चाहेगी। यही वजह है कि प्रधानमंत्री ने संघ मुख्यालय में कहा कि संघ का विचार बीज अब वट वृक्ष का रूप ले चुका है। उन्होंने संघ कार्यकर्ताओं के योगदान की चर्चा करते हुए संघ को भारतीय संस्कृति का विशाल वट वृक्ष बताया। बहरहाल, भाजपा संघ से कुछ मुद्दों पर असहमति से आगे निकल चुकी है। उल्लेखनीय है कि आम चुनाव परिणाम के बाद संघ प्रमुख ने नसीहत दी थी कि लोगों की सेवा करने वाले एक सच्चे सेवक में अहंकार नहीं होना चाहिए। उनकी यह टिप्पणी कतिपय उन नेताओं की तरफ इशारा भी था जिन्होंने कहा था कि पार्टी बड़ी हो गई है और उसे संघ की पहले की तरह जरूरत नहीं है। इसके बाद संघ ने अपने महत्व का अहसास पार्टी को कराया। जिसका राजनीतिक लाभ भाजपा को कुछ राज्यों के विधानसभा चुनावों में मिला भी। बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी द्वारा नागपुर यात्रा के दौरान की गई टिप्पणियों का निष्कर्ष यह भी है कि संघ परिवार की अब सरकार व पार्टी में भूमिका बढ़ सकती है।

कृषि क्षेत्र में करवट बदलता भारत

केला, आम, अमरूद, पपीता, नींबू जैसे कई ताजे फलों एवं चना, भिंडी जैसी सब्जियों, मिर्च, अदरक जैसे प्रमुख मसालों, जूट जैसी रेशेदार फसलों, बाजरा एवं अरंडी के बीज जैसे प्रमुख खाद्य पदार्थों एवं दूध के उत्पादन में भारत पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर आ गया है। दुनिया के प्रमुख खाद्य पदार्थों यथा गेहूं एवं चावल का भारत विश्व में दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। भारत वर्तमान में कई सूखे मेवे, कृषि आधारित कपड़े, कच्चे माल, जड़ और कांड फसलों, दालों, मछली पालन, अंडे, नारियल, गन्ना एवं कई सब्जियों का पूरे विश्व में सबसे बड़ा उत्पादक है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारत 80 प्रतिशत से अधिक कृषि उपज फसलों (काफी एवं कपास जैसी नकदी फसलों सहित) के साथ दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा उत्पादक देश बन गया था। साथ ही, भारत सबसे तेज विकास दर के साथ पशुधन एवं मुर्गी मांस के क्षेत्र में दुनिया के पांच सबसे बड़े उत्पादक देशों में शामिल हो गया है। कुल मिलाकर भारतीय अर्थव्यवस्था में किसी भी दृष्टि से कृषि क्षेत्र के योगदान को कमतर नहीं आंका जा सकता है क्योंकि उद्योग एवं सेवा क्षेत्र का विकास भी कृषि क्षेत्र के विकास पर ही निर्भर करता है। अधिकतम उपभोक्ता तो आज भी ग्रामीण इलाकों में ही निवास कर रहे हैं एवं उद्योग क्षेत्र में निर्मित उत्पादों की मांग भी ग्रामीण इलाकों से ही निकल रही है। अतः देश में कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देना ही होगा।

- प्रहलाद सबनानी

भारत में लगभग 60 प्रतिशत आबादी आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है और अपनी आजीविका के लिए कृषि क्षेत्र पर निर्भर है। जबकि, कृषि क्षेत्र का भारत के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान केवल 18 प्रतिशत के आस पास बना हुआ है। इस प्रकार, भारत में यदि गरीबी को जड़ मूल से नष्ट करना है तो कृषि के क्षेत्र में आर्थिक सुधार कार्यक्रमों को लागू करना ही होगा। भारत ने हालांकि आर्थिक क्षेत्र में पर्याप्त सफलताएं अर्जित की हैं और भारत आज विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है तथा शीघ्र ही अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। साथ ही, भारत आज विश्व में सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था भी बन गया है। परंतु, इसके आगे की राह अब कठिन है, क्योंकि केवल सेवा क्षेत्र एवं उद्योग क्षेत्र के बल पर और अधिक तेज गति से आगे नहीं बढ़ा जा सकता है और कृषि क्षेत्र में आर्थिक विकास की दर को बढ़ाना होगा।

भारत में हालांकि कृषि क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रम लागू किए गए हैं और भारत आज कृषि के क्षेत्र मंल आत्मनिर्भर बन गया है। परंतु, अभी भी बहुत कुछ किए जाने की आवश्यकता है। किसानों के पास पूंजी का अभाव रहता था और वे बहुत ऊंची ब्याज दरों पर महाजनों से ऋण लेते थे और उनके जाल में जीवन भर के लिए फंस जाते थे, परंतु, आज इस समस्या को बहुत बड़ी हद्द तक हल किया जा सका है और किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किसान को आसान नियमों के अंतर्गत बैंकों से पर्याप्त ऋण की सुविधा उपलब्ध है और इस सुविधा का लाभ आज देश के करोड़ों किसान उठा रहे हैं। दूसरे, इसी संदर्भ में किसान सम्मान निधि योजना भी किसानों के लिए बहुत लाभकारी सिद्ध हो रही है और इस योजना का लाभ भी करोड़ों किसानों को मिल रहा है। इससे किसानों की कृषि सम्बंधी बुनियादी समस्याओं को दूर करने के सफलता मिली है। भारतीय कृषि आज भी मानसून पर निर्भर है। देश के ग्रामीण इलाकों में सिंचाई सुविधाओं का अभाव है। इस समस्या को हल करने के उद्देश्य से भारत सरकार प्रति बूंद अधिक फसल की रणनीति पर काम कर रही है एवं सूक्ष्म सिंचाई पर बल दिया जा रहा है ताकि कृषि के क्षेत्र में पानी के उपयोग को कम किया जा सके तथा जल संरक्षण के साथ सिंचाई की लागत भी कम हो सके।

देश में कृषि जोत हेतु पर्याप्त भूमि का अभाव है और देश में सीमांत एवं छोटे किसानों की संख्या करोड़ों की संख्या में हो गई है। जिससे यह किसान किसी तरह अपना और परिवार का भरण पोषण कर पा रहे हैं इनके लिए कृषि लाभ का माध्यम नहीं रह गया है। इन तरह की समस्याओं के हल हेतु अब केंद्र सरकार विभिन्न उत्पादों के लिए प्रतिवर्ष न्यूनतम समर्थन मूल्य में, मुद्रा स्फीति को ध्यान में रखकर, वृद्धि करती रहती है, इससे किसानों को अत्यधिक लाभ हो रहा है। भंडारण सुविधाओं (गोदामों एवं कोल्ड स्टोरेज का निर्माण) में पर्याप्त वृद्धि दर्ज हुई है एवं साथ ही परिवहन सुविधाओं में सुधार के चलते किसान कृषि उत्पादों को लाभ की दर पर बेचने में सफल हो रहे है अन्यथा इन सुविधाओं में कमी के चलते किसान अपने कृषि उत्पादों को बाजार में बहुत सस्त दामों पर बेचने पर मजबूर हुआ करता था। खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना भारी मात्रा में की जा रही है इससे कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन को बढ़ावा मिल रहा है एवं कृषि उत्पादों की बर्बादी को रोकने में सफलता मिल रही है। आज भारत में उच्च गुणवत्ता वाले बीजों के उपयोग पर ध्यान दिया जा रहा है ताकि उर्वरकों के उपयोग की आवश्यकता कम हो एवं कृषि उत्पादकता बढ़े। इस संदर्भ में मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना भी किसानों की मदद कर रही है इससे किसान कृषि भूमि पर मिट्टी के स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर कृषि उत्पाद कर रहे हैं। राष्ट्रीय कृषि बाजार को स्थापित किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि किसान सीधे ही उपभोक्ता को उचित दामों पर अपनी फसल को बेच सके। साथ ही, कृषि फसल बीमा के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि देश में सूखे, अधिक वर्षा, चक्रवात, अतिवृष्टि, अग्नि आदि जैसी प्रकृतिक आपदाओं के चलते प्रभावित हुई फसल के नुक्सान से किसानों को बचाया जा सके। आज करोड़ों की संख्या में किसान फसल बीमा योजना का लाभ उठा रहे हैं। देश में खेती किसानी का काम पूरे वर्ष भर तो रहता नहीं है अतः किसानों के लिए अतिरिक्त आय के साधन निर्मित करने के उद्देश्य से डेयरी, पशुपालन, मधु मक्खी पालन, पोल्ट्री, मत्स्य पालन आदि कृषि सहायक क्षेत्रों पर भी ध्यान दिया जा रहा है, ताकि किसानों को अतिरिक्त आय की सुविधा मिल सके।

विश्व के विभिन्न देशों ने अपनी आर्थिक प्रगति के प्रारम्भिक चरण में कृषि क्षेत्र का ही सहारा लिया है। औद्योगिक क्रांति तो बहुत बाद में आती है इसके पूर्व कृषि क्षेत्र को विकसित अवस्था में पहुंचाना होता है। भारत में भी आज कृषि क्षेत्र, देश की अर्थव्यवस्था का आधार है, जो न केवल खाद्य सुरक्षा प्रदान करता है बल्कि करोड़ों नागरिकों के लिए रोजगार के अवसर भी निर्मित करता है। साथ ही, औद्योगिक इकाईयों के लिए कच्चा माल भी उपलब्ध कराता है। वैश्विक स्तर पर कृषि क्षेत्र की महत्ता आगे आने वाले समय में भी इसी प्रकार बनी रहेगी क्योंकि इस क्षेत्र से पूरी दुनिया के नागरिकों के लिए भोजन, उद्योग के लिए कच्चा माल एवं रोजगार के अवसर कृषि क्षेत्र से ही निकलते रहेंगे। हां, कृषि क्षेत्र में आज हो रही प्रौद्योगिकी में प्रगति के चलते किसानों को कम भूमि पर, मशीनों का उपयोग करते हुए, कम पानी की आवश्यकता के साथ भी अधिक उत्पादन करना सम्भव हो रहा है। इससे उत्पादन क्षमता में वृद्धि के साथ कृषि उत्पाद की लागत कम हो रही है और किसानों के लिए खेती एक उद्योग के रूप में पनपता हुआ दिखाई दे रहा है और अब यह लाभ का व्यवसाय बनता हुआ दिखाई देने लगा है।

केला, आम, अमरूद, पपीता, नींबू जैसे कई ताजे फलों एवं चना, भिंडी जैसी सब्जियों, मिर्च, अदरक जैसे प्रमुख मसालों, जूट जैसी रेशेदार फसलों, बाजरा एवं अरंडी के बीज जैसे प्रमुख खाद्य पदार्थों एवं दूध के उत्पादन में भारत पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर आ गया है। दुनिया के प्रमुख खाद्य पदार्थों यथा गेहूं एवं चावल का भारत विश्व में दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। भारत वर्तमान में कई सूखे मेवे, कृषि आधारित कपड़े, कच्चे माल, जड़ और कांड फसलों, दालों, मछली पालन, अंडे, नारियल, गन्ना एवं कई सब्जियों का पूरे विश्व में सबसे बड़ा उत्पादक है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारत 80 प्रतिशत से अधिक कृषि उपज फसलों (काफी एवं कपास जैसी नकदी फसलों सहित) के साथ दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा उत्पादक देश बन गया था। साथ ही, भारत सबसे तेज विकास दर के साथ पशुधन एवं मुर्गी मांस के क्षेत्र में दुनिया के पांच सबसे बड़े उत्पादक देशों में शामिल हो गया है। कुल मिलाकर भारतीय अर्थव्यवस्था में किसी भी दृष्टि से कृषि क्षेत्र के योगदान को कमतर नहीं आंका जा सकता है क्योंकि उद्योग एवं सेवा क्षेत्र का विकास भी कृषि क्षेत्र के विकास पर ही निर्भर करता है। अधिकतम उपभोक्ता तो आज भी ग्रामीण इलाकों में ही निवास कर रहे हैं एवं उद्योग क्षेत्र में निर्मित उत्पादों की मांग भी ग्रामीण इलाकों से ही निकल रही है। अतः देश में कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देना ही होगा।

घिब्ली की दुनिया बनाम हकीकत: कला, रोजगार और मौलिकता का संघर्ष

- प्रियंका सौरभ

अगर हम हकीकत की दुनिया में देखें, तो रोजगार जरूरी है। बिना नौकरी या व्यवसाय के, सिर्फ घिब्ली की खूबसूरत दुनिया में खोकर पेट नहीं भरा जा सकता। लेकिन मानसिक शांति और प्रेरणा के लिए कला भी आवश्यक है। यही वजह है कि सोशल मीडिया पर घिब्ली स्टाइल की इमेज और वीडियो एक ट्रेंड बन चुके हैं। लोग पिनटेरेस्ट, इंस्टाग्राम और टिकटोक पर इसे देखकर टाइम पास कर रहे हैं, कुछ इसे खुद ट्राई कर रहे हैं, और एआई टूल्स की मदद से घिब्ली-स्टाइल की इमेज बना रहे हैं।

आजकल सोशल मीडिया पर घिब्ली स्टाइल इमेज और वीडियो बहुत लोकप्रिय हो गए हैं। एआई टूल्स की मदद से अब कोई भी बिना आर्ट स्किल्स के घिब्ली जैसी इमेज बना सकता है। लोग पिनटेरेस्ट और इंस्टाग्राम पर घिब्ली मूवी के सीन से बनी एस्थेटिक गिफ्स और वॉलपेपर शेयर कर रहे हैं। टिकटोक और रील्स में घिब्ली सीन के साथ रिलेटेबल ऑडियो या कोट्स लगाकर मजेदार कंटेंट बनाया जा रहा है। कुछ एआई टूल्स अब आपकी असली फोटो को भी घिब्ली स्टाइल में बदल सकते हैं, जिससे लोग अपनी तस्वीरों को फेयरीटेल लुक दे रहे हैं। यह ट्रेंड सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक बड़ी बहस को जन्म दे रहा है-क्या एआई जनरेटेड आर्ट असली कला की जगह ले सकती है?

एआई-जनरेटेड घिब्ली स्टाइल इमेजरी ने मौलिकता पर सवाल खड़ा कर दिया है। पहले कलाकारों को महीनों मेहनत करके घिब्ली जैसी पेंटिंग बनानी पड़ती थी, अब एआई कुछ सेकंड में वैसा ही कुछ तैयार कर देता है। लोग खुद से नया सोचने के बजाय रेडीमेड आर्ट पर निर्भर हो रहे हैं। असली कलाकार अब एआई-जेनरेटेड कंटेंट से मुकाबला करने को मजबूर हैं। एआई और टेम्प्लेट्स के चलते 'कुछ हटकर' करने की सोच धीरे-धीरे खत्म हो रही है। अगर आर्ट को केवल एक ट्रेंड बना दिया गया, तो मौलिकता धीरे-धीरे खत्म हो जाएगी। इसका समाधान यह है कि लोग घिब्ली स्टाइल से प्रेरणा लेकर अपनी खुद की यूनिक कहानियां और आर्ट बनाएं, न कि बस इंटरनेट पर मौजूद चीज़ों को दोहराएं। घिब्ली की आत्मा सिर्फ उसकी खूबसूरत विजुअल्स में नहीं, बल्कि उसकी गहरी कहानियों और भावनात्मक जुड़ाव में है।

अगर किसी को घिब्ली की दुनिया इतनी पसंद है कि वह इसमें कुछ नया जोड़ना चाहता है, तो यह एक रोजगार का साधन भी बन सकता है। उदाहरण के लिए डिजिटल आर्टिस्ट घिब्ली-स्टाइल आर्ट बनाकर पैसा कमा सकते हैं। मर्चेंडाइज बिजनेस (पोस्टर, स्टिकर, कपड़े) से आय हो सकती है। यूट्यूब और सोशल मीडिया पर घिब्ली स्टाइल कंटेंट क्रिएट करना एक करियर विकल्प हो सकता है। एनिमेशन इंडस्ट्री में घिब्ली से प्रेरित होकर ओरिजिनल शॉर्ट फिल्म्स और सीरीज़ बनाई जा सकती हैं। गेम डिजाइन और वीएफएक्स स्टूडियो में भी घिब्ली जैसी विजुअल स्टाइल को अपनाकर कैरियर बनाया जा सकता है। हालांकि, केवल घिब्ली की दुनिया में खोए रहना नुकसानदायक हो सकता है। असली ज़िंदगी के काम टलते रहते हैं, और लोग प्रोडक्टिविटी खो सकते हैं। अगर कोई सिर्फ एनीमेशन देखने में उलझा रहता है और अपने करियर पर ध्यान नहीं देता, तो यह एक समस्या बन सकती है।

घिब्ली की दुनिया आदर्श होती है-जहां हर चीज़ खूबसूरत, शांत और जादुई होती है। लेकिन असली दुनिया संघर्ष, तनाव और कठिनाइयों से भरी होती है। अगर कोई हर समय घिब्ली जैसी जिंदगी ढूंढे, तो असली दुनिया बेरंग और कठिन लग सकती है। समय की बर्बादी: लोग घंटों तक घिब्ली मूवीज़, पिनटेरेस्ट आर्ट, एआई -जनरेटेड इमेज और इंस्टाग्राम रील्स देखते रहते हैं। यह 'टाइम पास' कब 'टाइम वेस्ट' में बदल जाता है, पता भी नहीं चलता। अगर कोई सिर्फ एनीमेशन देखने में उलझा रहता है, लेकिन उसे अपने करियर पर ध्यान देना चाहिए, तो यह नुकसानदेह हो सकता है। अगर कोई हर समय घिब्ली जैसी जिंदगी ढूंढे, तो असली दुनिया बेरंग और कठिन लग सकती है। कुछ लोग इस वजह से प्रेरणा और महत्वाकांक्षा (Ambition) भी खो सकते हैं। घिब्ली स्टाइल इतना लोकप्रिय हो गया है कि कई कलाकार अपनी खुद की स्टाइल डिवेलप करने के बजाय सिर्फ घिब्ली-स्टाइल आर्ट कॉपी कर रहे हैं। घिब्ली स्टाइल एन्जॉय करें, लेकिन उसमें खो न जाएं। अगर आपको आर्ट पसंद है, तो इसे एक स्किल में बदलें, जिससे आप कमाई कर सकें। अपने करियर और लाइफ गोल्स को इग्नोर न करें-काम जरूरी है, कला सिर्फ सुकून के लिए है। मौलिकता बनाए रखें-घिब्ली से प्रेरित हों, लेकिन अपनी खुद की यूनिक स्टाइल डेवलप करें। टाइम मैनेजमेंट करें-आर्ट और मनोरंजन का आनंद लें, लेकिन काम और जिम्मेदारियों को नजरअंदाज न करें।

घिब्ली का जादू खूबसूरत है, लेकिन अगर यह हमारी असली जिंदगी को प्रभावित करने लगे, तो नुकसान हो सकता है। बैलेंस बनाना जरूरी है-कला और करियर, कल्पना और हकीकत के बीच! घिब्ली-प्रेरित कला को करियर में बदला जा सकता है-डिजिटल आर्ट, मर्चेंडाइज, यू ट्यूब कंटेंट और एनिमेशन इंडस्ट्री में इसका उपयोग हो सकता है। लेकिन सिर्फ घिब्ली की दुनिया में खो जाना नुकसानदेह हो सकता है-यह समय की बर्बादी, करियर पर असर, असली दुनिया से डिस्कनेक्ट और मौलिकता की कमी ला सकता है। समाधान यह है कि घिब्ली की प्रेरणा से कुछ नया और मौलिक बनाया जाए, न कि केवल कॉपी किया जाए। कला और रोजगार के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी है ताकि हम जीवन के दोनों पहलुओं का पूरा लाभ उठा सकें।

मप्र में स्थित है मां के प्राचीन मंदिर और शक्तिपीठ, श्रृद्धालुओं का लगा रहता है तांता

हिंदू धर्म में चैत्र नवरात्रि का त्योहार बेहद ही महत्वपूर्ण माना जाता है। 30 मार्च से चैत्र नवरात्रि की शुरुआत हो चुकी है और इसका समापन 7 अप्रैल को होगा। अगर आप कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं या फिर किसी शक्तिपीठ मंदिर का दर्शन करना चाहते हैं, तो इस नवरात्रि के मौके पर आप मध्य प्रदेश के इन प्राचीन मंदिरों और शक्तिपीठों पर जा सकते हैं।

हरसिद्धि देवी शक्तिपीठ: उज्जैन में स्थित हरसिद्धि देवी शक्तिपीठ की मान्यता बेहद प्रचलित है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, यहां पर माता सती की कोहनी गिरी थी। यह शक्तिपीठ रुद्र सागर तालाब के पश्चिमी तट पर स्थित है। कहते है कि माता दिन में गुजरात और रात को उज्जैन में निवास करती हैं।

शोण नर्मदा शक्तिपीठ: अमरकंटक में स्थित शोण नर्मदा शक्तिपीठ है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, यहां पर माता सती का दायां नितंब गिरा था। यह शक्तिपीठ नर्मदा नदी का उद्गम माना जाता है। इसलिए भक्तजन देवी मां की नर्मदा के रुप में पूजा-अर्चना करते हैं। इस शक्तिपीठ को शोणाक्षी शक्तिपीठ के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर में माता की मूर्ति पर सुनहरा मुकुट और चांदी का चबूतरा देखकर आप खुश हो जाओंगे। इस मंदिर तक आपको पहुंचने के लिए 100 सीढ़िया चढ़नी पड़ती है।

धर्मकर्म

मैहर माता मंदिर: नवरात्रि के दौरान आप मध्य प्रदेश के इस लोकप्रिय मंदिर का दर्शन जरुर करें। सतना जिले में त्रिकुट पहाड़ी पर मैहर माता विराजित है। नवरात्रि के समय में यहां काफी भीड़ देखने को मिलती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, यहां पर माता सती का हार गिरा था। मैहर माता मंदिर पहुंचने के लिए भक्तों को 1063 सीढ़िया चढ़नी पड़ती है। इस मंदिर में जाने के लिए भक्तों के लिए रोपवे सेवा भी मौजूद है।

पीतांबरा पीठ: मध्य प्रदेश के दतिया जिले में स्थित मां पीतांबरा का मंदिर काफी लोकप्रिय है। यहां पर मां बगलामुखी की पीतांबरा रुप में पूजा अर्चना की जाती है। नवरात्र में यहां विशेष पूजा का भी आयोजन होता है। इतना ही नहीं, इस मंदिर में महाभारत काल का वनखंडेश्वर महादेव मंदिर और धूमावकी माता का मंदिर भी है।

आज का इतिहास

1849 - आज ही के दिन ब्रिटिश पंजाब की स्थापना हुई थी।
1984 - स्क्वाड्रन लीडर राकेश शर्मा मिशन सोयूज टी-11 के तहत अंतरिक्ष जाने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री बने।
1989 - फिलिस्तीन मुक्ति संगठन के नेता यासर अराफात फिलिस्तीन के राष्ट्रपति निर्वाचित।
1997 - सुमिता सिन्हा ने अपने ऊपर से 3,200 किग्रा भार के ट्रक को पार करने की अनुमति देकर रिकॉर्ड बनाया।
1999 - मास्को में स्वतंत्र राष्ट्रों के राष्ट्रकुल (सीआईएस) की शिखर बैठक सम्पन्न।
2001 - नेपाल में माओवादी विद्रोहियों द्वारा 35 पुलिस अधिकारियों की हत्या।
2007 - सोलोमन द्वीप में शक्तिशाली सुनामी आयी।
2008 - कर्नाटक में 3 चरणों में विधानसभा चुनाव कराने की घोषणा।
2011 - भारतीय क्रिकेट टीम ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में श्रीलंका को हराकर आईसीसी विश्वकप 2011 की ट्रॉफी अपने नाम की।
2017 - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर में देश की सबसे लंबी चेनानी-नाशरी सड़क सुरंग राष्ट्र को समर्पित किया।
2017 - अमरीकी गायक और गीतकार बॉब डिलन ने साहित्य के लिए प्रतिष्ठित नोबेल पुरस्कार स्वीकार कर लिया।

जन्म

1943 - बिन्देश्वर पाठक - भारतीय समाजशास्त्री और सामाजिक उद्यमी और 'सुलभ इंटरनेशनल' के संस्थापक थे।
1891 - टी.बी. कुन्हा, गोवा के प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी।
1902 - बड़े गुलाम अली खां - शास्त्रीय गायक।
1942 - रोशन सेठ - अभिनेता।

बागमती नदी पर बराज बनाने का किसानों का विरोध

- कुमार कृष्णन

बागमती नदी नेपाल के तराई क्षेत्र से निकलकर दक्षिण-मध्य नेपाल और उत्तरी बिहार राज्य, पूर्वोत्तर भारत में बहती है। सीतामढ़ी जिले में बागमती नदी पर दो नए बराज बनाए जाएंगे। ये बराज ढेंग और कटौंझा के पास बनाए जाएंगे। इन बराजों के निर्माण के लिए 25.37 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। सरकार का दावा है कि बराज बागमती नदी के जलस्तर को नियंत्रित करेंगे और बाढ़ के प्रकोप को कम करेंगे। हाल में सीतामढ़ी में हुए किसान कन्वेशन में इस योजना का विरोध किया गया। वर्ष 2012 से ही बागमती में तटबंध बनाये जाने का विरोध 109 गांवों के किसानकर रहे हैं पर सरकार तटबंध बनाने की पुरजोर कोशिश कर रही है।

किसानों का मनाना है कि तटबंध के बन जाने से वे उस उपजाऊ मिट्टी से वंचित रह जायेंगे जो हर साल बागमती अपने साथ लाती है। बागमती पर जहां तटबंध बने हैं, वहां के खेतों की उर्वरकता घटी है। वर्ष 2018 में जब लोगों के विरोध के बावजूद यहां तटबंध निर्माण शुरू हो गया था तो हजारों किसानों ने हाईवे जाम कर दिया। इस विरोध के बाद सरकार ने काम रोक दिया और इसकी समीक्षा के लिए तीन सदस्यीय कमिटी का गठन किया था। उस कमिटी के एक महत्वपूर्ण सदस्य अनिल प्रकाश कहते हैं कि कमेटी को काम भी नहीं करने दिया गया और उसकी रिपोर्ट भी तैयार नहीं हुई। इस कमिटी में अनिल प्रकाश के अलावा प्रसिद्ध नदी विशेषज्ञ दिनेश कुमार मिश्र और आईआईटी, कानपुर से जुड़े प्रोफेसर राजीव सिन्हा शामिल हैं। अनिल प्रकाश कहते हैं कि अब तक उस कमिटी की एक ही बैठक हुई है। हां, समय-समय पर उसका समय बढ़ाया जाता रहा है। ताजा सूचना के अनुसार उसका समय 31 दिसंबर, 2020 तक कर दिया गया था। उसके बाद की सूचना उपलब्ध नहीं है। तटबंध बने या न बने, इस पर कमेटी की कोई रिपोर्ट आयी नहीं कि फिर अब बराज निर्माण की तैयारी की जा रही है।

बागमती के सवाल पर सीतामढ़ी में हुए किसान कन्वेशन में बागमती में बराज निर्माण पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गयी और इसका एकजुट होकर विरोध करने का फैसला लिया गया। साथ ही तटबंधों पर जहां गांव नही हो वहां लचका बनाकर या स्लूईश गेट के माध्यम से उपजाऊ पानी खेतों को दिलाने, सुप्पी तथा मेजरगंज के कटाव प्रभावित गांवों की सुरक्षा के साथ विस्थापित परिवारों को मुआबजा भुगतान कराने, पूर्व से विस्थापित परिवारों को भूमि पर कब्जा दिलाने, 2024 के बाढ, कटाव तथा तटबंध टूटने से प्रभावितों को उचित अनुदान तथा गृह क्षति मुआबजा भुगतान, जलवायु परिवर्तन के कुप्रभाव से नदियों को बचाने, अल्पवर्षा, कटाव रोकने, गाद सुरक्षा हेतू नेपाल से भारत तक सघन वृक्षारोपण के लिए ठोस पहल करने की मांग की गयी। कन्वेशन में पारित दस सूत्री प्रस्ताव को सरकार को भेजा जाएगा।

बागमती नदी पर तटबंध तथा बराज निर्माण के नाम पर 1970 के दशक से ही बडा सपना दिखाया जा रहा है। सरकार अब पुनः बराज का सपना दिखा रही है। वहां के लोगों का कहना है कि सरकार सपना दिखाने के वजाए बागमती को बचाने तथा उसका उपजाऊ पानी खेतों को सुलभ कराने पर काम करे। लोगों ने साफ तौर कहा कि तटबंध-बराज नहीं बागमती का पानी चाहिए। नेपाल सीमा से सटे मेजरगंज प्रखंड के बसबीट्टा बाजार पर पंचायत भवन के सभागार में किसान नेता तथा स्थानीय मुखिया राघवेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में जलवायु परिवर्तन-नदी विमर्श मंच के तत्वावधान में आयोजित किसान-कन्वेंशन में प्रस्ताव पारित कर सरकार से 10 सूत्री मांगों पर अमल की मांग की गई। राघवेन्द्र कुमार सिंह ने तटबंध के भीतर के गांवों तथा मेजरगंज तथा सुप्पी में बागमती की समस्या पर प्रकाश डाला। कन्वेंशन में पर्यावरणविद तथा नदी जल विशेषज्ञ रामशरण अग्रवाल ने कहा प्रथम सिंचाई मंत्री ने तटबंध का विरोध किया था। गाद निकालना समस्या है परन्तु गाद नही आने पर चिंतन नही किया जा रहा है। नेपाल के पहाड़ से समतल तक वृक्षारोपण से गाद रूकेगी। बिहार सरकार स्वेत पत्र जारी करे तथा बागमती पर कितनी राशि खर्च हुई उसकी मांग उठनी चाहिए। बडी नदियों के जीवन के लिए छोटी नदियों को भी बचाना होगा। योजना बनाते समय विस्तृत जानकारी संबंधित क्षेत्रों को दिया जाना जरूरी है। उन्होंने पर्यावरण तथा जलवायु संकट पर विस्तार से प्रकाश डाला। गांधीवादी तथा नदी जल विशेषज्ञ प्रो आनन्द किशोर ने कहा कि फरक्का बराज से गंगा गाद से भरकर दर्जनों जिलों में तबाही मचा रही है। मुख्यमंत्री तथा जल संसाधन मंत्री फरक्का बराज तोड़ने की बात कह चुके है वहीं कोशी का बीरपुर बराज फेल है फिर बागमती में ढेंग तथा कटौझा में 45 किमी के बीच दो बराज तथा नेपाल से कटौझा 85 किमी में तीन बराज का कोई औचित्य नही है।

यहां गाद भरने तथा जल जमाव से हजारों एकड खेत बर्बाद होंगे दर्जनों गांवों का विस्थापन होगा। मेजरगंज, सुप्पी तथा बैरगनिया में कभी भी तटबंध टूटेगा तो कोशी के कुसहा जैसी त्रासदी हो सकती है।वैसे नेपाल के करमहिया में पहले हीं बराज बन जाने से खेती के समय ढेंग बराज को पानी नही मिलेगा। हमें बराज नही तटबंधों पर जहां गांव नही है वहां जगह-जगह लचका तथा स्लूईश गेट बनाकर खेतों को बागमती का उपजाऊ पानी देना चाहिए। प्रो किशोर ने कहा जहां देश-दुनिया में तटबंध अप्रासंगिक तथा बर्बादी का कारण बना हुआ है यूरोप तथा चीन में तटबंधों को तोडा जा रहा है वहीं बिहार में जन विरोध के बावजूद तटबंध बनाने पर सरकार आमादा है। बागमती कटाव तथा तटबंध टूटने से बर्बाद परिवार मुआबजे के लिए भटक रहे है उन्हे अनुदान के साथ वहां कटाव रोकने में तेजी लानी चाहिए।

संयुक्त किसान संघर्ष मोर्चा के जिलाध्यक्ष जलंधर यदुबंशी ने कहा कि बागमती परियोजना के नाम पर सरकार आमजन की तबाही बढा रही है। नदियों को बंचाने की जगह तटबंधो के कारण नदियां गाद से भरकर मृतप्राय हो रही है। सरकार तटबंध-बराज के नाम पर लूट का खेल खेल रही है। यह गंभीर मसला है इसके लिए आमजन को आगे आना होगा। पूर्व प्राचार्य शालिग्राम सिंह ने क्षेत्रीय समस्याओं तथा बागमती की तबाही पर प्रकाश डाला। समाजसेवी रामबाबू प्रसाद ने अतिथियों का स्वागत तथा मंच संचालन किया। कन्वेंशन में स्थानीय किसान नागेन्द्र सिंह, बीरेन्द्र कुमार सिंह, जगदीश नारायण सिंह, छोटे लाल पटेल सरपंच, लक्ष्मी सहनी, सुशील कुमार सिंह, रामबाबू राम, पप्पूसिंह, मदन साह, सुशीला देवी, अंजू देवी, अंजना देवी, गीता देवी सहित अन्य ने अपना विचार रखे। किसान इसलिए विरोध कर रहे हैं कि इससे बाढ़ की तीव्रता बढ़ेगी और खेतों में गाद जमा होगी। बराज के कारण नदी के जल प्रवाह में बदलाव आएगा, जिससे खेतों में उपजाऊ मिट्टी जमा नहीं हो पाएगी, जिससे खेती प्रभावित होगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

रास में गूंजा जनगणना में देरी का मुद्दा

नई दिल्ली। देश की जनगणना में हो रही देरी का मुद्दा मंगलवार को संसद में गूंजा। कांग्रेस सदस्य एवं नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि इससे पहले देश में हर 10 साल पर होने वाली जनगणना का काम आपात परिस्थितियों और युद्धकाल में भी समय पर किया गया लेकिन इस बार इसमें अधिक देरी हो रही है।

खरगे ने कहा कि जनगणना की शुरुआत 1881 में हुई और विपरीत परिस्थितियों में भी यह काम समय पर हुआ। उन्होंने कहा कि 1931 की जनगणना के दौरान जातिगत जनगणना भी कराई गई थी। उस जनगणना के पहले गांधीजी ने कहा था कि जैसे अपने शरीर की पड़ताल के लिए हमें समय-समय पर चिकित्सा परीक्षण कराना पड़ता है, उसी तरह जनगणना कार्य किसी राष्ट्र का सबसे महत्वपूर्ण परीक्षण होता है। जनगणना बहुत महत्व का काम होता है। इसमें काफी बड़ी तादाद में लोग लगते हैं। इसमें जनसंख्या के आंकड़ों समेत रोजगार, पारिवारिक संरचना, सामाजिक-आर्थिक स्थिति और कई प्रमुख पैरामीटर पर डेटा संग्रह करना होता है। उन्होंने कहा कि दूसरे विश्वयुद्ध और 1971-72 में भारत-पाकिस्तान युद्ध के बावजूद उस समय जनगणना हुई थी। इतिहास में पहली बार सरकार ने जनगणना में रिकार्ड देरी की है। सरकार को जनगणना के साथ जातिगत गणना भी करानी चाहिए। क्योंकि आप अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति का डेटा संग्रह करते ही हैं, अन्य जातियों का भी कर सकते हैं। इसके बावजूद जातिगत गणना और जनगणना दोनों पर सरकार मौन है। जनगणना के लिए इस साल के बजट में भी केवल 575 करोड़ रुपये का आवंटन किया है।

खरगे ने कहा कि दुनिया के 81 प्रतिशत देशों ने इस बीच में कोरोना के बावजूद सफलतापूर्वक जनगणना का काम पूरा कर लिया है, क्योंकि जनगणना में देरी के दूरगामी परिणाम होते हैं। तमाम बुनियादी आंकड़ें नहीं होने के कारण नीतियां प्रभावित होती हैं। उपभोक्ता सर्वेक्षण, राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण, आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम और राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम सहित कई महत्वपूर्ण सर्वेक्षण और कल्याणकारी कार्यक्रम जनगणना के आंकड़ों पर निर्भर करते हैं।

उन्होंने कहा कि इस देरी के कारण करोड़ों नागरिक कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच से बाहर हो चुके हैं। नीति निर्माताओं के पास अहम फैसला लेने के लिए जरूरी और भरोसेमंद डेटा नहीं है। इसके मद्देनजर वे सरकार से यह निवेदन करते हैं कि तत्काल जनगणना और जातिगत गणना का काम शुरू होना चाहिए।

राज्यसभा में उठी न्यायिक सुधारों की मांग, जजों के लिए हो दो साल का 'कूलिंग ऑफ पीरियड'

राज्यसभा में न्यायिक सुधारों का मुद्दा उठाया गया। आम आदमी पार्टी के सदस्य राघव चड्ढा ने शून्यकाल के दौरान कहा कि हाल ही में कुछ ऐसी घटनाएं हुईं, जिससे देशवासी चिंतित हैं। अब वक्त आ गया है, जब न्यायिक व्यवस्था में भ्रष्टाचार को खत्म किये जाने की जरूरत है। चड्ढा ने कहा कि अदालत को हम न्याय का मंदिर कहते हैं। आम आदमी जब न्याय की इस चौखट पर जाता है तो उसे यह विश्वास होता है कि न्याय जरूर मिलेगा। जैसे ऊपर वाले के दरबार में देर है लेकिन अंधेर नहीं है, ऐसे ही माना जाता है कि अदालत की चौखट पर भी देर भले लग जाए लेकिन अन्याय नहीं होगा। समय-समय पर न्यायपालिका ने अपने इस भरोसे को मजबूत भी किया है, लेकिन हाल में कुछ ऐसी घटनाएं हुईं जिसके चलते देश चिंतित है। देश में जैसे शिक्षा, पुलिस, स्वास्थ्य और चुनाव सुधार हुए, उसी तरह से न्यायिक सुधार की जरूरत महसूस हो रही है। ये सुधार ऐसे होने चाहिए जो न्यायिक व्यवस्था में भ्रष्टाचार को खत्म करें। चड्ढा ने कहा कि जजों की नियुक्ति से लेकर उनके रिटायरमेंट तक में सुधार की जरूरत है। जजों की नियुक्तियों में समय-समय पर कॉलेजियम प्रणाली की खामियां, लॉ कमीशन की रिपोर्ट सामने आईं और एनजेएसी जैसे कानून को लाना पड़ा। अब समय आ गया है, जब कॉलेजियम स्वयं ही सुधार करे और नए तरीके खोजे, ताकि पारदर्शिता की कमी और सार्वजनिक जांच की कमी, जिन दो विषयों पर कॉलेजियम सिस्टम की आलोचना होती है, उसे दूर किया जाए और एक स्वंतत्र पारदर्शी व्यवस्था बने। आज एडवोकेट को सीनियर एडवोकेट बनाने के लिए प्वाइंट बेस्ड पूरी पारदर्शी व्यवस्था है। इसी प्रकार से जजों की नियुक्ति के लिए भी पारदर्शी कॉलेजियम सिस्टम लाया जाया तो देश की जनता में विश्वास बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों की नियुक्ति प्रक्रिया और न्यायाधीशों को सेवानिवृत्ति के बाद की भूमिकाओं की पेशकश में सुधार किए जाने की जरूरत है। यह न्यायिक स्वतंत्रता और व्यवस्था में जनता के विश्वास को बढ़ाने की आवश्यकता पर आधारित होना चाहिए।

देश में वामपंथी उग्रवाद से सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या घटकर छह हुई: अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने नक्सलवाद को पूरी तरह से जड़ से उखाड़ फेंकने के अभियान के तहत देश के छह जिलों को वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) के दुष्प्रभाव से मुक्त कराया है। इससे वामपंथी उग्रवाद से सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या 12 से घटकर मात्र छह रह गई है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'नक्सल मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, आज हमारे देश ने वामपंथी उग्रवाद से सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या को 12 से घटाकर मात्र 6 कर एक नया मील का पत्थर हासिल किया है। मोदी सरकार नक्सलवाद के प्रति निर्मम दृष्टिकोण और सर्वव्यापी विकास के लिए अथक प्रयासों के साथ सशक्त, सुरक्षित और समृद्ध भारत का निर्माण कर रही है। भारत 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को पूरी तरह से जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए दृढ़ संकल्पित है।'

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भी एक बयान में कहा कि देश में नक्सलवाद से प्रभावित जिलों की कुल संख्या 38 थी। इनमें सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या 12 से घटकर 6 हो गई है, चिंताजनक जिलों की संख्या भी 9 से घटकर 6 हो गई है और अन्य वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों की संख्या भी 17 से घटकर 6 हो गई है। नक्सलवाद से सबसे अधिक प्रभावित जिलों में छत्तीसगढ़ के 4 जिले (बीजापुर, कांकेर, नारायणपुर और सुकमा), झारखंड का 1 (पश्चिमी सिंहभूम) और महाराष्ट्र का 1 (गढ़चिरौली) शामिल है।

इस प्रकार कुल 38 प्रभावित जिलों में से चिंताजनक के जिलों की संख्या नौ से घटकर छह रह गई है। यह छह जिले आंध्र प्रदेश (अल्लूरी सीताराम राजू), मध्य प्रदेश (बालाघाट), ओडिशा (कालाहांडी, कंधमाल और मलकानगिरी), और तेलंगाना (भद्राद्री-कोठागुडेम) हैं। नक्सलवाद के खिलाफ लगातार कार्रवाई के कारण अन्य वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों की संख्या भी 17 से घटकर 6 हो गई है। इनमें छत्तीसगढ़ (दंतेवाड़ा, गरियाबंद और मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी), झारखंड (लातेहार), ओडिशा (नुआपाड़ा) और तेलंगाना (मुलुगु) जिले शामिल हैं।

देश में सबसे अधिक नक्सल प्रभावित जिलों और चिंता के जिलों के लिए एक विशेष योजना विशेष केंद्रीय सहायता (एससीए) के तहत केंद्र सरकार ने क्रमशः 30 करोड़ रुपये और 10 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता दी जाती है। इसके अलावा, इन जिलों के लिए आवश्यकतानुसार विशेष परियोजनाएं भी दी जाती हैं।

हैदराबाद विवि विवाद: छात्रों का अनिश्चितकालीन प्रदर्शन, कक्षाओं के बहिष्कार का ऐलान किया

हैदराबाद। हैदराबाद विश्वविद्यालय छात्र संघ (यूओएचएसयू) ने विवि परिसर से पुलिसकर्मियों और जेसीबी मशीनों को हटाने की मांग करते हुए मंगलवार से अनिश्चितकालीन विरोध-प्रदर्शन और कक्षाओं के बहिष्कार का ऐलान किया। यूओएचएसयू के उपाध्यक्ष आकाश ने कहा कि छात्रों और शिक्षकों से परिसर में विरोध-प्रदर्शन में शामिल होने और कक्षाओं का बहिष्कार करने का आग्रह किया गया है।

यूओएचएसयू और अन्य छात्र संघों ने एक संयुक्त बयान में विश्वविद्यालय प्रशासन पर संस्थान से सटे कांचा गचीबोवली में 400 एकड़ जमीन पर राज्य सरकार की परियोजनाओं के लिए भूमि समाशोधन गतिविधियों की अनुमति देकर छात्रों के साथ 'विश्वासघात' करने का आरोप लगाया। बयान में शांतिपूर्ण ढंग से विरोध-प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर 'पुलिस की बर्बर कार्रवाई' की भी निंदा की गई है। प्रदर्शनकारी छात्रों ने इस संबंध में लिखित आश्वासन देने की मांग की है कि भूमि को औपचारिक रूप से विश्वविद्यालय के तहत पंजीकृत किया जाएगा। उन्होंने विश्वविद्यालय की ओर से इस मुद्दे पर आयोजित कार्यकारी समिति की बैठक के प्रमुख निष्कर्षों को सार्वजनिक करने और भूमि से संबंधित दस्तावेजों में अधिक पारदर्शिता बरतने की भी मांग की है।

भाजपा के विधानमंडल दल के नेता ए महेश्वर रेड्डी के नेतृत्व में पार्टी विधायकों और नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल के मंगलवार को विवादित स्थल का दौरा करने की संभावना है। यहां विधायकों के आवासों के पास बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। रेड्डी ने बताया कि पुलिस ने उन्हें उनके आवास से बाहर नहीं निकलने दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस ने उन्हें घर से बाहर नहीं निकलने के संबंध में कोई नोटिस जारी नहीं किया है। रेड्डी के मुताबिक, पुलिस ने भाजपा के अन्य विधायकों और नेताओं को भी उनके घरों से बाहर निकलने से रोक दिया। तेलंगाना सरकार विवादित जमीन पर सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) प्रतिष्ठान और अन्य परियोजनाएं विकसित करना चाहती है। सरकार ने सोमवार को दावा किया कि यह जमीन उसकी है, विश्वविद्यालय की नहीं, जिसके बाद हैदराबाद विश्वविद्यालय के छात्रों का विरोध-प्रदर्शन और उग्र हो गया।

हालांकि, विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार ने एक बयान जारी कर कहा कि विवादित भूमि के सीमांकन को अंतिम रूप दे दिया गया है, जो सरकार के दावे के विपरीत है। भूमि विवाद पर विस्तृत जानकारी देते हुए सरकार ने आरोप लगाया कि कुछ नेता और रियल इस्टेट समूह छात्रों को गुमराह कर रहे हैं।

स्कूलों में मनाया जा रहा है प्रवेशोत्सव, मुख्यमंत्री ने किया स्कूल चलें हम अभियान का शुभारंभ

मध्य प्रदेश में अब 'सांदीपनि विद्यालय' के नाम से जाने जाएंगे सीएम राइज स्कूलः डा. मोहन यादव

भोपाल। मध्य प्रदेश के सभी सीएम राइज स्कूल अब 'सांदीपनि विद्यालय' के नाम से जाने जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार को स्कूल चलें हमें अभियान के शुभारंभ अवसर पर इस संबंध में घोषणा की। उन्होंने कहा कि सीएम राइज स्कूल का नाम ऐसा लगता था, जैसे अंग्रेजों के जमाने का हो, इसलिए इसे बदलकर सांदीपनि ऋषि के नाम पर किया गया है। दरअसल, मध्य प्रदेश में आज (एक अप्रैल) से नया शैक्षणित सत्र शुरू हुआ है। इस अवसर पर प्रदेश के सभी स्कूलों में प्रवेशोत्सव मनाया जा रहा है।

वहीं, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस अवसर पर भोपाल के शासकीय नवीन उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय अरेरा कॉलोनी (ओल्ड कैंपियन) में 'स्कूल चलें हम' अभियान का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शिक्षा किसी भी परिस्थिति में बाधित नहीं होनी चाहिए। सरकारी स्कूलों की शिक्षा भी किसी से कमतर नहीं है। सरकारी स्कूलों में पढ़कर भी कई महान व्यक्तित्वों ने विश्वभर में भारत का नाम रोशन किया है। छात्रों को अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने और कड़ी मेहनत के माध्यम से सफलता प्राप्त करने की प्रेरणा दी गई। उन्होंने इस अवसर पर नव प्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत किया। इसके अलावा राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न खेलों के प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षा पोर्टल 3.0 का शुभारंभ भी हुआ।

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन कर उनसे संवाद किया। कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और उनकी शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है। इस साल एक अप्रैल से जब छात्र अपने विद्यालय में प्रवेश करेंगे, तो शासन द्वारा दी जाने वाली किताबें उनके बैग में पहले से उपलब्ध होंगी। यह पहली बार हुआ है कि पूरे राज्य के प्रत्येक जिले में शैक्षणिक सामग्री समय पर वितरित कर दी गई है। नई शिक्षा नीति को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा, व्यवसायिक कौशल और आत्मनिर्भर बनने के अवसर मिलेंगे। जुलाई में बेटियों को साइकिल उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि वे आसानी से शिक्षा प्राप्त कर सकें।

कार्यक्रम में जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य कुमार कश्यप भी मौजूद रहे। इस राज्य स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का प्रदेश के सभी जिलों में सीधा प्रसारण किया गया। गौरतलब है कि प्रदेश में करीब 92 हजार सरकारी स्कूल हैं। इनमें प्राइमरी, मिडिल, हाई और हायर सेकेंडरी स्कूल हैं। इन स्कूलों में लगभग 85 लाख बच्चें अध्ययनरत हैं। प्रवेशोत्सव कार्यक्रम-2025 में सभी शासकीय-अशासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के प्रवेश की कार्यवाही एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर 'स्टूडेंट डायरेक्ट्री मैनेजमेंट सिस्टम' प्रणाली पर की जा रही है। एजुकेशन पोर्टल में स्कूल शिक्षा विभाग से संबंधित सभी कार्यों को शामिल किया है। विभाग से संबंधित जानकारी पोर्टल के माध्यम से सुलभ तरीके से प्राप्त की जा सकेगी।

मुंबई सिलसिलेवार बम धमाकाः अदालत ने 32 साल बाद टाइगर मेमन की संपत्ति केंद्र को सौंपने का आदेश दिया

मुंबई। मुंबई की एक विशेष अदालत ने आदेश दिया कि इस महानगर में 1993 में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों के कथित मुख्य साजिशकर्ता में से एक टाइगर मेमन तथा उसके परिवार की 14 संपत्तियां केंद्र सरकार को सौंपी जाएंगी। आतंकवादी और विध्वंसकारी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम-1987 (टाडा) अदालत के आदेश के बाद ये संपत्तियां 1994 से बंबई उच्च न्यायालय के 'रिसीवर' के कब्जे में थीं।

मेमन की 14 संपत्तियों में बांद्रा (पश्चिम) की एक इमारत में एक फ्लैट, माहिम में एक कार्यालय परिसर, माहिम में एक भूखंड, सांताक्रूज (पूर्व) में एक भूखंड और एक फ्लैट, कुर्ला की एक इमारत में दो फ्लैट, मोहम्मद अली रोड पर एक कार्यालय, डोंगरी में एक दुकान और भूखंड, मनीष मार्केट में तीन दुकानें और मुंबई की शेख मेमन स्ट्रीट पर स्थित एक इमारत शामिल है। मुंबई के विभिन्न हिस्सों में 12 मार्च 1993 को हुए सिलसिलेवार 13 बम धमाकों में 257 लोगों की जान चली गई थी और 700 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। बाद में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने इस मामले की जांच अपने हाथ में ले ली थी।

पिछले सप्ताह 26 मार्च को पारित एक आदेश में विशेष टाडा अदालत के न्यायाधीश वी.डी. केदार ने कहा कि अचल संपत्तियों का कब्जा केंद्र सरकार को सौंप दिया जाना चाहिए। आदेश में कहा गया कि केंद्र को सौंपी जाने वाली संपत्तियां 'ऋणभार से मुक्त' हैं और इस तरह 'सक्षम प्राधिकारी के माध्यम से केंद्र सरकार 14 अचल संपत्तियों पर कब्जा पाने की हकदार है।' तस्कर और विदेशी मुद्रा छलसाधक (संपत्ति समपहरण) अधिनियम के तहत सक्षम प्राधिकारी ने संपत्तियों को छोड़ने की मांग की थी।

फडणवीस ने किया महाबलेश्वर पर्यटन महोत्सव के बोधचिन्ह का लोकार्पण

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को मुंबई में महाबलेश्वर पर्यटन महोत्सव के बोध चिन्ह का लोकार्पण किया। इस महोत्सव का आयोजन महाराष्ट्र पर्यटन विकास निगम और स्थानीय जिला प्रशासन के सहयोग से सातारा जिले के महाबलेश्वर में 2 से 4 मई तक किया जाएगा।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन 2 मई को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस करेंगे और इसमें उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, पर्यटन मंत्री शंभूराजे देसाई और पर्यटन राज्य मंत्री इंद्रनील नाइक शामिल होंगे। पर्यटन विभाग और स्थानीय जिला प्रशासन के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय महोत्सव का उद्देश्य पर्यटकों को पर्यटन आकर्षणों, स्थानीय कला एवं संस्कृति तथा खाद्य संस्कृति से परिचित कराना और इसके माध्यम से पर्यटन को बढ़ाना है। महोत्सव में स्थानीय लोक संस्कृति के साथ-साथ प्रसिद्ध कलाकारों के कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए जाएंगे।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, पर्यटन मंत्री शंभुराज देसाई, राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, जल संसाधन मंत्री गिरीश महाजन, राज्य की मुख्य सचिव सुजाता सौनिक, पर्यटन विभाग के प्रधान सचिव अतुल पाटने, महाराष्ट्र पर्यटन विकास महामंडल के प्रबंध निदेशक मनोज सूर्यवंशी, पर्यटन निदेशक डॉ. बीएन पाटिल, महाराष्ट्र पर्यटन विकास महामंडल के महाप्रबंधक चंद्रशेखर जयसवाल, एमटीडीसी के मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी जितेंद्र सोनवणे उपस्थित थे।

झारखंड के बेहतर भविष्य के लिए आने वाले 25 वर्ष को ध्यान में रखकर हमें आगे बढ़ना हैः मुख्यमंत्री सोरेन

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि पर्व-त्योहारों से हमारी परंपरा, सभ्यता-संस्कृति और आस्था जुड़ी है। इससे जीवन में उमंग, उत्साह तथा उल्लास का संचार होता है। इसी कड़ी में हम सालों-साल से परंपरानुसार सरहुल पर्व मनाते आ रहे हैं। हमारे पूर्वजों ने इस प्रकति पर्व की परंपराओं को अक्षुण्ण एवं मजबूती दी है। हमें विरासत में मिली इस परंपरा को और आगे ले जाना है।

मुख्यमंत्री सोरेन मंगलवार को आदिवासी कॉलेज छात्रावास परिसर करमटोली में आयोजित सरहुल पूजा महोत्सव के अवसर पर छात्र-छात्राओं को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने यहां पारंपरिक विधि विधान से पूजा-अर्चना कर राज्य के विकास, सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की। मुख्यमंत्री ने परिसर में पौधरोपण (सखुआ का पौधा लगाकर) कर प्रकृति से जुड़े रहने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने राज्य वासियों को सरहुल महापर्व की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि झारखंड के बेहतर भविष्य के लिए आने वाले 25 वर्षों को ध्यान में रखकर योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी कॉलेज छात्रावास परिसर में हर वर्ष धूमधाम से सरहुल का त्योहार मनाया जाता है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मुझे यहां आयोजित सरहुल महोत्सव में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। यहां आकर आप सभी के साथ खुशियों को बांटने का मौका मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि यहां हम प्रकृति को संरक्षित रखने और अपनी परंपराओं को लेकर आगे बढ़ने का एक संकल्प लेते हैं। हमारा संकल्प पूरा हो, इस दिशा में हमें सदैव प्रयास करते रहना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हमारी जिंदगी काफी व्यस्त हो चुकी है। लोगों के पास वक्त कम है, फिर भी विरासत में मिली अपनी परंपरा एवं सभ्यता-संस्कृति से जुड़े रहने के लिए वक्त जरूर निकालें। यह हमारी आने वाली पीढ़ी की बेहतरी के लिए जरूरी है। इससे आपसी रिश्ते मजबूत होते हैं और पर्व-त्योहारों का जश्न मिलकर मनाने की अलग ही खुशी मिलती है।

सोरेन ने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर व्यवस्था देने के लिए सभी छात्रावासों का जीर्णोद्धार हो रहा है। इस कड़ी में आदिवासी कॉलेज छात्रावास करमटोली और महिला कॉलेज छात्रावास में मल्टी स्टोरी बिल्डिंग बनाई जाएगी। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे सिर्फ अपनी पढ़ाई की चिंता करें, बाकी सारी व्यवस्था सरकार करेगी। आप सही दिशा में आगे बढ़ें, सरकार आपके साथ खड़ी है। इस अवसर पर कृषि मंत्री शिल्पा नेहा तिर्की एवं विधायक कल्पना सोरेन ने भी पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर राज्य के विकास तथा खुशहाली की कामना की।

राजस्थान में राज्य कर्मचारियों का महंगाई भत्ता दो प्रतिशत बढ़ा

जयपुर। राजस्थान सरकार ने राज्य कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में दो प्रतिशत बढ़ोतरी का फैसला किया है। इसका फायदा 12 लाख 40 हजार कर्मचारियों एवं पेंशन भोगियों को होगा। आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान राज्यकर्मियों को महंगाई भत्ता (डीए) में दो प्रतिशत बढोतरी की सौगात दी है। पेंशनभोगियों को भी महंगाई राहत में दो प्रतिशत वृद्धि देय होगी। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को इस संबंध में वित्त विभाग के प्रस्ताव का अनुमोदन किया। अब प्रदेश में सातवें वेतनमान के अंतर्गत राज्य कर्मचारियों एवं पेंशनर को एक जनवरी 2025 से 53 प्रतिशत से बढ़ाकर 55 प्रतिशत महंगाई भत्ता अथवा मंहगाई राहत देय होगी। इसका लाभ लगभग आठ लाख कर्मचारियों एवं 4.40 लाख पेंशनर को मिलेगा। पंचायत समिति तथा जिला परिषद के कर्मचारियों को भी इस वृद्धि का लाभ मिलेगा। इसके अनुसार, कर्मचारियों को मई 2025 में देय अप्रेल 2025 के वेतन से बढ़े हुए महंगाई भत्ते का नकद भुगतान किया जाएगा तथा एक जनवरी से 31 मार्च, 2025 तक की तीन माह की राशि संबंधित कर्मचारियों के सामान्य प्रावधायी निधि खाते में जमा की जाएगी। पेंशनरों को एक जनवरी, 2025 से महंगाई राहत का नकद भुगतान किया जायेगा। इस फैसले से राज्य सरकार पर लगभग 820 करोड़ रुपये का वार्षिक वित्तीय भार आएगा।

मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने महिलाओं के लिए मुफ्त बस सेवा को दिखाई हरी झंडी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को महिलाओं के लिए मुफ्त बस सेवा को हरी झंडी दिखाई।

मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने एक्स के माध्यम से कहा कि मैंने आज महिलाओं के लिए मुफ्त बस सेवा को हरी झंडी दिखाई। आज से जम्मू-कश्मीर में सभी स्मार्ट सिटी और एसआरटीसी में महिलाएं मुफ्त यात्रा करेंगी।

उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक कल्याणकारी उपाय नहीं है, यह महिला सशक्तिकरण, सुलभ गतिशीलता और अधिक समावेशी जम्मू-कश्मीर के लिए प्रतिबद्धता है।

संक्षिप्त खबरें

सरयू नदी में नहाते समय चाचा-भतीजे की डूबने से मौत

बलिया। जिले के मनियर क्षेत्र में नवका बाबा मंदिर में दर्शन करने आए गोरखपुर निवासी चाचा-भतीजे की मंगलवार को सरयू नदी में स्नान करते समय डूबने से मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि गोरखपुर जिले के चौरी चौरा थाना क्षेत्र के खास डुमरी बसंत टोला के रहने वाले कुछ श्रद्धालु नवका बाबा मंदिर में दर्शन करने आए थे। उन्होंने कहा कि मंगलवार की सुबह करीब सात बजे वीरू पटेल (15) और उसके चाचा भीम पटेल (35) संत शरण दास बाबा के मंदिर के पास सरयू नदी में स्नान करने गए। इस दौरान गहरे पानी में चले जाने से वे डूब गए। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने मंगलवार को बताया कि गोताखोरों की मदद से दोनों के शव नदी से बाहर निकाले गए। शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिए गए हैं।

पुलिस से मुठभेड़ के बाद तीन गौ तस्कर गिरफ्तार

शाहजहांपुर। जिले में मंगलवार की सुबह पुलिस से मुठभेड़ के बाद तीन गौ तस्करों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ के दौरान पुलिस की गोली लगने से दो बदमाश घायल हो गए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजेश द्विवेदी ने बताया कि पुलिस को निगोही थाना क्षेत्र के तालगांव निवासी नसीम, सलमान तथा अफजाल समेत कुछ गौ तस्करों के कठिना नदी के पास कच्चे मार्ग पर होने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब उन्हें ललकारा तो आरोपियों ने पुलिस पर गोलियां चलाना शुरू कर दिया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिसमें नसीम (25) तथा सलमान (28) गोली लगने से घायल हो गए। अफजाल मौके से भाग निकला, लेकिन पुलिस ने उसे पीछा करके पकड़ लिया। हालांकि दो आरोपी घटना स्थल से भागने में सफल रहे। एसपी ने बताया कि आरोपियों ने पूछताछ में खुलासा किया कि 28 मार्च को उन्होंने ही दो पशुओं का वध किया था। इस मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। द्विवेदी ने बताया कि आरोपियों के पास से दो तमंचे तथा एक कार के अलावा मांस काटने के उपकरण बरामद हुए हैं। दोनों घायल गौ तस्करों को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती करा दिया है।

मालगाड़ी की चपेट में आने से 'सेक्शन इंजीनियर' की मौत

बलिया। बलिया रेलवे स्टेशन पर एक मालगाड़ी की चपेट में आने से रेलवे के एक वरिष्ठ 'सेक्शन इंजीनियर' की मौत हो गई। राजकीय रेलवे पुलिस के बलिया थाना प्रभारी विवेकानंद यादव ने मंगलवार को बताया कि रेलवे के वरिष्ठ 'सेक्शन इंजीनियर' शंकर मंडल (58) प्लेटफार्म संख्या दो से प्लेटफार्म संख्या एक के पूर्वी छोर पर स्थित अपने कार्यालय जाने के लिए सोमवार को रेल पटरी पार कर रहे थे। इसी दौरान वह छपरा से गाजीपुर की तरफ जा रही एक मालगाड़ी की चपेट में आ गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। शंकर मंडल बिहार में कटिहार के निवासी थे।

बस की छत पर बैठा यात्री पेड़ की टहनी से टकराया, मौत

पीलीभीत। उत्तराखंड में मां पूर्णागिरि मंदिर के दर्शन करके बस की छत पर सवार होकर लौट रहे बुलंदशहर जिले के 32 वर्षीय एक व्यक्ति की पीलीभीत में पेड़ की टहनी से टकराने से मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि दुर्घटना रविवार रात को हुई। दो अन्य घायल श्रद्धालुओं का पीलीभीत के जिला अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। कोतवाल राजीव कुमार सिंह ने मंगलवार को संवाददाताओं को बताया कि हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस अस्पताल पहुंची और घायलों को इलाज के लिए भर्ती कराया। उन्होंने बताया कि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, बुलंदशहर जिले के रामघाट थाने के जरगांव नामक गांव से करीब 60 श्रद्धालुओं का दल शनिवार (29 मार्च) को मां पूर्णागिरि मंदिर के दर्शन के लिए बस से टनकपुर के लिए निकला था। दर्शन-पूजन के बाद श्रद्धालुओं की बस रविवार रात करीब आठ बजे टनकपुर से बुलंदशहर के लिए रवाना हुई थी। रात करीब 12 बजे पीलीभीत-टनकपुर राजमार्ग पर बस की छत पर बैठे पांच श्रद्धालु एक पेड़ की टहनी की चोट लगने से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि बस चालक ने हादसे के तुरंत बाद बस को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने बुलंदशहर जिले के गांव जरगांव निवासी सुधीर कुमार (32) को मृत घोषित कर दिया। सूत्रों ने बताया कि हादसे में गंभीर रूप से घायल राजवीर (45) को पीलीभीत जिला अस्पताल से बरेली रेफर कर दिया गया। रवि (38) का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

बीएचयू केन्द्रीय कार्यालय पर छात्रों ने किया प्रदर्शन

वाराणसी। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के कला संकाय के प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के विभागाध्यक्ष पद पर प्रोफेसर एमपी अहिरवार की नियुक्ति न होने पर छात्रों के एक गुट में नाराजगी है। इस मामले को लेकर लामबंद छात्रों ने मंगलवार को विश्वविद्यालय के केन्द्रीय कार्यालय का घेराव कर जमकर प्रदर्शन किया। प्रोफेसर अहिरवार के समर्थन में जुटे छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। छात्रों के विरोध प्रदर्शन की जानकारी पाते ही प्राक्टोरियल बोर्ड के अफसर भी मौके पर पहुंच गए। उल्लेखनीय है कि विभागाध्यक्ष पद की रेस में वरिष्ठता क्रम को लेकर प्रोफेसर अहिरवार ने भी विरोध किया है। छात्रों ने विरोध प्रदर्शन के दौरान कहा कि अनुसूचित जाति के प्रोफेसर को विभागाध्यक्ष बनने से रोका गया है। वह प्रोफेसर के पद पर 14 साल कार्य किए हैं।

सीएम योगी ने बरेली में 933 करोड़ रुपये की 132 विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण व शिलान्यास

अब नाथ कॉरिडोर से है बरेली की पहचान: सीएम

जो लोग गौ माता को कसाइयों के हवाले करते थे, उन्हें आज गोबर से दुर्गंध आ रही : योगी

सीएम ने समाजवादी पार्टी पर तंज कसते हुए कहा कि सपा ने गोवंश को लावारिस छोड़ दिया था। उनके मुखिया कहते हैं कि गोबर से दुर्गंध आती है। ये उनकी असलियत है। वे गौ माता को कसाइयों के हवाले करते थे। हमने कसाइयों को जहन्नुम भेजा, तो सपा को परेशानी हुई। सीएम योगी ने कहा कि गो-तस्करों के साथ और कसाईयों के साथ जिनके संबंध थे, वे गोमाता की सेवा क्या जानें, उनको गोमाता के गोबर में तो दुर्गंध ही नजर आएगी। उन्हें अपने कृत्यों में दुर्गंध नजर नहीं आती है। सीएम योगी ने कहा कि गो और गंगा भारत की परंपरा का हिस्सा हैं। नमामि गंगे परियोजना से गंगा निर्मल हुई, जिसके चलते प्रयागराज में भव्य कुंभ का आयोजन हुआ और 66 करोड़ श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। इसी तरह, गौ संरक्षण से भी समाज को लाभ होगा।

बरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को एकदिवसीय दौरे पर बरेली पहुंचे। सीएम योगी ने यहां 933 करोड़ रुपये की 132 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। साथ ही उन्होंने अत्याधुनिक जीवन रक्षक सुविधाओं से लैस 2,554 नई एंबुलेंस का फ्लैग ऑफ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पूरे प्रदेश के लिए 'स्कूल चलो अभियान' की शुरुआत की। साथ ही 'विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान' को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया।

इस दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि पिछली सरकारों ने बरेली की पहचान को झुमका के साथ जोड़ा था, हम लोगों ने बरेली को नाथ कॉरिडोर देकर नाथ नगरी को उसकी पौराणिक पहचान दिलाने का काम किया है। मुख्यमंत्री ने बरेली के कॉलेज मैदान में बरेली विकास प्राधिकरण द्वारा लगाई गई विकास एवं योजनाओं से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। सीएम योगी ने इस दौरान युवा उद्यमियों द्वारा लगाए गए उत्पाद की प्रदर्शनी का भी निरीक्षण किया। लोगों को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि पिछले 8 वर्षों में बरेली ने एक नई पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि पहले बरेली को झुमके के साथ जोड़ा जाता था, लेकिन हमने इसे नाथ नगरी के रूप में नाथ कॉरिडोर देकर इसकी पौराणिक पहचान दिलाने का काम किया है। आज बरेली स्मार्ट सिटी के रूप में अपनी धमक देश और दुनिया में स्थापित कर रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि बरेली में अब निवेश का माहौल बन रहा है। डेयरी, मेडिकल और अन्य उद्योगों में निवेश हो रहा है, जिससे रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। बरेली को हर घर नल योजना, रिंग रोड और नए फ्लाईओवर से जोड़ा जा रहा है, जिससे शहर की कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचा मजबूत हो रहा है। सीएम योगी ने कहा, ₹पहले बरेली को गंदी सिटी कहा जाता था, लेकिन अब यह स्मार्ट सिटी के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। 2017 से पहले बरेली में 5-7 दंगे आम बात थी, लेकिन पिछले 8 साल में एक भी दंगा नहीं हुआ। अब बरेली में दंगा नहीं, चंगा है। उन्होंने दंगाइयों को चेतावनी देते हुए कहा कि दंगा करने की हिम्मत करने वालों की संपत्ति जब्त कर गरीबों में बांट दी जाएगी।सीएम योगी ने कहा कि शिक्षा समाज की आधारशिला है। उन्होंने बरेली से पूरे प्रदेश में 'स्कूल चलो अभियान' की शुरुआत की। इस दौरान सीएम योगी ने नव नामांकित बच्चों को स्टेशनरी, पाठ्यपुस्तक किट व टॉफी इत्यादि का वितरण किया। उन्होंने कहा कि नया शैक्षिक सत्र शुरू हो रहा है। मैं बरेलीवासियों और पूरे उत्तर प्रदेश के लोगों से आह्वान करता हूं कि इस अभियान से जुड़ें और सुनिश्चित करें कि कोई भी बच्चा स्कूल जाने से वंचित न रहे। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज की भी जिम्मेदारी है। अगर कोई बच्चा शिक्षा से वंचित रहता है, तो यह समाज और राष्ट्र के लिए चुनौती बन जाता है। सीएम योगी ने 2017 के पहले की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय बेसिक शिक्षा परिषद की हालत खराब थी। स्कूलों में टॉयलेट, पेयजल, फर्नीचर और स्मार्ट क्लास जैसी बुनियादी सुविधाएं नहीं थीं। 1 करोड़ 34 लाख बच्चों ने नामांकन कराया था, लेकिन 60 प्रतिशत बच्चे स्कूल नहीं जाते थे। उन्होंने कहा कि आज ऑपरेशन कायाकल्प के तहत 96 प्रतिशत स्कूलों में टॉयलेट, पेयजल, फ्लोरिंग, स्मार्ट क्लास और डिजिटल लाइब्रेरी की व्यवस्था हो चुकी है। पिछले साल 1 करोड़ 91 लाख बच्चों को डीबीटी के जरिए 1200 रुपये प्रति बच्चा उनके अभिभावकों के खाते में भेजे गए। बच्चों को दो यूनिफॉर्म, बैग, किताबें, जूते, मोजे और स्वेटर भी दिए जा रहे हैं, जिससे बच्चों में स्कूल जाने की उत्सुकता बढ़ी है।

सीएम योगी ने बेसिक शिक्षा परिषद में 1,25,000 से अधिक शिक्षकों की भर्ती का उल्लेख करते हुए कहा कि पीएम श्री योजना के तहत 1500 विद्यालयों का कायाकल्प किया जा रहा है। कस्तूरबा गांधी विद्यालयों को 8वीं से 12वीं तक गरीब कन्याओं की शिक्षा का केंद्र बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बरेली में अटल आवासीय विद्यालय का शुभारंभ होने जा रहा है, जो श्रमिकों के बच्चों के लिए उत्तम शिक्षा का केंद्र बनेगा। सीएम योगी ने कहा कि इसी तर्ज पर बेसिक शिक्षा परिषद ने भी हर जनपद में मुख्यमंत्री कम्पोजिट विद्यालय को प्रारंभ करने का निर्णय लिया है। पहले चरण में 57 जनपदों में जहां पर अटल आवासीय विद्यालय नहीं खोले गए हैं, वहां पर यह मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय प्रारंभ होने जा रहे हैं। पहले चरण में जनपद स्तर पर दूसरे चरण में तहसील स्तर, तीसरे चरण में विकासखंड स्तर पर और चौथे चरण में न्याय पंचायत स्तर पर विद्यालय खोलेंगे। सीएम योगी ने कहा कि प्री प्राइमरी से लेकर सीनियर सेकेंडरी तक यानी नर्सरी से लेकर 12वीं तक की शिक्षा बच्चों को एक ही कैंपस में मिल सके खेलकूद की व्यवस्था हो स्किल डेवलपमेंट की व्यवस्था हो, पूरे शिक्षक हों, शिक्षकों के लिए आवासीय व्यवस्था हो इस कार्यक्रम को लेकर हम इस अभियान को लेकर बढ़ने जा रहे हैं।

सीएम योगी ने स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि 2017 से पहले 1947 से 2017 तक केवल 12 सरकारी मेडिकल कॉलेज थे, लेकिन पिछले 8 साल में 44 नए सरकारी मेडिकल कॉलेज बने हैं। अब प्रदेश में 80 से ज्यादा मेडिकल कॉलेज हैं, जिसमें 36 से ज्यादा निजी क्षेत्र में हैं। हर जिले में डायलिसिस, सीटी स्कैन और टेलीमेडिसिन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उत्तर प्रदेश देश में सबसे ज्यादा आयुष्मान कार्ड जारी करने वाला राज्य बन गया है, जिसके तहत 10 करोड़ लोगों को हर साल 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा मिल रहा है। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 7,700 से अधिक निराश्रित गोआश्रय स्थल खोले गए हैं, जहां 14 लाख गोवंश की देखभाल सरकार कर रही है। शेष गोवंश को अन्नदाता किसानों को सौंपा गया है। सीएम योगी ने कहा कि हर गोवंश के लिए किसानों को 1500 रुपये प्रति माह दिए जा रहे हैं। चार गोवंश रखने वाले किसान को 6000 रुपये मासिक अनुदान मिलता है। इससे गोमाता की सेवा का पुण्य भी मिलता है और आर्थिक लाभ भी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी अभियान के तहत युवा उद्यमियों को ऋण वितरण किया। इसके साथ ही बरेली मंडल के पांच दरोगा और सिपाहियों को टैबलेट व स्मार्ट फोन वितरित किया गया। मुख्यमंत्री ने बरेली में बनने वाली एमएसएमई इंडस्ट्रियल टाउनशिप का भी निरीक्षण किया। यह टाउनशिप 113 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित की जाएगी, जिसमें 150 से अधिक उद्यमियों को प्लॉट मिलेगा, जिससे बरेली में व्यापार और उद्योगों को मजबूती मिलेगी।

इस अवसर पर पशुधन एवं विकास मंत्री धर्मपाल सिंह, वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ अरुण कुमार, प्रभारी मंत्री जेपीएस राठौर, शिक्षा राज्य मंत्री संदीप सिंह, भाजपा ब्रज प्रांत के क्षेत्रीय अध्यक्ष, दुर्विजय सिंह शाक्य, बरेली के महापौर डॉक्टर उमेश गौतम, बरेली के सांसद छत्रपाल गंगवार, बरेली के एमएलसी कुंवर महाराज सिंह, बहोरन लाल मौर्य, बरेली के कैंट विधायक संजीव अग्रवाल, डॉक्टर डीसी वर्मा, प्रोफेसर श्याम बिहारी लाल,डॉ राघवेंद्र शर्मा, डॉक्टर एमपी आर्य, आंवला जिला अध्यक्ष आदेश प्रताप सिंह, महानगर अध्यक्ष अधीर सक्सेना, समेत कई जनप्रतिनिधि व गणमान्य मौजूद रहे।

सीएम ने 2,554 नई एंबुलेंस को दिखाई हरी झंडी

स्वास्थ्य को शिक्षा जितना ही महत्वपूर्ण बताते हुए सीएम योगी ने बरेली से 'विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान' की शुरुआत की। संचारी रोग नियंत्रण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों का सीएम योगी ने सम्मान किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्र संचारी रोगों के प्रति संवेदनशील हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश में इंसेफेलाइटिस, बरेली मंडल में मलेरिया, आगरा में डेंगू, वाराणसी में कालाजार और झांसी में चिकनगुनिया जैसी बीमारियां चुनौती रही हैं। पिछले 8 वर्षों में डबल इंजन सरकार ने इंसेफेलाइटिस को पूरी तरह नियंत्रित कर लिया है, जिसके चलते गोरखपुर और आसपास के क्षेत्रों में बच्चों की मौतें रुक गई हैं। मलेरिया भी लगभग नियंत्रित हो चुका है, लेकिन इसे जड़ से खत्म करने के लिए जागरूकता और अभियान चलाए जा रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि बरेली, बदायूं और पीलीभीत जैसे जनपदों में मलेरिया और डेंगू को रोकने के लिए जलजमाव को खत्म करने, छिड़काव और लार्वा को नष्ट करने के उपाय किए जा रहे हैं। आशा वर्कर और एएनएम घर-घर जाकर स्क्रीनिंग और जागरूकता अभियान चलाएंगे। इसके साथ ही, स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए 2,554 नई अत्याधुनिक एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। सीएम ने कहा कि 2017 से पहले 108 एंबुलेंस का रिस्पांस टाइम 17-19 मिनट था, जो अब 7 मिनट तक आ गया है। इन नई एंबुलेंस से रिस्पांस टाइम और कम होगा।

50 लाख की साड़ियां चोरी, सीसीटीवी फुटेज में कैद हुए कर्मचारी

जालौन। कोंच कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार को एक साड़ी के गोदाम से करीब 50 लाख रुपये के कीमत की साड़ियां चोरी होने का मामला सामने आया है। साल के अंतिम दिनों हुई आडिट में एक साल बाद दुकान मालिक को निवेश की गई पूंजी और मुनाफे के बीच काफी अंतर समझ में आया। मालिक ने गोदाम में लगे सीसीटीवी फुटेज को चेक किया तो दुकान के ही कुछ कर्मचारी वहां से साड़ियों की चोरी करते हुए नजर आए।

दुकान मालिक ने थाने में तहरीर और सीसीटीवी फुटेज पुलिस को उपलब्ध कराये। पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। कोतवाली क्षेत्र के कस्बे जवाहर नगर में रहने वाले विजय कुमार गुप्ता ने मंगलवार को कोतवाली में तहरीर देते हुए बताया कि उनका साड़ी और लहंगा-चुनरी का शोरूम है। पास में ही एक गोदाम बना रखा है। लागत लगाने के बाद पिछले साल से लेकर अब तक उसे करीब 50 लाख रुपये का नुकसान हो चुका है। दुकान में काम कर रहे कर्मचारियों के द्वारा साड़ियां मंगाई जाती थी लेकिन वह कुछ साड़ी तो यहां लाते थे और कुछ साड़ियों को चोरी कर दुकान के बाहर बेंचते थे। इससे उन्हें करीब 50 लाख रुपये तक का नुकसान हुआ है। दुकान मालिक ने बताया कि इन चोरियों को अंजाम देने में दुकान के ही दो कर्मचारी शामिल थे। चोरी के बाद सीसीटीवी फुटेज डिलीट कर देते थे।

लेकिन बीते 21 मार्च को कर्मचारी फुटेज डिलीट करना भूल गये, जिससे यह पूरी वारदात गोदाम में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। दुकान मालिक की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मंगलवार को दुकान के ही कर्मचारी विपिन कुमार, प्रवीण कुमार, राजू रेजा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। वहीं पुलिस का कहना है कि अन्य साक्ष्यों को भी एकत्रित किया जा रहा है, जल्द पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

समाज कल्याण विभाग के विद्यालय में अनुपस्थित पाए गए दो कर्मचारी जिलाधिकारी ने लगाई फटकार

कानपुर। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय, कल्याणपुर का जायजा लेने मंगलवार को जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह पहुंचे। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान पाया कि विद्यालय में तैनात 15 अध्यापकों/कर्मचारियों में से 13 उपस्थित पाये गए। इस दौरान संविदा अध्यापक विकास शुक्ला अनुपस्थित पाए गए। वहीं, रिचा गुप्ता आकस्मिक अवकाश पर थी। साथ ही कर्मचारी कैलाश बाबू विद्यालय में उपस्थित थे, लेकिन उपस्थिति पंजिका में हस्ताक्षर नहीं किए थे। वहीं,कर्मचारी सबीहा अजीज भी अनुपस्थित पायी गयी।

जिलाधिकारी द्वारा विद्यालय में मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अंतर्गत संचालित कक्षाओं की जानकारी ली गई। कोर्स कोऑर्डिनेटर हरिहर

मिश्रा ने जिलाधिकारी को फ़ोन पर बताया कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जा रही है। साथ ही निशुल्क कोचिंग में नीट के 51, जेईई के 56 और आईएएस, पीसीएस परीक्षाओं की तैयारी के लिए पंजीकृत बच्चों की संख्या 107 है।जिलाधिकारी ने कोर्स कोऑर्डिनेटर से छात्र-छात्राओं को बेहतर शिक्षा देने के निर्देश दिए हैं।

रेल विद्युतीकरण के सौ वर्ष पूर्ण होने पर रेलगांव में किया गया पौधारोपण

प्रयागराज। वर्ल्ड फूल डे के दिन वर्ल्ड कूल डे मनाना तथा वातावरण को शुद्ध करने के साथ-साथ कार्बन उत्सर्जन कम करने में योगदान देने के उद्देश्य से एनसीआर के महाप्रबंधक ने रेलगांव में पौधारोपण किया। उत्तर मध्य रेलवे में रेल विद्युतीकरण के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मंगलवार को महाप्रबंधक उपेंद्र चंद्र जोशी एवं श्रीमती चेतना जोशी, अध्यक्ष उत्तर मध्य रेलवे कल्याण संगठन की अध्यक्षता में रेलगाँव कॉलोनी परिसर में पौधारोपण का आयोजन किया गया।

वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी अमित मालवीय ने बताया कि वृक्षारोपण में कुल 100 पौधे लगाए गए। इनमें जामुन, अनार, अर्जुन, कटहल, पीपल, नीम, नीबू, गुलाब, क्रोटन, कोलियस आदि सम्मिलित थे। पिछले साल हुए मियावाकी पौधारोपण में ही इन पौधों को लगाया गया। इन पौधों की सिचाई के लिए ड्रिप प्रणाली का प्रयोग किया जा रहा है जिससे गर्मी में पानी की दिक्कत न हो। इस अवसर पर स्काउट एवं गाइड टीम और उपस्थित सभी कर्मचारियों को कपड़े के थैले भी दिए गए। कपड़े के थैलों को बांटने का उद्देश्य सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल को कम करना है। इस पौधारोपण कार्यक्रम में कुल 200 लोगों ने हिस्सा लिया। शिवाजी कदम, मुख्य पर्यावरण प्रबन्धक ने सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने की सलाह दी तथा आने वाली गर्मियों में पौधों के संरक्षण के लिए एक बोतल एक प्लांट का अनुरोध भी किया।

कार्यक्रम मुख्य पर्यावरण एवं गृह व्यवस्था प्रबन्धक शिवाजी कदम तथा सीईडीई श्याम सुंदर मंगल के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में पीसीएमई अनिमेष सिन्हा, पीसीईई यतेंद्र कुमार, पीसीई एस.सी जैन, अनुराग त्रिपाठी, वी.के गर्ग एसडीजीएम, अजय सिंह, ए.के.वर्मा, के.एम.सिंह, आर.पी.त्रिपाठी, आलोक केशरवानी के साथ अन्य अधिकारियों ने पौधे लगाए।

तीन अभियुक्तों के खिलाफ गैंगस्टर की कार्यवाही

देवरिया। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन पर हत्या एवं हत्या के प्रयत्न जैसा जघन्य अपराध करने पर तीन अभियुक्तों के विरूद्ध गैंगस्टर की कार्यवाही आज की गई । पुलिस अधीक्षक विक्रान्त वीर ने बताया कि अपराध व अपराधियों पर प्रभावी अंकुश व नियंत्रण लगाने हेतु

थाना एकौना में गैंग के लीडर मो0 रजा उर्फ राजा खान पुत्र इदरीश निवासी घोसी पुरवा जंगल मातादीन थाना शाहपुर जनपद गोरखपुर एवं गैंग के सदस्य फैज रैनी पुत्र फजल निवासी जेल बाईपास जंगल मातादीन थाना शाहपुर जनपद गोरखपुर तथा राहुल अली पुत्र उर्फ रहीमुल पुत्र वाहिद अली निवासी रानीपुर भिटहा थाना बांसगांव जनपद गोरखपुर के विरूद्ध थाना एकौना में गैंगेस्टर एक्ट के अन्तर्गत अभियोग पंजीकृत कर कार्यवाही की गयी है । वर्तमान समय में तीनों अभियुक्त जिला कारागार देवरिया में निरुद्ध हैं।

आसाराम को अंतरिम जमानत मिलने के बाद दुष्कर्म पीड़िता के घर की सुरक्षा कड़ी की गयी

शाहजहांपुर। दुष्कर्म के आरोप में उम्र कैद की सजा काट रहे स्वयंभू बाबा आसाराम को तीन महीने की अंतरिम जमानत मिलने पर उत्तर प्रदेश पुलिस ने शाहजहांपुर जिले में रहने वाली पीड़िता के परिजनों द्वारा जान का खतरा जताए जाने के बाद उनके घर की सुरक्षा कड़ी कर दी है।

एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने बताया कि आसाराम को तीन महीने की अंतरिम जमानत मिलने के बाद उन्होंने स्वतः संज्ञान लेते हुए पीड़िता के परिवार की सुरक्षा और कड़ी कर दी है। पीड़िता के घर पर एक सुरक्षाकर्मी तैनात है और पीड़िता के पिता व भाई के साथ एक-एक गनर तैनात रहता है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा अजीजगंज पुलिस चौकी को भी पीड़िता के घर की निगरानी करने का निर्देश दिया गया है। द्विवेदी ने बताया कि उन्होंने एहतियातन पीड़िता के घर और घर के सामने लगे सीसीटीवी कैमरों की रेंज बढ़ायी है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा आवश्यकता अनुसार अधिक कैमरे लगाए जा रहे हैं और घर के सामने मुख्य मार्ग के अलावा संपर्क मार्गों पर भी पुलिस निगरानी कर रही है। अधिकारी ने बताया कि घर के आसपास जमावड़ा लगाने पर पूर्ण पाबंदी लगा दी गई है। द्विवेदी ने बताया कि इसके अलावा कोतवाली पुलिस को निर्देश दिए गये हैं कि पीड़िता के परिजन अगर जिले से बाहर जाएं तो इसकी सूचना पुलिस को पहले दें ताकि पुलिस संबंधित जिले की पुलिस को सूचित कर सके।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि हमारे अधिकारी रात व दिन में एक-एक बार पीड़िता के घर पर जाकर सुरक्षा की समीक्षा कर रहे हैं। पीड़िता के पिता ने रविवार को आसाराम को अंतरिम जमानत मिलने पर अपनी और अपने परिवार की जान का खतरा बताया था। पीड़िता के पिता का कहना है कि जो व्यक्ति बीमारी के बहाने जेल से बाहर आया है वह जोधपुर से इंदौर, उज्जैन और सूरत में घूम रहा है तथा लगातार अपने अनुयायियों से मिल रहा है। पिता ने पूछा आखिर कैसी बीमारी है उसे? पीड़िता के पिता ने कहा कि अब हमारे परिवार को खतरा बढ़ गया है वह हमारे परिवार के साथ कभी भी कुछ भी कर सकता है। हम तो अब सिर्फ भगवान के भरोसे हैं।

आसाराम को शाहजहांपुर की रहने वाली पीड़िता के साथ 2013 में जोधपुर स्थित आश्रम में दुष्कर्म करने के आरोप में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। पीड़िता उस दौरान नाबालिग (16) थी। गुजरात उच्च न्यायालय ने आसाराम को हृदय रोग एवं वृद्धावस्था संबंधी अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के इलाज के लिए शुक्रवार को अंतरिम जमानत प्रदान की थी।

मुख्यमंत्री ने की वन विभाग व ऊर्जा विभाग की योजनाओं पर समीक्षा बैठक

मानव वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए कारगर उपाय करें: धामी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को सचिवालय में वन विभाग व ऊर्जा विभाग की योजनाओं पर समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वनों के संरक्षण के साथ वन सम्पदाओं से राजस्व वृद्धि के लिए और प्रभावी प्रयास किये जाएं। धामी ने निर्देश दिए कि वन विभाग के गेस्ट हाउस के आधुनिकीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाए। जड़ी-बूटियों, कृषिकरण तथा विपणन के क्षेत्र में कार्य के लिए और अधिक संभावनाएं तलाशी जाएं। मानव वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए कारगर उपाय किए जाएं। वनाग्नि प्रबंधन, जैव विविधता संरक्षण एवं ईको -टूरिज्म पर विशेष ध्यान दिया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वन सम्पदाओं के बेहतर उपयोग के साथ ही प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजागार को बढ़ावा दिया जाए। ग्रीष्मकाल के दृष्टिगत वनाग्नि की रोकथाम के लिए प्रभावी कार्ययोजना के साथ रणनीति बनाई जाए, ताकि वनाग्नि से होने वाले नुकसान से बचा जा सके। यह सुनिश्चित किया जाए कि ऐसे प्रयास केवल कागजों तक सीमित न रहे, धरातल पर दिखाई दें। मानव वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं को रोकने के लिए अन्य राज्यों की बेस्ट प्रैक्टिस का अध्ययन किया जाए और राज्य में इसके लिए बेहतर कार्य योजना बनाई जाए।

बैठक में जानकारी दी गई कि इको टूरिज्म के अंतर्गत इको कैंपिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास, पुराने फॉरेस्ट रेस्ट हाउस के रिस्टोर, स्थानीय युवाओं को विभिन्न गतिविधियों जैसे नेचर गाइड का प्रशिक्षण और क्षमता विकास कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। ईको टूरिज्म के लिए समर्पित एक वेबसाइट बनाई जाएगी। अभी तक विभिन्न क्षेत्रों में संचालित ईको टूरिज्म क्षेत्र से स्थानीय युवाओं को लगभग 5 करोड़ रुपये, जिप्सी संचालन से 17 करोड़ रुपये और स्वयं सहायता समूह को 30 लाख रुपये की आय अर्जित हुई है।

ऊर्जा विभाग की समीक्षा के दौरान भी मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि राज्य में ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने की दिशा में तेजी से कार्य किये जाएं। लघु जल विद्युत परियोजनाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य की मुख्य अवधारणा में ऊर्जा और पर्यटन प्रदेश था। पर्यटन के क्षेत्र में राज्य में तेजी से कार्य हो रहे हैं, लेकिन ऊर्जा के क्षेत्र में अनेक संभावनाओं पर कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा के क्षेत्र में राज्य की क्षमताओं के हिसाब से कार्य करने की जरूरत है। शहरी क्षेत्रों में पॉवर लाइन के अंडरग्राउडिंग का कार्य वर्षाकाल शुरू होने से पहले पूर्ण किया जाए। सरकारी भवनों में सोलर रूफ टॉप से आच्छादित करने का कार्य जल्द पूर्ण किया जाए।

यूजेवीएनएल, यूपीसीएल की जो परिसम्पतियां उपयोग में नहीं हैं, उनको उपयोग में लाने के लिए प्रभावी कार्य योजना बनाई जाए। नवीकरणीय ऊर्जा संवर्द्धन योजना, विद्युत वितरण सुधार योजना और स्मार्ट मीटर की योजनाओं में तेजी लाने के निर्देश भी दिए। बैठक में जानकारी दी गई कि 2023 में संशोधित जल विद्युत नीति के अनुसार वन टाइम एमनेस्टी के तहत कुल 160.80 मेगावाट के 8 प्रॉजेक्ट को मंजूरी दी गई हैं। ये प्रॉजेक्ट 2030 तक 1790 करोड़ रुपये की लागत से पूरे होंगे। इसके साथ ही 121 मेगावाट के 6 प्रोजेक्ट्स को मंजूरी मिली है। इस नीति से क्षेत्र का सामाजिक आर्थिक विकास होगा। यूजीवीएनएल 2028 से 03 पंप स्टोरेज का कार्य शुरू कर 2031 में पूरा करेगा। लगभग 5660 करोड़ की लागत इन तीनों पंप स्टोरेज में इच्छारी, लखवाड़-व्यासी और व्यासी-कटापत्थर प्रोजेक्ट शामिल हैं।

बैठक में वन मंत्री सुबोध उनियाल, अवस्थापना अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष विश्वास डाबर, मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर.के सुधांशु, आर. मीनाक्षी सुंदरम, प्रमुख वन संरक्षक डॉ. धनंजय मोहन, अपर सचिव रंजना राजगुरू, उत्तराखंड जल विद्युत निगम के प्रबंध निदेशक संदीप सिंघल, यूपीसीएल के प्रबंध निदेशक अनिल कुमार, पिटकुल के प्रबंध निदेशक पी.सी. ध्यानी और संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

उद्यमी 2017 से पूर्व पलायन कर रहे थे, अब हो रहा ऐतिहासिक निवेश: नन्दी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने कस्तूरबा गांधी मार्ग सिविल लाइंस में कटरा के प्रतिष्ठित व्यापारी एवं वरिष्ठ नागरिक रामजी लाल रतन प्रकाश के पौत्र रवि प्रकाश द्वारा स्थापित एरिका किचन वेयर, होटल वेयर एवं गिफ्टिंग सॉल्यूशन शोरूम का उद्घाटन किया। समारोह में मंत्री नन्दी ने दीप प्रज्ज्वलित किया। फीता काटकर नव प्रतिष्ठान का उद्घाटन किया और शुभकामनाएं प्रेषित कीं। व्यवसाय के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर नन्दी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं कर्मयोगी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में देश का ग्रोथ इंजन बनने की ओर अग्रसर उत्तर प्रदेश में कई प्रतिष्ठित कंपनियां निवेश के लिए स्वयं आगे आ रही हैं। लगातार नए-नए उद्योग स्थापित हो रहे हैं। बड़े पैमाने पर रोजगार का सृजन हो रहा है। 2017 के पहले की सरकार में प्रदेश में व्याप्त गुंडाराज एवं लचर कानून व्यवस्था की वजह से उत्तर प्रदेश के उद्यमी एवं व्यापारी जहां प्रदेश से पलायन कर रहे थे। उद्योग धंधे बंद हो रहे थे। वहीं योगी सरकार में कानून का राज स्थापित होने पर उद्यमी एवं व्यापारी असीम सम्भावनाओं के प्रदेश उत्तर प्रदेश में औद्योगिक एवं व्यापारिक क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश कर रहे हैं।

नन्दी ने कहा कि प्रयागराज के कटरा निवासी प्रतिष्ठित व्यापारी रामजी लाल रतन प्रकाश के परिवार द्वारा पीढ़ी दर पीढ़ी व्यापार एवं सेवा कार्य की परम्परा का निर्वहन नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा है। इस अवसर पर रवि प्रकाश गुप्ता, ऋषभ प्रकाश, विमल गुप्ता, मयूरी गुप्ता, भाजपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा, आशुतोष द्विवेदी पार्षद, अजय यादव सहित अन्य कई लोग उपस्थित रहे।

हाई कोर्ट में सचिव पंचायतीराज व चमोली के जिलाधिकारी को दिया अवमानना का नोटिस

नैनीताल। हाई कोर्ट में मंगलवार को चमोली के जिला पंचायत अध्यक्ष रजनी भंडारी को प्रशासक नियुक्त न करने के मामले में दायर स्पेशल अपील पर सुनवाई हुई। हाई कोर्ट ने सचिव पंचायतीराज और जिलाधिकारी चमोली को अवमानना का कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

इस मामले में मुख्य न्यायाधीश जी नरेन्द्र एवं न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की खंडपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। मामले के अनुसार याचिकाकर्ता चमोली के जिला पंचायत अध्यक्ष रजनी भंडारी ने हाई कोर्ट की खंडपीठ के समक्ष स्पेशल अपील दायर कर कहा था कि जिला पंचायतों का कार्यकाल पूर्व में समाप्त हो गया था। उसके बाद सरकार ने सभी निवर्तमान अध्यक्षों को प्रशासक बना दिया, लेकिन उन्हें प्रशासक नियुक्त नहीं किया। इस पर आपत्ति करने पर सरकार ने कहा कि उनका मुकदमा हाई कोर्ट में विचाराधीन है। इसलिए उन्हें प्रशासक नही बनाया जा सकता। हाई कोर्ट ने 27 मार्च के आदेश का अनुपालन न करने पर सख्त रुख अपनाते हुए सचिव पंचायतीराज व जिलाधिकारी चमोली के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेकर कोर्ट के आदेश का उलंघन करने का दोषी पाते हुए उन्हें अवमानना का कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

कोर्ट ने बीते 27 मार्च को राज्य सरकार से कहा था कि याचिकाकर्ता को शीघ्र प्रशासक का चार्ज दें और उसकी रिपोर्ट 1 अप्रैल तक कोर्ट में पेश करें, लेकिन अभी तक कोर्ट में सरकार ने रिपोर्ट पेश नही की और न ही उनको प्रशासक का चार्ज दिया।

कुमाऊं विवि ने घोषित किए परीक्षा परिणाम

नैनीताल। कुमाऊं विवि ने मंगलवार को शैक्षणिक सत्र 2024 में पंजीकृत एमएससी की विषम सेमेस्टर की मुख्य व बैक परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए हैं। विवि के कुलसचिव डॉ. मंगल सिंह मंद्रवाल की ओर से बताया गया है कि परीक्षा परिणाम विवि की आधिकारिक वेबसाइट केयूनैनीताल डॉट समर्थ डॉट एडु डॉट इन पर उपलब्ध समर्थ स्टूडेंट अकाउंड के माध्यस से अपनी एबीसी आईडी के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं। यह भी बताया कि जिन विद्यार्थियों के परीक्षा आवेदन पत्र तथा परीक्षा आवेदन शुल्क विवि को ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त नहीं हुआ है, उनका परीक्षाफल रोका गया है।

शिक्षा में प्रदेश का अग्रणी जिला बनेगा बलिया: दयाशंकर

बलिया। जिले में स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में किया। इस अवसर पर उन्होंने परिषदीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को निशुल्क पाठ्य पुस्तकें प्रदान किया।

दयाशंकर सिंह ने कहा कि सरकार की मंशा है कि प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले। सरकार इस दिशा में कई कार्य कर रही है। जनपद का प्रत्येक बच्चा शिक्षा अवश्य ग्रहण करे। कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहने पाए। उन्होंने जिला बेसिक शिक्षाधिकारी से कहा कि घर-घर सर्वे कराते हुए बच्चों का नामांकन विद्यालयों में कराया जाए। इस पर विशेष ध्यान दिया जाए। कोई भी बच्चा नामांकन से छूटने न पाए। उन्होंने कहा कि किसी देश व समाज के लिए शिक्षा बहुत ही जरूरी है। शिक्षा से ही देश व समाज आगे बढ़ता है। परिवहन मंत्री ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से जनप्रतिनिधियों व गणमान्य व्यक्तियों से वार्ता कर विद्यालय गोद देने को कहा। जिले के बहुत से लोग समाज के लिए बहुत कुछ करना चाहते हैं। इससे विद्यालयों में और आधारभूत सुविधाएं विकसित होंगी तथा बच्चों को शिक्षा के लिए और बेहतर वातावरण भी मिलेगा।

उन्होंने कहा कि आगामी बलिया महोत्सव में जनपद के विभूतियों, जो अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर जनपद का नाम रोशन कर रहे हैं, उन सभी को आमंत्रित किया जाएगा। बलिया वीरों की भूमि है। समय-समय पर यहां के लोगों ने देश व समाज के लिए आगे बढ़कर कार्य किया है।

विक्रम संवत अन्य प्रचलित सभी संवतों में सबसे ज्यादा प्रमाणित: सुरेंद्र

मुरादाबाद। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अर्जुन नगर के तत्वाधान में मंगलवार को पथ संचलन किया गया। सरस्वती शिशु मंदिर बनवटा गंज में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में आरएसएस के विभाग संघचालक सुरेन्द्र ने विक्रम संवत के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि विक्रम संवत अन्य प्रचलित सभी संवतों में सबसे ज्यादा प्रमाणित संवत है। इसमें तिथि समय और काल गणना का सटीक आकलन होता है।

विभाग संघचालक ने आगे कहा कि आज आधुनिकता और मशीनी युग में भी हिंदू पंचांग का महत्व यथावत है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार का जन्मदिन भी चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन हुआ था। युवा भारतीय संस्कृति और विचार के संवाहक हैं। स्वयंसेवकों का निःस्वार्थ भाव से राष्ट्र सेवा का भाव और आचरण देश को नई दिशा देने का काम कर रहा है। कार्यक्रम में प्रांत व्यवस्था प्रमुख अजय गोयल सुंगध, महानगर व्यवस्था प्रमुख विकास गोयल, उप्र गौसेवा आयोग के सदस्य दीपक गोयल, नगर संघचालक सुबोध अग्रवाल, भाग प्रचारक मनीष, भाग कार्यवाह विवेक भटनागर, अनिल गोयल, अजय गुप्ता एडवोकेट, राहुल दीपक, पौरुष जैन, धैर्य, उज्ज्वल अमोल, अनिल सक्सेना, सूर्य कांत कृष्णा सहित अन्य विभिन्न स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर कर्मचारियों ने निकाली रैली

पौड़ी गढ़वाल। मंगलवार को राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली मोर्चा व नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम द्वारा एजेंसी चौक से डीएम कार्यालय तक रैली निकाली।

इस दौरान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जयदीप रावत, प्रदेश महासचिव सीताराम पोखरियाल, संजय नेगी, रेवतीनंदन डंगवाल ने कहा कि एक दिन का विधायक और सांसद भी पुरानी पेंशन ले रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक देश एक चुनाव, एक संविधान एक निशान जैसी बातों से देश को आगे बढ़ाने की बात करते हैं वहीं कर्मचारियों को पुरानी पेंशन से वंचित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब तक कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाल नहीं होती, तब तक कर्मचारियों का विरोध जारी रहेगा। वहीं, नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम ने भी रामलीला मैदान से डीएम कार्यालय तक रैली निकालकर जल्द पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग की।

इस मौके पर नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम जिलाध्यक्ष अनूप जदली, जिला सह प्रभारी राजी नेगी, केके राज, संतु दास, देवेश सुंद्रियाल, रनिता विश्वकर्मा आदि शामिल थे।

भरी अदालत में गवाही दे रहे युवक को गोली मारने वाले को राहत नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जिला शाहजहांपुर की जिला अदालत में गवाही के दौरान युवक को गोली मारने वाले को राहत देने से इंकार कर दिया। कोर्ट ने सत्र न्यायालय द्वारा आईपीसी की धारा 307 के तहत सुनाई गई आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखते हुए 39 साल बाद अभियुक्त को फिर से जेल भेजने का आदेश दिया है।

कोर्ट ने कहा है कि दोषी 1993 से जमानत पर है। लिहाजा, उसके जमानत बांड रद्द कर उसे तीन सप्ताह में सम्बंधित न्यायालय के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया जाता है। यह आदेश न्यायमूर्ति विवेक कुमार बिरला और न्यायमूर्ति अजहर हुसैन इदरीशी की खंडपीठ ने गेंदन लाल की अपील को खारिज करते हुए दिया है। कोर्ट ने कहा कि घटना दिनदहाड़े चलती अदालत के अंदर हुई थी। जब पीठासीन अधिकारी के समक्ष बयान दर्ज किए जा रहे थे। ट्रायल कोर्ट द्वारा इसमें अधिकतम सजा दी गई है, जो कि सही है। मामला जिला शाहजहांपुर के थाना कटरा के अंतर्गत खरकरी गांव का है। दो पक्षों के बीच चल रही रंजिश के मामले में 16 जून 1986 की दोपहर साढ़े बारह बजे सत्र न्यायालय में गवाही चल रही थी। अपीलार्थी गेंदन लाल ने अपने मौसेरे भाई करन लाल के इशारे पर गवाही दे रहे अपने विरोधी राम भरोसे लाल पर 315 बोर के देशी तमंचे से फायर कर दिया। गोली उसके शरीर में लगी। वह घायल हो गया। गेंदन लाल को पांच जिंदा कारतूसों के साथ गिरफ्तार कर लिया गया।

यात्रा व्यवस्थाओं को परखने यमुनोत्री धाम पहुंचे मुख्य विकास अधिकारी

उत्तरकाशी। आगामी चारधाम यात्रा को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद दिखाई देने लगा है। यात्रा व्यवस्थाओं को चाक- चौबंद व सुगम बनाये जाने को लेकर मंगलवार को मुख्य विकास अधिकारी एसएल सेमवाल ने यमुनोत्री धाम पहुंचकर यात्रा मार्गों में पेयजल, शौचालय, साफ-सफाई, रैलिंग साइड, मार्ग सुधारीकरण आदि यात्रा व्यवस्था से जुड़ी व्यवस्थाओं को परखा। उन्होंने सम्बंधित विभाग लोनिवि, जिला पंचायत, पर्यटन, नगर पंचायत आदि विभागों के अधिकारियों को युद्ध स्तर यात्रा व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए।

गौरतलब है कि इसी माह 30 अप्रैल अक्षय तृतीया के पावन पर विश्व प्रसिद्ध गंगोत्री व यमुनोत्री धाम के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए जायेगें। इस दौरान उपजिलाधिकारी बड़कोट बृजेश जेश तिवारी, परियोजना निदेशक डीआरडी अजय सिंह, खंड विकास अधिकारी नौगांव प्रकाश पंवार, सहित अन्य विभागीय अधिकारियों मौजूद रहे। इधर गंगोत्री यात्रा व्यवस्थाओं के जायजा लेने अपर जिलाधिकारी पी एल शाह ने हीना पार्किंग स्थल का निरीक्षण करते हुए एंट्री तथा एग्जिट गेट से वाहनों की व्यवस्थित व निर्बाध आवाजाही का प्रबंध किए जाने के साथ ही पार्किंग स्थल पर वाहनों की संख्या और आकार का ध्यान रख पार्किंग के इंतजाम किए जाने के निर्देश दिए।

अपर जिलाधिकारी ने अधिकारियों के साथ पार्किंग स्थल के प्रबंधन को लेकर विचार-विमर्श करते हुए पार्किंग स्थल में पानी और बिजली की समुचित आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा यात्री सुविधाओं से जुड़े सभी इंतजामों को चाक-चौबंद किये जाने की अपेक्षा की। उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं की उचित व्यवस्था के लिए हेल्थ स्क्रीनिंग हेतु पार्किंग स्थल में उपयुक्त स्थान सुनिश्चित करने की भी हिदायत दी। निरीक्षण के दौरान सीएमओ डॉ. बी.एस. रावत, पुलिस उपाधीक्षक जनक पंवार, अधिशासी अभियंता जिला विकास प्राधिकरण विनीत रस्तोगी, जिला पर्यटन विकास अधिकारी के.के. जोशी सहित अनेक अधिकारी उपस्थित रहे।

साफ-सफाई एवं प्रत्येक बच्चे के नामांकन के लिए दृढ़ संकल्पित होना जरूरी: जिलाधिकारी

कानपुर। स्कूल चलो अभियान, विशेष संचारी रोग नियंत्रण और दस्तक अभियान से सम्बन्धित कार्यक्रम का आयोजन कंपोजिट विद्यालय कन्या, मसवानपुर में किया गया। कार्यकम का शुभारंभ मंगलवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। यह जानकारी बेसिक शिक्षा अधिकारी सुरजीत सिंह ने दी।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि बच्चों को वर्तमान सत्र के लिए निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण किया गया। साथ ही नव वर्ष में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों में से दो बच्चों अनामिका कश्यप और अंश सविता से संबंधित सूचनाओं का अंकन प्रवेश पंजिका पर अपने हाथ से पंजीकृत कर इन बच्चों को वेलकम किट भी प्रदान की गई। जिलाधिकारी ने जिला मलेरिया अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि संचारी रोग को बढ़ावा देने वाले लोगों को नोटिस देने के साथ-साथ फाइन भी लगाया जाए और उनको दी गई नोटिस को सार्वजनिक भी किया जाए, जिससे उन्हें स्वच्छता के प्रति संवेदनशील किया जा सके।

जिलाधिकारी ने मंगलवार को विद्यालय में स्थापित लर्निंग बाय डूइंग प्रयोगशाला के उद्घाटन के दौरान सभी उपस्थित बच्चों एवं जनसमूह को संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान संबंधी शपथ दिलाते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि लोगों को घर एवं आस-पास की साफ-सफाई एवं प्रत्येक बच्चे के नामांकन के लिए दृढ़ संकल्पित होने के लिए प्रेरित किया। एलबीडी लैब के अधिकतम प्रयोग एवं शिक्षा में व्यावसायिक दृष्टिकोण के समावेश पर बल दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि लोग यह शपथ लें कि वे अपने घरों के 100 मीटर की परिधि में किसी भी प्रकार के जल को एकत्रित नहीं होने देंगे और ना ही इस परिधि में किसी बच्चे को अशिक्षित रहने देंगे।

जिलाधिकारी द्वारा स्कूल चलो अभियान और संचारी रोग जागरूकता संबंधी रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। विद्यालय की रैली में बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और लोगों को संचारी रोग से बचाव की अपील की। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में संचारी रोग नियंत्रण अभियान 1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक वृहद स्तर पर चलाया जाएगा इस दौरान 10 अप्रैल से 20 अप्रैल तक दस्तक अभियान भी चलाया जाएगा, जिसके अंतर्गत आशा, आंगनबाड़ी कार्यकत्री घर-घर जाकर संचारी रोगों के प्रति लोगों को जागरूक करेंगी ।

इस मौके पर मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक कानपुर मंडल राजेश वर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरिदत्त नेमी, बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला पंचायती राज अधिकारी मनोज पटेल, जिला कार्यक्रम अधिकारी सहित अनेक शिक्षक, गण्यमान्य नागरिक व बच्चें उपस्थित रहें।

ये हैं संचारी रोग

संचारी रोगों के अंतर्गत मलेरिया, डेंगू, टाइफाइड, चेचक, इनफ्लुएंजा, डायरिया, चिकनगुनिया, दिमागी बुखार आते हैं।

ये है संचारी रोग से बचाव के उपाय

घरों या उसके आसपास पानी को जमा होने से रोकना, बार-बार हाथ धोना, मांस, अंडे और अन्य वस्तुओं को अच्छी तरह से पकाना, खराब खाना खाने से बचना, घर में सतहों की सफाई (विशेष रूप से दरवाजे के हैंडल और भोजन क्षेत्र), फोन जैसे व्यक्तिगत गैजेट को कीटाणुरहित करना, उचित स्वच्छता के साथ भोजन तैयार करना, जंगली जानवरों से दूर रहना और समय पर वैक्सीन लेना संचारी रोगों से बचने के कारगर उपाय हैं।

संक्षिप्त खबरें

महिंद्रा एंड महिंद्रा की घरेलू यात्री वाहनों की बिक्री मार्च 18% बढ़कर 48,048 इकाई

मुंबई। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड की मार्च में घरेलू यात्री वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 18 प्रतिशत बढ़कर 48,048 इकाई हो गई, जबकि मार्च 2024 में यह 40,631 वाहन रही थी। महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) ने बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कुल घरेलू यात्री वाहनों (पीवी) की बिक्री 5,51,487 इकाई रही जो 2023-24 के 4,59,877 वाहनों से 20 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने कहा कि मार्च में उसकी कुल पीवी बिक्री 50,835 इकाई रही, जिसमें निर्यात भी शामिल है। वाणिज्यिक वाहनों की घरेलू बिक्री पिछले महीने 23,951 इकाई रही। एमएंडएम के अध्यक्ष (ऑटोमोटिव डिवीजन) के वीजय नाकरा ने कहा कि हमने अपनी इलेक्ट्रिक एसयूवी की आपूर्ति भी शुरू कर दी है, जहां हमें मजबूत मांग की गति देखने को मिल रही है। साल का अंत बहुत ही सकारात्मक रहा, क्योंकि कंपनी ने पहली बार घरेलू बाजार में पांच लाख से अधिक एसयूवी बेचीं। इस बीच महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड की निर्यात सहित कुल ट्रैक्टर बिक्री मार्च में सालाना आधार पर 34 प्रतिशत बढ़कर 34,934 इकाई हो गई। कंपनी ने मार्च 2024 में 26,024 ट्रैक्टर बेचे थे। बयान के अनुसार, मार्च 2025 में घरेलू बिक्री 32,582 इकाई रही जो पिछले साल इसी महीने के बेचे गए 24,276 ट्रैक्टर से 34 प्रतिशत अधिक है। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के कृषि उपकरण क्षेत्र के अध्यक्ष हेमंत सिक्का ने कहा कि मौसम की अनुकूल स्थिति, जलाशयों के अच्छे स्तर, मजबूत रबी परिदृश्य और किसानों के लिए सकारात्मक व्यापार शर्तों से ट्रैक्टर उद्योग में अच्छी गति देखी जा रही है। उन्होंने साथ ही बताया कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 (अप्रैल 2024- मार्च 2025) में 12 प्रतिशत की वृद्धि के साथ अपनी अब तक की सबसे अधिक ट्रैक्टर बिक्री हासिल की है।

स्कोडा ऑटो इंडिया ने मार्च में 7,422 इकाइयों की सर्वाधिक मासिक बिक्री की दर्ज

नई दिल्ली। स्कोडा ऑटो इंडिया ने मार्च में 7,422 वाहनों की बिक्री की। भारत में अपने परिचालन के 25 साल पूरे कर रही कंपनी ने कहा कि मार्च में दर्ज की गई बिक्री भारत में स्कोडा ब्रांड की अब तक की सबसे अधिक मासिक बिक्री है। स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड निदेशक पेट्र जेनेबा ने कहा कि मार्च 2025 में हमारी बेची गई 7,422 कारें इस यात्रा के आकार लेने के साथ-साथ भारतीय सड़कों पर यूरोपीय प्रौद्योगिकी लाने के उद्देश्य से किए गए सतत प्रयासों का प्रमाण है

महिंद्रा एंड महिंद्रा की मार्च में ट्रैक्टर बिक्री 34 प्रतिशत बढ़ी

मुंबई। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड की निर्यात सहित कुल ट्रैक्टर बिक्री मार्च में सालाना आधार पर 34 प्रतिशत बढ़कर 34,934 इकाई हो गई। कंपनी ने मार्च 2024 में 26,024 ट्रैक्टर बेचे थे। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने मंगलवार को बयान में कहा, मार्च 2025 में घरेलू बिक्री 32,582 इकाई रही जो पिछले साल इसी महीने के बेचे गए 24,276 ट्रैक्टर से 34 प्रतिशत अधिक है। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के कृषि उपकरण क्षेत्र के अध्यक्ष हेमंत सिक्का ने कहा कि मौसम की अनुकूल स्थिति, जलाशयों के अच्छे स्तर, मजबूत रबी परिदृश्य और किसानों के लिए सकारात्मक व्यापार शर्तों से ट्रैक्टर उद्योग में अच्छी गति देखी जा रही है। उन्होंने साथ ही बताया कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 (अप्रैल 2024- मार्च 2025) में 12 प्रतिशत की वृद्धि के साथ अपनी अब तक की सबसे अधिक ट्रैक्टर बिक्री हासिल की है।

ऑडी इंडिया की बिक्री 2025 की पहली तिमाही में बढ़कर 1,223 इकाई

नई दिल्ली। जर्मनी की लग्जरी कार विनिर्माता कंपनी ऑडी की भारत में जनवरी-मार्च तिमाही में बिक्री सालाना आधार पर 17 प्रतिशत बढ़कर 1,223 इकाई हो गई। कंपनी ने मंगलवार को बयान में कहा, पहली (जनवरी-मार्च) तिमाही की वृद्धि में ऑडी क्यू7 और ऑडी क्यू8 का अहम योगदान रहा। यह प्रदर्शन पिछले वर्ष की वृद्धि के अनुरूप है, जब कंपनी ने भारतीय सड़कों पर कुल एक लाख कारों की बिक्री की उपलब्धि हासिल की थी। ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लों ने कहा कि पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में यह वृद्धि हमारे ग्राहकों के ऑडी ब्रांड और हमारे उत्पाद खंड की ताकत पर विश्वास को दर्शाती है। 2024 में आपूर्ति चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करने के बाद हम भारत में लक्जरी परिवहन की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

रॉयल एनफील्ड की बिक्री मार्च में 34 प्रतिशत बढ़कर 1,01,021 इकाई

नई दिल्ली। मध्यम आकार की मोटरसाइकिल बनाने वाली कंपनी रॉयल एनफील्ड की मार्च में कुल बिक्री 34 प्रतिशत बढ़कर 1,01,021 इकाई हो गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 75,551 इकाई रही थी। रॉयल एनफील्ड ने मंगलवार को बयान में कहा कि घरेलू बिक्री पिछले महीने 88,050 इकाई रही, जो मार्च 2024 की 66,044 इकाई से 33 प्रतिशत अधिक है। निर्यात भी 36 प्रतिशत बढ़कर 12,971 इकाई हो गया, जबकि मार्च 2024 में यह 9,507 इकाई रहा था। कंपनी के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में उसने 10 लाख इकाई का आंकड़ा पार करते हुए अपनी अब तक की सबसे अधिक वार्षिक बिक्री दर्ज की। वित्त वर्ष 2024-25 में उसकी कुल बिक्री 10,09,900 इकाई रही जो वित्त वर्ष 2023-24 की 9,12,732 इकाई से 11 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2024-25 में घरेलू बिक्री 9,02,757 इकाई रही, जो वित्त वर्ष 2023-24 की 8,34,795 इकाई से आठ प्रतिशत अधिक है। निर्यात भी सालाना आधार पर 37 प्रतिशत बढ़कर 1,07,143 इकाई हो गया। रॉयल एनफील्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं आयशर मोटर्स के प्रबंध निदेशक बी. गोविंदराजन ने कहा कि यह वर्ष रॉयल एनफील्ड के लिए बेहतरीन रहा है। वार्षिक बिक्री में 10 लाख का आंकड़ा पार करना इस बात का प्रमाण है कि हमने क्या कुछ हासिल किया है।

डिजिटल भुगतान में भारत को वैश्विक अग्रणी बनाने में RBI की भूमिका अहम: राष्ट्रपति

नई दिल्ली/मुंबई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को कहा कि 'विकसित भारत 2047' का मिशन एक ऐसे वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र की मांग करता है, जो नवोन्मेषी, अनुकूलनीय और सभी के लिए सुलभ हो। उन्होंने कहा कि आरबीआई ने भारत को डिजिटल भुगतान में वैश्विक अग्रणी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुंबई में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की 90वीं वर्षगांठ के समापन समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि केंद्रीय बैंक के रूप में आरबीआई भारत की अविश्वसनीय विकास गाथा के केंद्र में है।

आरबीआई की पिछले 90 वर्ष की उल्लेखनीय यात्रा की सराहना करते हुए उन्होंने इस बात जोर दिया कि सभी के वास्ते सुलभ वित्तीय परिवेश तंत्र 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक ने भारत को डिजिटल भुगतान में वैश्विक अग्रणी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि मौद्रिक और वित्तीय स्थिरता के संरक्षक के रूप में आरबीआई इस यात्रा में एक निर्णायक भूमिका निभाएगा जिसमें एक सुदृढ़ बैंकिंग प्रणाली सुनिश्चित करना, वित्तीय नवाचार को बढ़ावा देना और हमारे वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र में विश्वास की रक्षा करना शामिल है।

राष्ट्रपति ने कहा कि आरबीआई न केवल बदलते समय के साथ विकसित हुआ है, बल्कि भारत के वित्तीय परिवर्तन का एक प्रमुख वास्तुकार भी रहा है। मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने और वित्तीय समावेशन को मजबूत करने से लेकर मौद्रिक स्थिरता बनाए रखने और मजबूत आर्थिक विकास को सक्षम करने तक, देश की आर्थिक नियति को आकार देने में इसकी भूमिका मौलिक रही है। उन्होंने आगे कहा कि प्रौद्योगिकी के तेजी से विकास के साथ वित्तीय धोखाधड़ी और साइबर खतरों का जोखिम भी बढ़ रहा है। इस बढ़ती चिंता के लिए निरंतर सतर्कता की जरूरत है। इसके लिए आरबीआई सक्रिय कदम उठा रहा है, सुरक्षा उपायों को मजबूत कर रहा है और सुरक्षित बैंकिंग वातावरण सुनिश्चित कर रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि आरबीआई ने पिछले कुछ वर्षों में नाबार्ड, आईडीबीआई, सिडबी और राष्ट्रीय आवास बैंक जैसी प्रमुख संस्थाओं की स्थापना करके देश की वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत किया है। राष्ट्रपति ने कहा कि रिजर्व बैंक देश में सबसे महत्वपूर्ण संस्थानों में से एक के रूप में उभरा है। उन्होंने बताया कि एक आम आदमी या महिला का आरबीआई से कोई सीधा संपर्क नहीं होता है, सिवाय उनके जेब में रखे नोटों पर छपे आरबीआई के नाम के, लेकिन अप्रत्यक्ष रूप से उनके सभी वित्तीय लेन-देन रिजर्व बैंक के जरिए ही नियंत्रित होते हैं। उन्होंने कहा कि नौ दशकों में रिजर्व बैंक की सबसे बड़ी उपलब्धि यह भरोसा है। उन्होंने कहा कि 1990 के दशक में आर्थिक उदारीकरण से लेकर कोरोना महामारी तक प्रमुख चुनौतियों के प्रति आरबीआई की त्वरित प्रतिक्रियाओं ने सुनिश्चित किया है कि भारत की वित्तीय प्रणाली किसी भी प्रतिकूल अंतरराष्ट्रीय प्रवृत्तियों का सामना करने में लचीली बनी रहे।

आरबीआई विनियामक ढांचे को लचीला बनाएगा: गवर्नर

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने वित्तीय स्थिरता और दक्षता के बीच संतुलन कायम करने के लिए विनियामक ढांचे को लचीला बनाने के साथ-साथ उपभोक्ता संरक्षण को मजबूत करने की केंद्रीय बैंक की प्रतिबद्धता का मंगलवार को उल्लेख किया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की 90वीं वर्षगांठ के समापन समारोह में उन्होंने कहा कि इसे एक उपलब्धि समझते हुए हम मानते हैं कि आरबीआई की भूमिका प्रारंभिक लक्ष्यों से कहीं अधिक महत्वपूर्ण रूप से विस्तारित हुई है। उन्होंने कहा कि आज हम परंपरा व परिवर्तन के संगम पर खड़े हैं जहां मूल्य स्थिरता, वित्तीय स्थिरता तथा आर्थिक वृद्धि की अनिवार्यताएं तेजी से बढ़ती प्रौद्योगिकी, वैश्विक अनिश्चितताओं, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों और बढ़ती सार्वजनिक अपेक्षाओं के साथ जुड़ती हैं। गवर्नर ने कहा कि अगला दशक भारतीय अर्थव्यवस्था के वित्तीय ढांचे को आकार देने में महत्वपूर्ण साबित होगा।

आरबीआई वित्तीय समावेश को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हम ग्राहक सेवाओं में निरंतर सुधार तथा उपभोक्ता संरक्षण को मजबूत करने की संस्कृति को बढ़ावा देने का प्रयास करेंगे। हमारा प्रयास वित्तीय स्थिरता व दक्षता के हितों को संतुलित कर हमारे नियामक ढांचे को लचीला बनाना होगा। हम प्रौद्योगिकी व नवाचार का समर्थन करना जारी रखेंगे। हम सतर्क, लचीले और दूरदर्शी बने रहेंगे। मल्होत्रा ने इस बात पर जोर दिया कि आरबीआई सभी हितधारकों, सरकारों और वित्तीय क्षेत्र के नियामकों के साथ प्रभावी ढंग से सहयोग करना जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि आरबीआई वित्तीय प्रणाली में सुधार के लिए हर संभव प्रयास करेगा। इसके लिए इसकी पहुंच का विस्तार करेगा, इसकी दक्षता बढ़ाएगा और उभरते आर्थिक परिदृश्य में इसके लचीलेपन को बढ़ाएगा। गवर्नर ने कहा कि भले ही हम नई प्रौद्योगिकियों और आधुनिक विनियामक दृष्टिकोणों को अपना रहे हों, लेकिन ईमानदारी, पारदर्शिता व सार्वजनिक सेवा के प्रति प्रतिबद्धता हमारा मार्गदर्शन करती रहेंगी। भारत के लोगों का केंद्रीय बैंक पर जो भरोसा है, वह हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है। हम इसे बनाए रखने तथा आने वाले वर्षों में इसे और मजबूत बनाने का दृढ़ संकल्प रखते हैं।

उन्होंने कहा कि यह संस्था राष्ट्र की है और आरबीआई लोगों, वित्तीय प्रणाली तथा अर्थव्यवस्था के हितों की पूर्ति करने के लिए संकल्प से प्रेरित होकर प्रत्येक निर्णय लेता रहेगा। मल्होत्रा ने कहा कि हम वर्ष भर चले इस समारोह का समापन कर रहे हैं और अपने शताब्दी दशक में प्रवेश कर रहे हैं। हम आत्मविश्वास, दृढ़ संकल्प तथा स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ रहे हैं। आगे की यात्रा में निरंतर अनुकूलन, नयी सोच व नवाचार, सहयोग व समन्वय तथा उत्कृष्टता और पूर्णता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक सभी चुनौतियों का सामना करने और भारत की आर्थिक प्रगति में तत्परता से तथा मजबूती से योगदान देने के लिए सभी अवसरों का लाभ उठाने को पूरी तरह से तैयार है।

NTPC का बिजली उत्पादन बीते वित्त वर्ष 4% बढ़कर 438.6 अरब यूनिट पर पहुंचा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनटीपीसी समूह का बिजली उत्पादन 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष में 3.88 प्रतिशत बढ़कर 438.6 अरब यूनिट पर पहुंच गया। इससे पिछले, वित्त वर्ष 2023-24 में समूह का बिजली उत्पादन 422.2 अरब यूनिट रहा था। कंपनी ने मंगलवार को बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान समूह ने कुल 3,972 मेगावाट की क्षमता जोड़ी। इसके साथ इसकी स्थापित क्षमता करीब 80 गीगावाट (एक गीगावाट बराबर 1,000 मेगावाट) हो गई है। एनटीपीसी समूह ने एक बयान में कहा कि 80 गीगावाट की परिचालन क्षमता के अलावा 32 गीगावाट क्षमता निर्माणाधीन है। इसमें 15 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता है। कंपनी का लक्ष्य 2032 तक 60 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करना है। बिजली मंत्रालय के तहत आने वाली एनटीपीसी देश की सबसे बड़ी एकीकृत बिजली कंपनी है। यह देश की बिजली जरूरत का एक-चौथाई हिस्सा पूरा करती है।

अमेरिका के जवाबी शुल्क से पहले सेंसेक्स 1,390 अंक टूटा, निफ्टी भी 354 अंक के नुकसान में

मुंबई। शेयर बाजार में नये वित्त वर्ष के पहले दिन बड़ी गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स 1,390 अंक का गोता लगा गया। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 354 अंक टूटा। अमेरिका के दो अप्रैल से जवाबी शुल्क लगाये जाने से पहले जारी अनिश्चितता के बीच सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) तथा निजी बैंक शेयरों में बिकवाली से बाजार नुकसान में रहा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,390.41 अंक यानी 1.80 प्रतिशत लुढ़क कर 76,024.51 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सूचकांक एक समय 1,502.74 अंक तक का गोता लगा गया था। सेंसेक्स के तीस शेयरों में 28 नुकसान में रहे। केवल दो में लाभ रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 353.65 अंक यानी 1.50 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,165.70 अंक पर बंद हुआ। दोनों मानक सूचकांकों में यह एक महीने में एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दो अप्रैल से जवाबी शुल्क लगाने की योजना है। उन्होंने इसे अमेरिका के लिए 'मुक्ति दिवस' करार दिया है। सेंसेक्स के शेयरों में एचसीएल टेक, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, सन फार्मा, टाइटन, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, लार्सन एंड टुब्रो, टेक महिंद्रा और एनटीपीसी में सबसे ज्यादा गिरावट रही। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में इंडसइंड बैंक पांच प्रतिशत से अधिक चढ़ा, जबकि जोमैटो मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, कि अमेरिकी जवाबी शुल्क की घोषणा से पहले वैश्विक अस्थिरता के बीच, घरेलू बाजार में आज भारी बिकवाली देखी गई। महाराष्ट्र में रेडी रेकनर दरों (सर्किल रेट) में वृद्धि के बाद रियल एस्टेट कंपनियों के शेयरों में गिरावट आई।मझोली कंपनियों से जुड़ा बीएसई मिडकैप 1.04 प्रतिशत टूटा, जबकि छोटी कंपनियों से संबंधित स्मॉलकैप मामूली 0.07 प्रतिशत चढ़ा। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त में रहे। यूरोप के बाजारों में तेजी का रुख रहा। अमेरिकी बाजारों में सोमवार को ज्यादातर में तेजी रही थी। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुद्ध रूप से 4,352.82 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। शेयर बाजार सोमवार को 'ईद-उल-फितर' के मौके पर बंद थे।

विमान ईंधन, वाणिज्यिक LPG सिलेंडर के दाम घटे

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की खुदरा ईंधन कंपनियों ने विमान ईंधन और वाणिज्यिक सिलेंडर के दाम में मंगलवार को कटौती की। एटीएफ के दाम में 6.1 प्रतिशत की बड़ी कटौती की गयी जबकि होटल और रेस्तरां में उपयोग किये जाने वाले 19 किलोग्राम के वाणिज्यिक सिलेंडर कीमत 41 रुपये घटाई गई है। सार्वजनिक क्षेत्र की खुदरा ईंधन कंपनियों के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमत 5,870.54 रुपये प्रति किलोलीटर यानी 6.15 प्रतिशत घटकर 89,441.18 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है।

दिल्ली हवाई अड्डा देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक है। इससे पहले, फरवरी से एटीएफ के दाम में वृद्धि की गयी थी। इस कटौती के बाद मुंबई में एटीएफ की कीमत 83,575.42 रुपये हो गई, जबकि चेन्नई और कोलकाता में इनकी कीमत क्रमशः 92,503.80 रुपये और 91,921 रुपये प्रति किलोलीटर कर दी गई। पेट्रोलियम कंपनियों ने राष्ट्रीय राजधानी में वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत भी 41 रुपये घटाकर 1,762 रुपये प्रति 19 किलोग्राम सिलेंडर कर दी। यह कटौती एक मार्च को प्रति सिलेंडर छह रुपये की बढ़ोतरी के बाद की गई है। मुंबई में अब वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत 19 किलोग्राम सिलेंडर के लिए 1,713.50 रुपये, कोलकाता में 1,868.50 रुपये और चेन्नई में 1,921.50 रुपये है।

मूल्य वर्धित कर सहित स्थानीय करों के आधार पर एटीएफ और एलपीजी की कीमतें अलग-अलग राज्यों में भिन्न-भिन्न होती हैं। हालांकि, घरों में इस्तेमाल होने वाली रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है और यह 803 रुपये प्रति 14.2 किलोग्राम सिलेंडर पर अपरिवर्तित है। सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. हर महीने की पहली तारीख को अंतरराष्ट्रीय ईंधन की औसत मानक कीमत और विदेशी विनिमय दर के औसत मूल्य के आधार पर एटीएफ और रसोई गैस की कीमतों में संशोधन करती हैं। पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं।

भारत की वृद्धि दर उन्नत और उभरते जी-20 देशों में सबसे अधिक रहेगी: मूडीज

नई दिल्ली। भारत की वृद्धि दर कर उपायों व निरंतर मौद्रिक सहजता के दम पर चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 6.5 प्रतिशत रहेगी जो कि जी-20 देशों में सबसे अधिक होगी। साथ ही देश पूंजी आकर्षित करना जारी रखेगा और किसी भी विदेशी निकासी को झेल सकेगा। मूडीज रेटिंग्स ने उभरते बाजारों पर मंगलवार को जारी अपनी रिपोर्ट में कहा कि अमेरिकी नीतियों के मंथन तथा वैश्विक पूंजी प्रवाह, आपूर्ति श्रृंखलाओं, व्यापार व भू-राजनीति को नया आकार देने की उसकी क्षमता के कारण ऐसी अर्थव्यवस्थाओं पर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं। हालांकि, बड़े उभरते बाजारों के पास इससे निपटने के लिए संसाधन हैं।

रिपोर्ट में कहा गया, सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में आर्थिक गतिविधि उच्च स्तरों से थोड़ी धीमी हो जाएगी, लेकिन इस साल और अगले साल मजबूत रहेगी। चीन में, बुनियादी ढांचे और प्राथमिकता वाले उच्च प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में निर्यात तथा निवेश वृद्धि के मुख्य चालक बने हुए हैं, जबकि घरेलू खपत कमजोर बनी हुई है। मूडीज ने कहा कि कर उपायों और निरंतर (मौद्रिक) सहजता से समर्थित, भारत की वृद्धि उन्नत तथा उभरते जी-20 देशों में सबसे अधिक रहेगी।

रेटिंग एजेंसी ने साथ ही भारत में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 6.5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है, जो 2024-25 में 6.7 प्रतिशत से कम है। उसने मुद्रास्फीति के औसतन 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया, जो गत वित्त वर्ष में 4.9 प्रतिशत थी। मूडीज ने साथ ही कहा कि अमेरिकी नीतियों में अनिश्चितता से पूंजी निकासी का जोखिम बढ़ेगा, लेकिन भारत तथा ब्राजील जैसे बड़े उभरते बाजार अपनी बड़ी और घरेलू रूप से उन्मुख अर्थव्यवस्थाओं, बड़े घरेलू पूंजी बाजारों, मध्यम नीति विश्वसनीयता व पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार के दम पर ऐसी परिस्थितियों में वैश्विक पूंजी को आकर्षित करने और बनाए रखने के लिए बेहतर स्थिति में हैं। रिपोर्ट में कहा गया, उभरते बाजारों की वृद्धि 2025-26 में कुल मिलाकर धीमी लेकिन दृढ़ रहेगी, जिसमें प्रत्येक देश की स्थिति के अनुरूप व्यापक अंतर होगा। एशिया-प्रशांत में वृद्धि सबसे अधिक रहेगी, लेकिन वैश्विक व्यापार में इस क्षेत्र के एकीकरण का मतलब है कि यह अमेरिकी शुल्क और वृद्धि को धीमा करने की उनकी क्षमता के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील है। जी20 अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग का एक प्रमुख मंच है जिसके 20 सदस्य देश हैं।

कोल इंडिया का वित्त वर्ष 2024-25 में कोयला उत्पादन 78.1 करोड़ टन रहा, लक्ष्य से चूकी सीआईएल

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में 78.11 करोड़ टन कोयले का उत्पादन किया। यह कंपनी के वित्त वर्ष को लेकर तय किए गए लक्ष्य से लगभग सात प्रतिशत कम रहा। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सीआईएल का कोयला उत्पादन लक्ष्य 83.8 करोड़ टन था।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि हालांकि समीक्षाधीन अवधि में उसका कोयला उत्पादन सालाना आधार पर एक प्रतिशत बढ़ा है। वहीं सीआईएल का कोयला उत्पादन मार्च में एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले 3.1 प्रतिशत घटकर 8.58 करोड़ टन रह गया। वित्त वर्ष 2023-24 के इसी महीने में कंपनी का कोयला उत्पादन 8.86 करोड़ टन रहा था। कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनियों में सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड , वेस्टर्न

कोलफील्ड्स लिमिटेड और साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड शामिल हैं। घरेलू उत्पादन में कोल इंडिया की हिस्सेदारी 80 फीसदी से अधिक है। वित्त वर्ष 2023-24 में कोल इंडिया ने सालाना आधार पर 11 प्रतिशत वृद्धि के साथ 77.36 करोड़ टन कोयला उत्पादन किया था।

कोल इंडिया लिमिटेड ने पहले ही कहा था कि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए वास्तविक उत्पादन लक्ष्य 83.8 करोड़ टन से घटकर 80.6-81 करोड़ टन रहेगा। कंपनी ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 86.8 करोड़ टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य रखा है।

जीएसटी संग्रह मार्च में लगभग 10 प्रतिशत बढ़कर 1.96 लाख करोड़ रुपये से अधिक

नई दिल्ली। सकल जीएसटी संग्रह मार्च में 9.9% बढ़कर 1.96 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है, जो अब तक का दूसरा सबसे बड़ा संग्रह है। मंगलवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। घरेलू लेनदेन से माल एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व 8.8% बढ़कर 1.49 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि आयातित वस्तुओं से राजस्व 13.56% बढ़कर 46,919 करोड़ रुपये रहा। सकल संग्रह में 38,145 करोड़ रुपये का केंद्रीय जीएसटी संग्रह, 49,891 करोड़ रुपये का राज्य जीएसटी संग्रह और 95,853 करोड़ रुपये का एकीकृत जीएसटी शामिल है। मार्च के दौरान उपकर संग्रह 12,253 करोड़ रुपये रहा। मार्च में कुल रिफंड 41% बढ़कर 19,615 करोड़ रुपये हो गया। रिफंड समायोजित करने के बाद, मार्च 2025 में शुद्ध जीएसटी राजस्व 1.76 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा, जो सालाना आधार पर 7.3% की वृद्धि है। अप्रैल, 2024 में जीएसटी संग्रह 2.10 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था। डेलॉयट इंडिया के साझेदार एम एस मणि ने कहा कि मार्च के लिए सकल जीएसटी संग्रह में 9.9% की वृद्धि व्यवसायों द्वारा साल के अंत में बिक्री को बढ़ावा देने के प्रभाव को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि यह देखना बहुत उत्साहजनक है कि यह कोई एकमात्र मामला नहीं है, क्योंकि संग्रह में हर महीने लगातार वृद्धि देखी गई है, जो वार्षिक सकल जीएसटी संग्रह में 9.4% की वृद्धि से परिलक्षित होती है।

पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने किया पिंक बूथों और बहुउद्देश्यीय भवन का लोकार्पण

गौतमबुद्धनगर। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक प्रशान्त कुमार ने पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में नवनिर्मित पिंक बूथों, पुलिस चौकी, वीडियों वॉल और बहुउद्देशीय भवन का लोकार्पण किया। सेक्टर-108 स्थित पुलिस कमिश्नरेट कार्यालय पर मंगलवार दोपहर लोकार्पण कार्यक्रम हुआ। इस मौके पर गौतमबुद्धनगर के सांसद डॉ. महेश शर्मा, दादरी के विधायक तेजपाल सिंह नागर, जेवर के विधायक धीरेन्द्र सिंह, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. रवि कुमार एमजी, नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश कुमार, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा व यामाहा मोटर्स के कॉर्पोरेट डायरेक्ट अत्युशी नागाशिमा व गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट के पुलिस अधिकारी व पुलिसकर्मी मौजूद रहे। इस अवसर पर गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट की पुलिस आयुक्त ने गौतमबुद्धनगर में किए गए पुलिस सुधार तथा साइबर क्राइम व इंटरनेशनल लेवल पर हुए आयोजनों में पुलिस की भूमिका पर एक संक्षिप्त प्रजेंटेशन भी दिया।

कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान पुलिस महानिदेशक प्रशान्त कुमार और पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने नन्हें परिंदे कार्यक्रम के बच्चों से भेंट की। इस दौरान उन्होंने उनके उज्जवल भविष्य की कामना कर उपहार दिए और ऐसे संस्थानों की सराहना की साथ ही समाज को जरूरतमंद बच्चों के कल्याण हेतु सहयोग देने के लिए प्रेरित किया।

लोकार्पण समारोह में महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण की दिशा में किए गए नवाचारों की सराहना की गई। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि नोएडा एक हाईटेक शहर है, जहां महिलाएं देर रात तक काम करती हैं। पिंक बूथों के माध्यम से महिलाओं को अपनी सुरक्षा के लिए एक सुरक्षित और भरोसेमंद मंच मिलेगा। ये बूथ महिलाओं को बिना किसी डर के अपनी शिकायतें दर्ज करने में मदद करेंगे। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर लक्ष्मी सिंह ने पिंक बूथों की स्थापना को महिलाओं की सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। इस कार्यक्रम के तहत 11 पिंक बूथों का लोकार्पण किया गया, जो प्रमुख स्थानों जैसे सेक्टर-104, सेक्टर-52 मेट्रो स्टेशन, गौर सिटी मॉल आदि पर स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा, पुलिस कमिश्नरेट में अपराध नियंत्रण और स्मार्ट पुलिसिंग के लिए वीडियों वॉल की भी व्यवस्था की गई है। यामाहा ग्रुप के सहयोग से 26 थानों में वीडियों वॉल की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिससे पुलिस को अपराधों के डिजिटल साक्ष्य जुटाने में मदद मिलेगी।

पुलिस महानिदेशक ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कमिश्नरेट प्रणाली की स्थापना से पुलिसिंग के नए मानक स्थापित हुए हैं। इससे न केवल अपराधों पर नियंत्रण पाया गया है, बल्कि जनता का पुलिस पर विश्वास भी मजबूत हुआ है। उन्होंने गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट की विशेष भूमिका की सराहना की और पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह को उनके प्रयासों के लिए बधाई दी। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पूरा कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश में पुलिसिंग व्यवस्था में पिछले 8 सालों में काफी बदलाव हुआ है। 2017 में पुलिस महकमे में 2.5 लाख पद खाली थे। पूरी पारदर्शिता के साथ यूपी पुलिस में भर्तियां की गई और अब केवल 50 हजार रिक्तियां ही बची हैं। उन्होंने कहा कि कोविड और कुंभ के दौरान पुलिस ने जो सेवा की वह सारी दुनिया ने देखी है। कोविड में बिना प्रशिक्षण के ही पुलिसकर्मियों ने अपनी सेवाएं दीं। डॉयल-112 में तैनात गाड़ियों ने लोगों के घरों तक सब्जियां और दवाईयां तक पहुंचाई। वहीं हाल ही में प्रयागराज में सम्पन्न हुए महाकुंभ को सफलतापूर्वक मुख्यमंत्री के कुशल निर्देशन में यूपी पुलिस ने सफल कराया। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि महाकुंभ के दौरान सामान्य पुलिसकर्मी के पास केवल सीटी, रस्सी व लाउडलोवर था। 45 दिनों तक 66 करोड़ से ज्यादा श्रद्घालुओं को पूरी सुरक्षा के साथ पुलिस ने स्नान कराया। पुलिस महानिदेशक ने बताया कि पिछले 8 वर्षों में यूपी पुलिस ने 90 हजार से ज्यादा लोगों को सजा दिलवाई है जिनमें 65 अपराधियों को मृत्यु दंड मिला है।

मिशन शक्ति के तहत महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा को मजबूत किया गया है। साथ ही महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों में सजा दिलाने में उत्तर प्रदेश पूरे देश में नम्बर-1 है। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब दस्यु और माफिया मुक्त हो चुका है। कानून व्यवस्था के मजबूत होने के बाद गौतमबुद्घनगर सहित राज्य के दूसरे हिस्सों में निवेश आया है।

वाणिज्यिक इमारत में लगी आग, कई लोग घायल

नोएडा। नोएडा के सेक्टर 20 थाना क्षेत्र में सेक्टर 18 स्थित एक वाणिज्यिक इमारत में मंगलवार दोपहर भीषण आग लग गई। घटना में कई लोग घायल हुए हैं जिन्हें नोएडा के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि नोएडा के सेक्टर 18 स्थित वाणिज्यिक इमारत 'कृष्णा अपरा' के प्रथम मंजिल पर एक प्रॉपर्टी डीलर के कार्यालय में अज्ञात कारणों से आग लग गई।

आग के चलते वहां भगदड़ मच गयी। कुछ लोग आग से बचने के लिए ऊपर से रस्सी के सहारे तथा कुछ खिड़की से बाहर कूद पड़े, जिससे कई लोगों को गंभीर चोट आई। घायलों को उपचार के लिए नोएडा के कैलाश अस्पताल सहित विभिन्न अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

उन्होंने बताया कि इस घटना में विकास (37), किशोर (50), अभिनंदन (30), लक्ष्मी प्रसाद (30), नवनीत सिंह (53), जसविंदर सिंह (38), दुर्गा चंद्र (49), राहुल (34) सहित कई लोग घायल हो गए, जिन्हें अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। कुछ लोगों को सांस लेने में दिक्कत की वजह से अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। उन्होंने बताया कि घायलों में किसी की हालत नाजुक नहीं है। पुलिस अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और मामले की जांच की जा रही है।

सप्तक तलवार और एन थंगराज अदानी आमंत्रण गोल्फ चैंपियनशिप में शीर्ष पर पहुंचे

ग्रेटर नोएडा। श्रीलंका के एन थंगराजा और अपने घरेलू कोर्स पर खेल रहे स्थानीय खिलाड़ी सप्तक तलवार ने मंगलवार को यहां अदानी आमंत्रण गोल्फ चैंपियनशिप के शुरुआती दौर के बाद पांच अंडर 67 का स्कोर बनाकर संयुक्त बढ़त हासिल की।

डेढ़ करोड़ रुपये पुरस्कार राशि वाले इस टूर्नामें में महू के ओम प्रकाश चौहान, दिल्ली के अर्जुन प्रसाद, गुरुग्राम के सुनहित बिश्नोई और बांग्लादेश के मोहम्मद सोमरत सिकदर जेपी ग्रीन्स गोल्फ एंड स्पा रिसॉर्ट में चार अंडर 68 के एक समान स्कोर के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर है।

मौजूदा सत्र के दोनों विजेता युवराज संधू और शौर्य भट्टाचार्य 70 के स्कोर के साथ संयुक्त 10वें स्थान पर हैं। सप्तक एक बोगी के मुकाबले एक ईगल और चार बर्डी लगाने में सफल रहे, जबकि थंगराज ने बोगी रहित खेलते हुए पांच बर्डी जड़े।

सौर ऊर्जा से दौड़ेंगे भविष्य के वाहन, गलगोटिया विश्वविद्यालय में ESVC-3000 फाइनल का आयोजन

ग्रेटर नोएडा। भारत में सस्टेनेबल मोबिलिटी और इनोवेशन को नया आयाम देने वाली इलेक्ट्रिक सोलर व्हीकल चैंपियनशिप (ESVC-3000) रैली सीजन-2 का बहुप्रतीक्षित फाइनल रेस गलगोटिया विश्वविद्यालय में आयोजित हो रहा है।

इस हाई-वोल्टेज मुकाबले में देशभर की शीर्ष सौर-इलेक्ट्रिक वाहन टीमें अपनी तकनीकी दक्षता और रफ्तार का प्रदर्शन करेंगी। यमुना एक्सप्रेसवे पर होने वाली इस अंतिम रेस के लिए चार बेहतरीन टीमें क्वालीफाई कर चुकी हैं। पिंपरी चिंचवड़ कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पुणे की टीम 'सोलारियम', केआईईटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, गाजियाबाद की 'इनक्रेडिबल्स', मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की 'सोलरमोबिल' और सिंहगढ़ कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पुणे की 'स्टेस हाइपरियन' इस प्रतिष्ठित खिताब के लिए आमने-सामने होंगी। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीमों को कई तकनीकी परीक्षणों से गुजरना पड़ा। कुल बीस टीमों ने सुरक्षा, मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल जांच पास की, जबकि उन्नीस टीमों ने एक्सीलरेशन टेस्ट सफलतापूर्वक पूरा किया।

फाइनल तक पहुंचने के लिए गाड़ियों को ब्रेकिंग टेस्ट, हिल क्लाइंबिंग टेस्ट और अन्य कठोर मानकों पर परखा गया। गलगोटिया विश्वविद्यालय के सीईओ डॉ. ध्रुव गलगोटिया ने कहा कि ESVC-3000 की मेजबानी करना हमारे लिए गर्व की बात है। इस प्रतियोगिता ने युवा इंजीनियरों की क्रिएटिविटी और टीम वर्क को प्रदर्शित किया है। यह सिर्फ एक रेस नहीं, बल्कि हरित ऊर्जा के भविष्य की ओर एक बड़ा कदम है।

अब फाइनल रेस के लिए रोमांच अपने चरम पर है। 50 किलोमीटर के कठिन ट्रैक पर टीमें अपनी सौर-इलेक्ट्रिक गाड़ियों की क्षमता को साबित करेंगी। दक्षता, सहनशक्ति और तकनीकी उत्कृष्टता की यह परीक्षा देश में सस्टेनेबल ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी के भविष्य की झलक प्रस्तुत करेगी। विजेताओं की घोषणा कल की जाएगी, जिससे इस रोमांचक प्रतियोगिता का भव्य समापन होगा।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने नोएडा की परियोजना में 2,000 करोड़ रुपये में 275 फ्लैट बेचे

नोएडा। रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने उत्तर प्रदेश के नोएडा में अपनी नई आवासीय परियोजना में 275 घर 2,000 करोड़ रुपये से अधिक में बेचे हैं। कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने पिछले महीने नोएडा के सेक्टर-44 में एक लक्जरी परियोजना 'गोदरेज रिवराइन' पेश की थी। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने कहा कि उसने 'अपनी लक्जरी परियोजना गोदरेज रिवराइन में 2,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के 275 से अधिक घर बेचे हैं। यह परियोजना 6.46 एकड़ में फैली हुई है, जिसमें कई लक्जरी आवासीय इकाइयां शामिल हैं। गोदरेज प्रॉपर्टीज के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) गौरव पांडेय ने कहा कि नोएडा हमारे लिए एक प्रमुख बाजार है और हम आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करने के लिए उत्सुक हैं।

शेयर बाजार में निवेश पर मुनाफे का लालच देकर बुजुर्ग से 14.59 लाख रुपये की ठगी

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा में शेयर बाजार में निवेश पर भारी मुनाफे का लालच देकर साइबर जालसाजों ने एक बुजुर्ग से 14.59 लाख रुपये ऐंठ लिये। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि सेक्टर-137 स्थित एक सोसाइटी में रहने वाले 75 वर्षीय बुजुर्ग ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि पिछले वर्ष 16 दिसंबर को उनके व्हाट्सऐप नंबर पर संदेश आया और संदेश भेजने वाले व्यक्ति ने अपना नाम नवीन पांडेय बताया।

शिकायतकर्ता के मुताबिक, आरोपी ने उनसे शेयर मार्केट में निवेश पर पांच प्रतिशत तक मुनाफा होने का लालच दिया और 18 दिसंबर से 22 जनवरी के बीच उन्होंने जालसाजों के बताए नौ बैंक खातों में कुल 14.59 लाख रुपये भेज दियेए। शिकायतकर्ता ने बताया कि निवेश की हुई रकम एक ऐप पर दिखाई देती थी और जब उन्होंने अपने शेयरों की कीमत 95.35 लाख रुपये देखी तो मुनाफे की रकम निकालने की कोशिश की लेकिन जब वह पैसा नहीं निकाल पाये तो उन्होंने आरोपी पांडेय से संपर्क किया। शिकायतकर्ता के मुताबिक, पांडेय ने उनसे पैसे निकालने के लिए लाभ की 10 प्रतिशत रकम यानी करीब आठ लाख रुपये और जमा कराने के लिए कहा। पुलिस के मुताबित, जब पीड़ित ने पैसा जमा करने से मना कर दिया तो आरोपियों ने उन्हें धमकी देना शुरू कर दिया। साइबर अपराध थाने के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि बुजुर्ग की शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

धूमधाम से मनाया गया राजस्थानी लोक पर्व गणगौर

नोएडा। राजस्थान कल्याण परिषद् नोएडा सनातन धर्म मंदिर सैक्टर-19 में धूमधाम से गणगौर महोत्सव मनाया गया। गणगौर राजस्थान में महिलाओं द्वारा मनाया जाने वाला एक प्रमुख लोक पर्व है। जिसमें विवाहित महिलाओं द्वारा अपने परिवार की मंगल कामना एवं पति की लंबी आयु के लिए गणगौर स्थापना कर पूजा की जाती है। पार्वती को गणगौर प्रतिरूप व शिव को ईशर प्रतिरूप में पूजा की जाती है।

गणगौर ईशर की पूजा होली दहन के अगले दिन से शुरू करके, सोलह दिनों तक महिलाएं सुबह सुबह पूजन करती हैं। कुंवारी लड़कियां भी अच्छा वर एवं अच्छा ससुराल मिले इसके लिए सोलह दिनों तक विधि विधान से गणगौर ईशर का पूजन करती हैं। विधिविधान से पूजा करके गणगौर को अगले साल तक ख़ुशहाली लाने के लिए विदा किया गया। विदाई समारोह में गणगौर की शोभायात्रा मंदिर प्राँगण में निकाली गयी। शोभा यात्रा के बाद भजन संध्या का आयोजन भी किया गया जिसमें में प्रसिद्ध भजन गायक राजेश खण्डेलवाल एवं के सी गुप्ता द्वारा सुंदर सुंदर भजनों द्वारा श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया गया। भजन संध्या के बाद सभी को प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर काफी संख्या में नोएडा के गणमान्य लोग उपस्थित रहे जिनमें राजस्थान कल्याण परिषद् के निवर्तमान अध्यक्ष जुगल किशोर भारती, गणगौर कार्यक्रम के संयोजक दिनेश माहेश्वरी, रंजू माथुर, डॉ लीना चौहान, जी पी केडिया, अनिल अग्रवाल, अंजनी सर्राफ, ओ पी बंसल, प्रकाश ईनाणी, महेंद्र शाह, प्रदीप बजाज, अरविंद बैद, वी एन पारीक, जीवन जैन, अनिल जैन, पवन शर्मा, निशु गुप्ता, शांति लाल सुराना, मंजू केडिया, पारुल माहेश्वरी,अनुराधा बैद, रंजना सोनी सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नेशनल यूथ अवार्ड से सम्मानित होंगे ग्रेनो के अर्जुन भाटी

ग्रेटर नोएडा। दो बार के जूनियर गोल्फ चैंपियन रहे ग्रेटर नोएडा निवासी अुर्जन भाटी को नेशनल यूथ अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन खेल मंत्रालय की तरफ से तीन अप्रैल को संसद में किया जाएगा। अर्जुन को नेशनल यूथ अवार्ड मिलने की खबर से परिवार के साथ क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है। लोगों ने फोन पर अर्जुन को बधाई दी। नेशनल यूथ अवार्ड के लिए चयनित होने पर अर्जुन ने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, खेल अधिकारियों व अन्य का आभार जताया है। बता दें कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुके अुर्जन भाटी अपने परिवार के साथ जेपी ग्रीन्स सोसाइटी में रहते हैं।

अर्जुन ने देश की मदद देने के लिए कोरोना काल में अपनी 102 ट्रॉफी नीलाम की थी। यही नहीं उनकी दादी ने भी अपनी एक साल की पेंशन प्रधानमंत्री फंड में जमा कर दी थी। बाद में उनके द्वारा किए गए कार्य के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पत्र भेजकर उनका आभार जताया था। पूर्व में विश्व स्तर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता में उन्होंने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। अर्जुन 9 साल की उम्र से ही गोल्फ खेल रहे हैं।

लिफ्ट का पंजीकरण न कराने वालों को नोटिस भेजे जाएंगे

ग्रेटर नोएडा। जिला प्रशासन ने लिफ्ट का पंजीकरण न कराने वाली कंपनी और संस्था के खिलाफ कार्रवाई करने की तैयारी शुरू कर दी है। उन्हें जल्द ही नोटिस भेजे जाएंगे। साथ ही, जिलाधिकारी एक या दो दिन में बैठक कर उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए कार्ययोजना तैयार करेंगे। शासन ने पिछले साल सितंबर में लिफ्ट ऐक्ट लागू किया था। इसके तहत छह माह के अंदर सभी लिफ्ट और निर्माता कंपनियों का पंजीकरण होना जरूरी था। जिले में 80 हजार से अधिक लिफ्ट हैं।

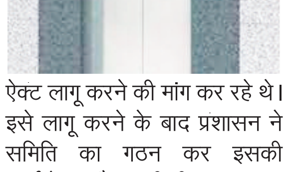

अभी तक सिर्फ 3320 लिफ्ट का पंजीकरण हो सका है। पंजीकरण से प्रशासन को 1.60 करोड़ का राजस्व मिला है। नोएडा और ग्रेनो वेस्ट में लिफ्ट में फंसने और गिरने के मामले सामने आने के बाद यह ऐक्ट लागू किया गया था। पहले हादसों को रोकने के लिए किसी की जिम्मेदारी तय नहीं हो रही थी। ऐसे में खरीदार लिफ्ट ऐक्ट लागू करने की मांग कर रहे थे। इसे लागू करने के बाद प्रशासन ने समिति का गठन कर इसकी कार्ययोजना तैयार की थी।

ऐक्ट के तहत पंजीकरण का शासन की तरफ से निर्धारित समय 31 मार्च को पूरा हो गया, लेकिन अब भी 75 हजार से अधिक लिफ्ट संचालकों ने पंजीकरण नहीं कराया है। इनमें सरकारी और गैर सरकारी संस्था दोनों ही शामिल हैं। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा का कहना है कि पंजीकरण न कराने वाले संचालकों को नोटिस भेजे जाएंगे। साथ ही, जल्द ही इसे लेकर बैठक होगी, जिसमें ऐक्ट के तहत लागू जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी।

निमरत खैरा

ने बताया-कैसे उनका झुकाव हुआ इतिहास की ओर

नई दिल्ली। पंजाबी अभिनेत्री-गायिका निमरत खैरा, जो जल्द ही गिप्पी ग्रेवाल की फिल्म 'अकाल' में नजर आएंगी, उन्होंने कहा कि जैसे ही उन्होंने इतिहास पढ़ना शुरू किया, उनकी रुचि इसमें काफी बढ़ गई। 10 अप्रैल को रिलीज होने वाली 'अकालः द अनकॉन्क्वेर्ड' फिल्म 1840 दशक के पंजाब पर आधारित है। यह सरदार अकाल सिंह और उनके गांव की कहानी को पेश करेगी। जिसमें महाराजा रणजीत सिंह की मृत्यु के बाद जंगी जहान और उसकी सेना द्वारा प्रतिशोधात्मक हमले का सामना करते हैं। पंजाबी अभिनेत्री-गायिका निमरत खैरा से यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें इतिहास पढ़ना पसंद है, क्योंकि वह एक ऐतिहासिक फिल्म में काम कर रही हैं। निमरत ने आईएएनएस को बताया कि सच कहूं तो, मैंने पहले बहुत ज्यादा इतिहास नहीं पढ़ा था। मैंने हाल ही में इसे पढ़ना शुरू किया है। जैसे-जैसे मैंने पढ़ना शुरू किया, मेरी रुचि काफी बढ़ गई। खास तौर पर सिख साम्राज्य का इतिहास, जिस पर महाराजा रणजीत सिंह ने 40 साल तक शासन किया। जब मैंने उसे पढ़ा, तो मुझे ताकत का अहसास हुआ। उसके बाद, मैंने हरि सिंह नलवाजी, शाम सिंह अटारीवाला जी, बाबा बंदा सिंह बहादुर को पढ़ा। निमरत की बात करें तो वह वॉयस ऑफ पंजाब सीजन 3 की विजेता हैं और अपने सिंगल 'इश्क कचेरी' की रिलीज के बाद उन्हें प्रसिद्धि मिली। सिंगिंग में उन्होंने अपने करियर की शुरुआत निशॉन भुल्लर के साथ युगल गीत 'रब करके' से की, जो 2015 में रिलीज हुई, जिसे दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली। लेकिन उन्हें अपने अगले दो गीतों 'इश्क कचेरी' और 'एसपी दे रंक वरगी' से बहुत प्रसिद्धि मिली। यह दोनों गाने 2016 में रिलीज हुए थे। उन्होंने 2016 में 'सैल्यूट वाजदे' जैसे गीतों के साथ अपनी सफलता जारी रखी। 2017 में, उन्होंने कई हिट एकल रिलीज किए, जैसे 'रोहाब रखदी', 'दुबई वाले शेख', 'सूट' और 'डिजाइनर'। निमरत ने लाहौरिये से अपनी फिल्मी शुरुआत की। इसमें अमरिंदर गिल, सरगुन मेहता, युवराज हंस, निमरत खैरा, सरदार सोही और गुग्गू गिल मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म भारत के विभाजन के पंजाब पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में है।

तमन्ना भाटिया के घर पर रखी गई माता की चौकी

मुंबई। अभिनेत्री तमन्ना भाटिया इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। नवरात्रि के खास मौके पर तमन्ना ने अपने घर में माता की चौकी का आयोजन किया। इस दौरान वह रवीना टंडन की बेटी और अभिनेत्री राशा थडानी के साथ जमकर डांस करती नजर आईं, जिसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। तमन्ना भाटिया हर त्योहार को बड़े उत्साह के साथ मनाती हैं, चाहे वह होली, दिवाली हो या नवरात्रि। इस बार चैत्र नवरात्रि के अवसर पर उन्होंने अपने घर पर जगराते का आयोजन किया, जिसमें उनके करीबी लोग भी शामिल हुए। वीडियो में तमन्ना मां दुर्गा की पूजा करती हुई नजर आ रही हैं। भक्ति भाव में डूबी तमन्ना ने जगराते के दौरान भजन गाए और राशा के साथ डांस करती नजर आ रही हैं। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और फैंस इसे खूब पसंद कर रहे हैं।

आमिर खान संग फ्रेम में नजर आई 'सुंदरी'

मुंबई। ईद के मौके पर अभिनेता आमिर खान घर के बाहर प्रशंसकों का अभिवादन करते दिखे। सामने आए वीडियो में अभिनेता के साथ उनकी पालतू पेट सुंदरी भी दिखाई दी। आमिर खान और सुंदरी का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें अभिनेता सुंदरी से प्यार से बाहर न निकलने के लिए कहते दिखाई दिए। वीडियो में अभिनेता प्रशंसकों को ऑटोग्राफ देते दिखाई दिए। इसी बीच पालतू पेट घर से बाहर जाने लगती है और आमिर उससे बाहर न जाने और घर में वापस आने के लिए कहते हैं। आमिर की बात को मानते हुए सुंदरी तुरंत वापस घर में चली जाती है। ऑटोग्राफ के बाद आमिर ने घर के बाहर ईद की मुबारकबाद देने आए प्रशंसकों के साथ तस्वीरें भी ली। वह अपने बेटों जुनैद खान और आजाद खान के साथ बांद्रा स्थित अपने घर पर फोटोग्राफरों के लिए पोज देते नजर आए। पिता और बेटों की तिकड़ी सफेद रंग के कपड़ों में कैमरे के सामने एक साथ नजर आई। कैमरे के सामने आए आमिर ने हाथ हिलाकर अभिवादन किया और सभी को ईद की मुबारकबाद दी। बता दें कि जुनैद आमिर की पहली पत्नी रीना दत्ता के बेटे हैं, जबकि आजाद उनकी दूसरी पत्नी किरण राव के बेटे है। आमिर को अपने घर के बाहर प्रशंसकों के साथ तस्वीरें खिंचवाते हुए भी देखा गया। आमिर खान के साथ ही फिल्म जगत के कई सितारों ने प्रशंसकों को ईद की मुबारकबाद दी। प्रियंका चोपड़ा और सिद्धार्थ मल्होत्रा से लेकर महेश बाबू, माधुरी दीक्षित, रश्मिका मंदाना, महेश बाबू, सोनाक्षी सिन्हा, स्वरा भास्कर समेत अन्य कलाकारों के नाम शामिल हैं। इस बीच, वर्कफ्रंट की बात करें तो आमिर जल्द ही आगामी फिल्म 'सितारे जमीन पर' में नजर आएंगे। एक कार्यक्रम में उन्होंने साझा किया कि यह फिल्म मनोरंजक और हास्यपूर्ण दोनों होगी। हालांकि, उनकी पिछली सफल फिल्म 'तारे जमीन पर' की तरह, यह फिल्म भी शानदार विषय पर आधारित होगी।

फिल्म थामा में कैमियो करेंगे वरुण धवन

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन फिल्म थामा में कैमियो करते नजर आ सकते हैं। बॉलीवुड के जानेमाने निर्माता दिनेश विजान इन दिनों हॉरर कॉमेडी फिल्म 'थामा' बना रहे हैं। इस फिल्म आयुष्मान खुराना मुख्य भूमिका निभाते हुए नजर आएंगे। इस हॉरर कॉमेडी फिल्म में आयुष्मान खुराना एक वैम्पायर के किरदार में दिखाई देंगे। चर्चा है कि फिल्म थामा में वरुण धवन की एंट्री हुई है जो आयुष्मान से मुकाबला करते हुए नजर आएंगे। वरुण धवन फिल्म 'थामा' में कैमियो करने जा रहे हैं।कैमियो के दौरान वह वेयरवोल्फ बनकर वैम्पायर बने आयुष्मान खुराना से लड़ाई लड़ते हुए नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि मुंबई में एक बड़े स्टूडियो में फिलहाल फिल्म की शूटिंग चल रही है। आयुष्मान और वरुण के बीच 'थामा' में एक हाई-इंटेंसिटी एक्शन सीक्वेंस फिल्माया गया है।दोनों स्टार्स के बीच एक तगड़ी और रोमांचक लड़ाई देखने को मिल सकती है। मेकर्स वरुण और आयुष्मान के खास सीक्वेंस के लिए जी तोड़ मेहनत कर रहे हैं,और ये काम कई इंटरनेशनल एक्शन एक्सपर्ट्स की देखरेख में हो रहा है। आदित्य सरपोतदार निर्देशित 'थामा' में इस सीन को भव्य बनाने के लिए कुछ इंटरनेशनल टैक्नीशियन की भी मदद ली गई है, जो इसे बेहद खास बनाने वाला है। 'थामा' में आयुष्मान के साथ लीड रोल रश्मिका मंदाना लीड रोल कर रही हैं।उनके अलावा परेश रावल और नवाजुद्दीन सिद्दीकी जैसे सितारें भी फिल्म में अहम किरदारों में होंगे। फ़िल्मि 'थामा' इस साल दिवाली के मौके पर रिलीज होगी।

स्थानीय लोगों के लिये वरदान है पटना का मंगल तालाब

राजधानी पटना से कुछ ही दूरी पर है पटना सिटी। स्थानीय निवासियों के लिए यह मंगल तालाब वरदान हैं। सूर्योदय होने से पहले ही यहां चहल-पहल शुरू हो जाती है। योग और व्यायाम के लिए यहां लोगों की भीड़ सुबह से शाम तक लगी रहती है। दिन भर के शोर-शराबे से दूर इस तालाब के पास लोग ताजी हवा लेने पहुंचते हैं। मंगल तालाब की बात करें तो इसका इतिहास काफी स्वर्णिम है। मंगल तालाब का आकार काजू की तरह है। विश्व के दूसरे बड़े तख्त श्री हरमंदिर जी पटना साहिब के पास होने के कारण इस तालाब की महत्ता है । तालाब के आसपास और इसका परिसर कई दशक पुराने इतिहास को अपने आप में समेटे हुए है। इस तालाब के पूरब में बिहार हितैषी पुस्तकालय, पश्चिम में उर्दू लाइब्रेरी एवं सूफी स्थल, उत्तर में नवनिर्मित मुक्ताकाश मंच व कैफेटेरिया और दक्षिण में ऐतिहासिक सिटी स्कूल है। मंगल तालाब का इतिहास ही इसे प्रसिद्ध बनाता है। मंगल तालाब के बीचोंबीच लगा फव्वारा काफी आकर्षक हैं पर काफी दिनों से आकर्षण का केंद्र यह फव्वारा खराब पड़ा है। इस तालाब से सटा है मनोज कमलिया स्टेडियम जहां बच्चे क्रिकेट खेलते नजर आते हैं। मंगल तालाब में बना कैफेटेरिया यहां आने वाले लोगों के लिये चाय-कॉफी के अलावा नाश्ते की भी सुविधा देता है। मंगल तालाब में वातानुकुलित सभागार है जिसमें पांच सौ फीट की व्यवस्था हैं। इसके अलावा यहां जिम की भी सुविधा है। ठंड के दिनों में भी सेहत के प्रति जागरूक बच्चे, युवा, बुजुर्ग और महिलाएं यहां टहलते-दौड़ते दिख जाते हैं। 1876 में मंगल तालाब को निर्माण हुआ। आज लगभग 200 लोग हर रोज यहां आते हैं। यहां बने मिनी स्टेडियम में सीढ़ियों पर बैठकर नागरिक आराम करते नजर आ जाते हैं। जैसे-जैसे सूरज की किरणें तेज होती हैं, लोगों भी भीड़ बढ़ने लगती है। इतना खूबसूरत इतिहास समेटे यह तालाब आज गंदगी का ढेर बना हुआ है। इस तालाब के पानी में कपड़े धोये जाते हैं। जिससे गंदगी हर समय पानी में तैरती रहती हैं। जागिंग ट्रैक के आसपास सफाई न होने के कारण यहां आने वाले लोगों को गंदगी के साथ बदबू का भी सामना करना पड़ता है। प्लास्टिक फैक्टरी से निकलने वाली दुर्गंध यहां आने वाले लोगों को परेशान करती है।

महिलाओं की ब्यूटी बकेट में जरूरी है इन चीजों का होना

सुंदर दिखना हर महिला की चाहत होती है और सुंदर दिखने के जुनून में वह लिपस्टिक से लेकर हेयर कलर और आंतरिक ब्यूटी के लिए सभी प्रकार के ब्यूटी प्रोडक्ट को इस्तेमाल करने से पीछे नहीं हटती है। हालांकि खुद को ब्यूटी प्रोडक्ट के माध्यम से व्यक्त करने के बहुत सारे तरीके होते हैं और अपने लुक को बदलकर आप अपने जीवन में बदलाव ला सकती है। लेकिन महिलाएं अक्सर ऐसी चीजे छोड़ देती हैं जिससे असलियत में वह अपने लुक को चेंज कर सकती है। महिलाओं के लिये ब्यूटी बकेट में इन चीजों का होना बहुत जरूरी है। आइए हम बताते हैं ब्यूटी बकेट लिस्टः-

बालों में कलर का इस्तेहमालः- अपने लुक को चेंज करने के लिए अपने बालों को लाल या गोल्डेन रंग से एक बार कलर करने की कोशिश करें। यह कलर स्थायी नहीं होते। इसलिए एक या दो दिन रखने के बाद अगर आपको अच्छा न लगे तो आप इसे हटा सकते हैं। एक अस्थायी डाई की मदद से आप इसे स्वयं करें और फिर अपना एक कलरफूल सेल्फी क्लिक करें।

वैक्सिंग करेंः- वैक्सिंग पेनफूल लगता है, और शायद यह है भी। लेकिन कहते हैं न कि बिना दर्द के कुछ नहीं मिलता, इसलिए स्वयं को वैक्स करें। वैक्स के दर्द का अनुभव मजाक से ज्यादा कुछ नहीं है। साथ ही अच्छे परिणाम को पाकर आप अगली बार वैक्सिंग से प्यार करने लगेगी।

परफेक्ट रेड लिपस्टिक का इस्तेमालः- हालांकि परफेक्ट रेड लिपस्टिक को लगाना आसान नहीं है, और कुछ महिलाएं इसे लगाने की कोशिश भी नहीं करती। लेकिन अगर आपने पहले इसे कभी नहीं लगाया है, तो एक बार पार्टी में रेड लिपस्टिक जरूर लगायें। हालांकि कई महिलाएं कम आकर्षक या डरावनी लग सकती है लेकिन इससे आपकी सुंदरता और आत्मविश्वास में चकित करने वाला परिवर्तन देखने को मिलेगा।

अपने लिये सही खुशबू का पता लगायेंः- हो सकता है कि आपने बहुत सारी खुशबू (फ्रेग्रेन्स) को पहले से ही ट्राई किया हो, लेकिन क्या आपने अभी तक अपने लिये सही खुशबू का पता लगाया है। हर महिला को खुद की पहचान के लिए एक अलग खुशबू होनी चाहिए। ताकी लोग आपको इस खुशबू के कारण किसी और के होने पर भी आपको याद करें।

चुनौती भी लेंः- अपने लुक को बदलने के लिए कुछ ऐसा करें जिससे बदलने से आप हमेशा डरते थे।

अपने बालों को छोटा कटवा लें, नाखूनों को काले रंग की पॉलिश लगाये और आपकी आंखों को हमेशा से अच्छी लगने वाली ड्रेस को ट्राई करें। आप इन सब बदलाव का मजा ही नहीं लेगी बल्कि अंत तक शायद इसे प्यार करेंगी।

स्वयं से करेंः- अगली पार्टी, अगली ऑफिस मीटिंग और अगली शाम को डेटिंग पर जाने से पहले तैयार होने के लिए स्वयं तैयार होने का तरीका सीखें। अपने बालों से लेकर नाखूनों को नेलपॉलिश करने तक सब कुछ जानें। यह सब स्वयं से करें और फिर देखें कि दूसरे आपको देखकर कैसे प्रभावित होते हैं।

नेचुरल लुकः- अगर आप की सोच यह है कि सिर्फ मेकअप के सहारे ही आप सुंदर और आकर्षक लग सकती हैं तो आपका सोचना गलत है।

अगर आप पार्टी में नहीं जा रही हैं तो सप्ताह में कम से कम एक बार बिना मेकअप के रहें, ऐसा करने पर भी आप कम सुंदर नहीं लग सकती क्योंकि जिस तरह से आपने दिखना तय किया है आप वैसे ही दिख रही हैं।

आज का राशिफल

मेष राशि :-आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में आशानुरूप सफलता और फायदा मिलेगा।

वृषभ राशि :-व्यापार में नई ऊंचाइयों को छू सकते हैं। सामाजिक कार्यों में भाग लेने से समाज में प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी।

मिथुन राशि :- छोटी मोटी यात्रा करना पड़ सकता है। परिवार के साथ समय बिताएंगे। दांपत्य जीवन में खुशियां आएंगी।

कर्क राशि :-आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। मेहनत के बेहतर परिणाम मिलेंगे। कारोबार में लाभकारी सौदे होंगे।

सिंह राशि :- नए निवेश के अवसर मिलेंगे। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है।

कन्या राशि :- अनावश्य खर्चों पर नियंत्रण रखें। परिवार का माहौल सुखमय होगा। जीवनसाथी से सामंजस्य बना रहेगा।

तुला राशि :-आज का दिन अच्छा रहेगा।खान-पान का ध्यान रखें, स्वास्थ्य संबंधी परेशानी आ सकती है।

वृश्चिक राशि :-व्यापार लाभदायक रहेगा, लेकिन अनावश्यक खर्च बढने से आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है।

धनु राशि :-संपर्कों के जरिए प्रगति के नए अवसर मिलेंगे, जिससे ऊर्जा व उत्साह से परिपूर्ण रहेंगे।

मकर राशि :-पैतृक संपत्ति से धनलाभ होने के योग रहेंगे। परिवार में मांगलिक कार्यों की योजना बनेगी।

कुम्भ राशि :- बेरोजगारों को रोजगार के अच्छे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। व्यापारियों को थोड़ी अड़चनें आ सकती हैं।

मीन राशि :-कार्यक्षेत्र में कार्यभार बढ़ेगा और खर्च की अधिकता से आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी।

-ज्योतिषाचार्यः पंडित जितेंद्र तिवारी

जीत की हैट्रिक लगाने गुजरात टाइटंस के खिलाफ घरेलू मैदान पर उतरेगी आरसीबी

बेंगलुर। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू अपने घरेलू मैदान पर आईपीएल के इस सत्र का पहला मैच खेलने बुधवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ उतरेगी तो उसका लक्ष्य अपने गेंदबाजों के शानदार फॉर्म के दम पर जीत की हैट्रिक लगाने का होगा। आरसीबी (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू) ने कोलकाता को ईडन गार्डंस पर और चेन्नई सुपर किंग्स को चेपॉक पर हराकर शानदार शुरूआत की है। चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच हालांकि बल्लेबाजों की मददगार है और यहां तीन बार 260 से अधिक का स्कोर बन चुका है। छोटी बाउंड्री और तेज आउटफील्ड ने गेंदबाजों को हमेशा परेशान किया है लेकिन रॉयल चैलेंजर्स का मानना है कि उसके दो गेंदबाज जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार यहां बल्लेबाजों पर अंकुश लगा सकते हैं।

हेजलवुड ने इस आईपीएल में छह से कम की इकॉनॉमी रेट से रन दिये हैं जबकि चेन्नई के खिलाफ मैच में भुवनेश्वर ने प्रति ओवर सिर्फ 6.6 की औसत से रन दिये। गुजरात टाइटंस के पास काफी सक्षम बल्लेबाज हैं । कप्तान शुभमन गिल और बी साइ सुदर्शन अच्छी सलामी जोड़ी बना चुके हैं । आरसीबी की कोशिश होगी कि उन्हें अच्छी शुरूआत नहीं करने दे। नयी गेंद को स्विंग कराने के कौशल से भुवनेश्वर और सटीक गेंदबाजी के फन में माहिर हेजलवुड मिलकर उनकी परेशानी का सबब बन सकते हैं । बायें हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल भी उपयोगी साबित हुए हैं । स्पिन विभाग में कृणाल पंड्या और सुयांश शर्मा कमजोर लग रहे हैं जबकि गुजरात टाइटंस के पास राशिद खान और आर साइ किशोर जैसे खतरनाक स्पिनर हैं। ऐसे में विराट कोहली, फिल साल्ट, कप्तान रजत पाटीदार और देवदत्त पड्डिकल की असल परीक्षा स्पिनरों के सामने होगी।

गुजरात टाइटंस के पास कैगिसो रबाडा और मोहम्मद सिराज जैसे तेज गेंदबाज हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के लिये खेलने वाले सिराज को नीलामी में गुजरात टाइटंस ने खरीदा था। कोहली और साल्ट पिछले दो मैचों में 95 और 45 रन की साझेदारी कर चुके हैं। चिन्नास्वामी स्टेडियम पर दोनों और खतरनाक हो सकते हैं। रबाडा अब तक 14 पारियों में से चार बार कोहली को आउट कर चुके हैं। इस साला कप नमदे' का नारा लगाने वाले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के प्रशंसकों को हालांकि उम्मीद होगी कि पिछले 18 साल का इंतजार खत्म करने के लिये उनकी टीम जीत की लय कायम रखे।

इस प्रकार है दोनों टीम

- **रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरूः** रजत पाटीदार, विराट कोहली, यश दयाल, जोश हेजलवुड, फिल सॉल्ट, जितेश शर्मा, लियाम लिविंगस्टोन, रसिख सलाम, सुयश शर्मा, कृणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, स्वप्निल सिंह, टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, नुवान तुषारा, मनोज भंडागे, जैकब बेथेल, देवदत्त पडिक्कल, स्वस्तिक चिकारा, लुंगी एनगिडी, अभिनंदन सिंह और मोहित राठी।
- **गुजरात टाइटंसः** जोस बटलर, शुभमन गिल, साई सुदर्शन, ग्लेन फिलिप्स, शाहरुख खान, वॉशिंगटन सुंदर, राहुल तेवतिया, राशिद खान, रविश्रीनिवासन साई किशोर, कैगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, इशांत शर्मा, जयंत यादव, महिपाल लोमरोर, करीम जनत, कुलवंत खेजरोलिया, अनुज रावत, गेराल्ड कोएट्जी, शेरफेन रदरफोर्ड, मानव सुथार, कुमार कुशाग्र, अरशद खान, गुरनूर बरार, निशांत सिंधु

समयः मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगा

क्रेग ब्रैथवेट ने वेस्टइंडीज टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ी शाई होप बने टी20 कप्तान

शाई होप

क्रेग ब्रैथवेट

नई दिल्ली। क्रेग ब्रैथवेट ने वेस्टइंडीज टेस्ट टीम की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया है। ब्रैथवेट ने चार साल तक टीम का नेतृत्व किया। वहीं, शाई होप को वेस्टइंडीज टी20 टीम का नया कप्तान बनाया गया है। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने सोमवार को उक्त जानकारी दी। 32 वर्षीय ब्रैथवेट को मार्च 2021 में जेसन होल्डर की जगह टेस्ट टीम का कप्तान नियुक्त किया गया था। दूसरी ओर, शाई होप, जो पहले से ही वनडे टीम के कप्तान हैं, अब रोवमैन पॉवेल की जगह टी20 टीम का नेतृत्व करेंगे। पॉवेल मई 2023 से टी20 टीम की कप्तानी कर रहे थे।

सीडब्ल्यूआई के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने बोर्ड के एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर जारी एक बयान में कहा, टीम के विकास और 2026 टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए शाई होप को कप्तान नियुक्त करने का निर्णय लिया गया है। ब्रैथवेट की कप्तानी में वेस्टइंडीज ने कई ऐतिहासिक जीत दर्ज कीं। पिछले साल, उनकी अगुवाई में टीम ने ब्रिस्बेन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 27 वर्षों में पहली टेस्ट जीत हासिल की थी। इसी साल पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज़ में एक ऐतिहासिक जीत दर्ज कर सीरीज़ बराबर करने का कारनामा किया, जो 34 वर्षों में पहली बार हुआ था। उनकी कप्तानी में 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज़ में जीत मिली, जबकि 2021 में कोविड-19 महामारी के दौरान बांग्लादेश के खिलाफ 2-0 से टेस्ट सीरीज़ जीती थी।

कप्तानी छोड़ने का कारण सीडब्ल्यूआई ने एक बयान में कहा, ब्रैथवेट चाहते थे कि उनकी विदाई से पहले टीम को बदलाव का पर्याप्त समय मिले। इसलिए उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज़ से पहले इस्तीफा दिया, जिससे नई नेतृत्व टीम को खुद को स्थापित करने का मौका मिल सके। ब्रैथवेट अभी 98 टेस्ट मैच खेल चुके हैं और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी सीरीज़ उनके लिए खास होगी, क्योंकि वह अपने 100 टेस्ट पूरे करने के करीब हैं। सीडब्ल्यूआई ने कहा, हम क्रेग ब्रैथवेट के योगदान और उनकी नेतृत्व क्षमता के लिए आभार व्यक्त करते हैं। जल्द ही नए टेस्ट कप्तान की घोषणा की जाएगी।

गेंदबाजी एक्शन को क्लीन चिट मिलने के बाद कुहनेमन को क्रिकेट आस्ट्रेलिया का अनुबंध

मेलबर्न। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में 16 विकेट लेने के बाद संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन की शिकायत झेलने वाले मैट कुहनेमन के गेंदबाजी एक्शन को हरी झंडी मिलने के बाद अब क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने 2025 . 26 के अनुबंधित खिलाड़ियों में शामिल किया है। कुहनेमन को श्रीलंका में फरवरी में श्रृंखला में प्लेयर आफ द सीरिज चुना गया था। उन्होंने पांच टेस्ट में 25 विकेट लिये हैं जिसमें दो बार पारी के पांच विकेट शामिल है । उन्हें श्रीलंका दौरे के बाद गेंदबाजी एक्शन की जांच से गुजरना पड़ा और आईसीसी की जांच में उन्हें क्लीन चिट मिल गई है।

आस्ट्रेलियाई चयन समिति के प्रमुख जॉर्ज बेली ने कहा कि कुहनेमन ने श्रीलंका में शानदार प्रदर्शन किया और आगे भी वह इसे बरकरार रख सकते हैं। भारत के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में पदार्पण करने वाले सैम कोंस्टास को भी अनुबंध दिया गया है । कोंस्टास ने मेलबर्न टेस्ट में 60 रन बनाकर आस्ट्रेलिया की जीत में अहम भूमिका निभाई थी ।

आस्ट्रेलिया के अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची

पैट कमिंस, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, सैम कोंस्टास, मैथ्यू कुहनेमन, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, लांस मौरिस, मैट शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर, एडम जम्पा ।

वंदना कटारिया ने की अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास की घोषणा

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी की दिग्गज खिलाड़ी वंदना कटारिया ने आधिकारिक रूप से अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास की घोषणा कर दी है, जिससे एक असाधारण करियर का समापन हो गया। 320 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 158 गोल करने वाली वंदना भारतीय महिला हॉकी इतिहास में सबसे अधिक मैच खेलने वाली खिलाड़ी के रूप में विदाई ले रही हैं। आंकड़ों से कहीं अधिक, वह एक प्रेरणादायक धरोहर छोड़कर जा रही हैं, जो एक संघर्ष, संकल्प और भारतीय महिला हॉकी को उच्च शिखर पर पहुंचाने की अनवरत भूख की कहानी है।

वंदना ने सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर अपने संन्यास की घोषणा की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा कि यह निर्णय आसान नहीं था, लेकिन मुझे पता है कि अब सही समय है। हॉकी मेरी जिंदगी रही है, और भारतीय जर्सी पहनना मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान था। लेकिन हर यात्रा का एक अंत होता है, और मैं गर्व, आभार और खेल के प्रति अपार प्रेम के साथ छोड़ रही हूं। भारतीय हॉकी अच्छे हाथों में है, और मैं हमेशा इसकी सबसे बड़ी समर्थक रहूंगी।₹ उन्होंने लिखा, "मैं अपने कोच, टीम साथियों, समर्थन कर्मचारियों, हॉकी इंडिया, परिवार और सभी फैंस का धन्यवाद करती हूं जिन्होंने मेरे साथ हर कदम पर समर्थन किया। उनके हर एक चीयर, संदेश और प्रोत्साहन ने मुझे बहुत कुछ दिया।

वंदना का हॉकी में सफर एक छोटे से गांव रौशनाबाद, हरिद्वार से शुरू हुआ था, जहां से वह अपने सपने को सच करने के लिए निकली थीं। वंदना ने 2009 में सीनियर टीम में पदार्पण किया और तब से लेकर आज तक उन्होंने कई महत्वपूर्ण टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इनमें दो ओलंपिक (रियो 2016, टोक्यो 2020), दो एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप (2018, 2022), तीन कॉमनवेल्थ गेम्स (2014, 2018, 2022) और तीन एशियाई खेल (2014, 2018, 2022) शामिल हैं। वंदना की टीम की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिसमें 2016 और 2023 में महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी, 2022 में एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप और 2018 एशियाई खेलों में सिल्वर मेडल सहित कई अन्य महत्वपूर्ण पदक शामिल हैं। वंदना की टोक्यो ओलंपिक में तीन गोल की हैट्रिक हमेशा याद की जाएगी। यह गोल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में भारत की महत्वपूर्ण 4-3 की जीत में मददगार साबित हुए, जिससे भारत क्वार्टरफाइनल में पहुंचा और अंततः चौथे स्थान पर रहा—यह भारत का ओलंपिक हॉकी में अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन था।

वंदना ने इस बारे में कहा कि मैं आज भी टोक्यो के बारे में सोचकर रोमांचित हो जाती हूं। ओलंपिक खास होते हैं, और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वह मैच मेरे जीवन के सबसे भावुक मैचों में से एक था। मैं बस अपनी टीम और देश के लिए हर कुछ देना चाहती थी। हैट्रिक खास थी, लेकिन उससे ज्यादा यह साबित करना था कि हम इस मंच पर हैं।

प्रतिष्ठित पुरस्कार

- अपने अद्वितीय योगदान के लिए वंदना को कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजा गया, जिनमें अर्जुन पुरस्कार (2021) और पद्म श्री (2022) शामिल हैं। इसके अलावा, उन्हें 2014 में हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर अवार्ड, 2021 में हॉकी इंडिया प्रेसिडेंट्स अवार्ड और 2021-22 में हॉकी इंडिया धनराज पिल्ले अवार्ड जैसे कई अन्य पुरस्कार भी मिले।
- हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की ने वंदना के योगदान को सराहा और कहा, ₹वंदना सिर्फ गोल स्कोरर नहीं थीं, वह भारतीय हमले की धड़कन थीं, एक मेहनती खिलाड़ी और उदाहरण के रूप में नेता थीं। उनका योगदान भारतीय हॉकी की बढ़ती स्थिति में अहम रहा है, और उन्होंने आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेंचमार्क स्थापित किया है।
- हॉकी इंडिया के सचिव भोला नाथ सिंह ने वंदना की यात्रा को प्रेरणादायक बताया और कहा कि वंदना का सफर असाधारण रहा है। उनकी प्रदर्शन, खासकर टोक्यो ओलंपिक में, आने वाले वर्षों तक याद किया जाएगा। उनका योगदान भारतीय हॉकी के लिए अमूल्य है।

रोमानिया के जियानु ने तिरिआक ओपन में दर्ज की पहली जीत

बुकारेस्ट। रोमानिया के टेनिस खिलाड़ी फिलिप क्रिस्टियन जियानु ने तिरिआक ओपन के पहले दौर में अमेरिकी निशेश बसवारेड्डी को 6-3, 6-4 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। 23 वर्षीय वाइल्डकार्ड खिलाड़ी, जो एटीपी रैंकिंग में 241वें स्थान पर हैं, ने 108वीं रैंकिंग वाले बसवारेड्डी को 93 मिनट में पराजित किया। हालांकि, अमेरिकी खिलाड़ी ने अधिक विनर (22-13) लगाए, लेकिन उन्होंने ज्यादा अनफोर्स्ड एरर (16-9) भी किए, जिसका फायदा जियानु को मिला। इस जीत के साथ जियानु को 10,460 यूरो (11,317 अमेरिकी डॉलर) की पुरस्कार राशि और 25 एटीपी अंक मिले। अब वे प्री-क्वार्टर फाइनल में वैलेंटिन वाशेरोट या दामिर जुहुमर में से किसी एक से भिड़ेंगे। वहीं, एक अन्य रोमानियाई खिलाड़ी, लुका प्रेंडा, पहले दौर में वाशेरोट से 6-2, 6-3 से हारकर बाहर हो गए। उन्हें 3,200 यूरो और 7 एटीपी अंक प्राप्त हुए।

लक्ष्य चाहर की हार के साथ विश्व मुक्केबाजी कप में भारत के अभियान की निराशाजनक शुरूआत

नई दिल्ली। पहले विश्व मुक्केबाजी कप में भारत के अभियान की शुरूआत निराशाजनक रही जब लक्ष्य चाहर 80 किलोवर्ग के पहले मुकाबले में मेजबान ब्राजील के वांडरले परेरा से हार गए ।मौजूदा राष्ट्रीय लाइट हैवीवेट चैम्पियन चाहर को प्री क्वार्टर फाइनल में पेरिस ओलंपियन और विश्व चैम्पियनशिप 2023 रजत पदक विजेता परेरा ने सर्वसम्मति से लिये गए फैसले में 5 . 0 से हराया ।

चाहर के लिये यह कठिन मुकाबला था और एक को छोड़कर सभी निर्णायकों ने ब्राजील के मुक्केबाज को 30 अंक दिये ।उन्होंने 150 में से 149 अंक बनाये जबकि चाहर के 135 अंक रहे ।भारत के जादूमणि सिंह एम (50 किलो), निखिल दुबे (75 किलो) और जुगनू (85 किलो) दूसरे दिन चुनौती पेश करेंगे ।जादूमणि का सामना पिछले साल विश्व मुक्केबाजी कप के उपविजेता ब्रिटेन के एलिस ट्राउब्रिज से होगा। निखिल की टक्कर ब्राजील के काउ बेलिनी से होगी जबकि जुगनू फ्रांस के अब्दुलाये टी से खेलेंगे। विश्व मुक्केबाजी द्वारा आयोजित यह पहला टूर्नामेंट है ।

विश्व मुक्केबाजी को फरवरी में ही अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति से मान्यता मिली है ।पेरिस ओलंपिक के बाद भारत के एलीट मुक्केबाज भी पहली बार प्रतियोगिता में उतरे हैं ।इसमें पहली बार के विश्व मुक्केबाजी द्वारा शुरू किये गए नये भारवर्गों में खेलेंगे ।

भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी मानव ठक्कर ने ITTF वर्ल्ड रैंकिंग के टॉप 50 में जगह बनाई

नई दिल्ली। मानव ठक्कर ने अपने करियर की बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए पहली बार आईटीटीएफ वर्ल्ड रैंकिंग के टॉप 50 में जगह बना ली है। वह अब दुनिया में 47वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जो उनके करियर की अब तक की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। इस बीच, स्नेहित सुरवज्जुला ने पहली बार शीर्ष 100 में जगह बनाते हुए 89वां स्थान हासिल किया है।

एक मार्मिक मोड़ में, शरत कमल, जिन्होंने प्रतिस्पर्धी टेबल टेनिस से संन्यास की घोषणा की थी, ने विश्व नंबर 80 पर अपने शानदार करियर का समापन किया। अपने अंतिम मैच में कमल पर सुरवज्जुला की जीत ने अनुभवी के करियर का प्रतीकात्मक अंत कर दिया। चेन्नई में डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर में भारत का अभियान रविवार को समाप्त हो गया, जब ठक्कर को पुरुष एकल सेमीफाइनल में फ्रांस के विश्व नंबर 54 थिबॉल्ट पोरेट से 3-1 से हार का सामना करना पड़ा।

डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय पुरुष के रूप में इतिहास रचने वाले ठक्कर ने जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में एक उच्च-ऊर्जा मैच में कड़ी टक्कर दी। जोशीले प्रयास के बावजूद ठक्कर को अंततः 20 वर्षीय फ्रांसीसी खिलाड़ी ने मात दी, जिसने 12-10, 11-9, 7-11 और 11-7 के स्कोर के साथ जीत हासिल की।

मैं हर मैच में अपने प्रदर्शन में एक-डेढ़ प्रतिशत का सुधार करना चाहता हूंः अर्शदीप सिंह

लखनऊ। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने अपनी सफलता का श्रेय रचनात्मक आत्म-आलोचना को देते हुए कहा कि वह हर मैच में अपने प्रदर्शन में एक से डेढ़ प्रतिशत का सुधार करने की कोशिश करते हैं। आखिरी ओवरों के विशेषज्ञ के तौर पर तेजी से उभर रहे इस 26 साल के गेंदबाज ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सत्र में गुजरात टाइटंस के खिलाफ साई सुदर्शन और शेरफेन रदरफोर्ड के महत्वपूर्ण विकेट चटकाकर टीम को पहले मैच में 11 रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका अदा की।

पिछले कुछ वर्षों में अपनी गेंदबाजी की विकास के बारे में पूछे जाने पर अर्शदीप ने कहा कि मेरा प्रदर्शन अच्छा हो या खराब मेरे लिए महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं हर मैच में अपने खेल में एक से डेढ़ प्रतिशत तक का सुधार करूं। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि दुनिया में सबसे बड़ी गुंजाइश सुधार की है। श्रेयस अय्यर इस सत्र में पंजाब किंग्स की कमान संभाल रहे है और अर्शदीप को उम्मीद है कि टीम इस सत्र में पहली बार आईपीएल खिताब जीतने में सफल होगी।

श्रेयस के साथ अपने रिश्ते और नये कप्तान के दृष्टिकोण के बारे में पूछे जाने पर अर्शदीप ने कहा कि मैंने दलीप ट्रॉफी में पहले भी अय्यर की कप्तानी में खेला है। मैंने इसका वास्तव में इसका लुत्फ उठाया है। उन्होंने हमेशा अपने खिलाड़ियों का समर्थन किया और उन्हें अपने मुताबिक खेलने की छूट दी है। उन्होंने कहा कि उनका दृष्टिकोण ऐसा ही रहता है। वह खिलाड़ी को सख्त निर्देश देने की जगह अपने कौशल पर भरोसा करने और टीम के लिए खेलने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। अर्शदीप ने कहा कि वह निस्वार्थ दृष्टिकोण के साथ खिलाड़ियों को पूरा समर्थन देते हैं। मैं वास्तव में इस मानसिकता की प्रशंसा करता हूं और खिलाड़ियों के तौर पर लगातार दो आईपीएल खिताब जीतने में हम उनकी पूरी मदद करेंगे।

अर्शदीप ने अब तक आईपीएल में 66 मैचों में 78 विकेट लिए हैं और भारत के लिए 63 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 99 विकेट ले चुके हैं। उन्होंने कहा कि जब हालात कठिन होते हैं तो वह हमेशा अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि जब टीम दबाव में होती है तब मैं रन लेकर या विकेट चटकाकर अपने खेल के स्तर को ऊंचा करने की कोशिश करता हूं। जब महत्वपूर्ण क्षणों में मुझे गेंद दी जाती हैं तो यह जानकर अच्छा लगता है कि वे मुझ पर भरोसा करते हैं। मैं अतिरिक्त जिम्मेदारी का लुत्फ उठाता हूं।

अर्जुन मैनी नये डीटीएम सत्र में फोर्ड की टीम के लिए रेसिंग करेंगे

माईपाथ (जर्मनी)। भारतीय ड्राइवर अर्जुन मैनी जर्मन टूरिंग कार रेसिंग सीरीज में अपने पांचवें साल में एचआरटी फोर्ड परफॉर्मेंस टीम के लिए रेसिंग करेंगे। पिछले साल मैनी ने ड्राइवरों की तालिका में सातवां स्थान हासिल किया था जो डीटीएम (ड्यूश टूरेनवेगन मास्टर्स) करियर का सर्वश्रेष्ठ परिणाम रहा था। पिछले तीन सत्र में बेंगलुरु का यह 27 वर्षीय ड्राइवर क्रमशः 12वें, 19वें और 20वें स्थान पर रहा था। नए डीटीएम सत्र के लिए परीक्षण का आधिकारिक दिन बुधवार को मोटरस्पोर्ट एरिना ओशर्सलेबेन में होगा। हॉप्ट रेसिंग टीम (एचआरटी) इस साल पहली बार शीर्ष श्रेणी की स्प्रिंट श्रृंखला में दो फोर्ड मुस्टैंग जीटी थ्री में प्रवेश करेगी। शुरूआती रेस 25-27 अप्रैल को निर्धारित है। मैनी 2022 से विभिन्न रेसिंग श्रृंखला में एचआरटी के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं और पिछले सत्र में टीम के साथ डीटीएम में तीन पोडियम स्थान और एक पोल स्थान हासिल किया था।

इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान स्टोक्स फिटनेस के कारण शुरुआती काउंटी मैचों से बाहर

लंदन। इंग्लैंड टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स के काउंटी चैंपियनशिप के शुरुआती मुकाबलों में खेलने की संभावना बेहद कम है। डरहम के कोच रयान कैंपबेल ने सोमवार को इस बात की पुष्टि की। स्टोक्स इस समय हैमस्ट्रिंग की सर्जरी के बाद फिटनेस हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। 33 वर्षीय स्टोक्स को पिछले साल दिसंबर में न्यूजीलैंड दौरे के दौरान हैमस्ट्रिंग में गंभीर चोट लगी थी। यह पांच महीनों में दूसरी बार था जब उन्हें यह समस्या हुई, जिसके कारण उन्हें सर्जरी करानी पड़ी।

इंग्लैंड को मई में जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलनी है, जिसके बाद भारत के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की अहम सीरीज होगी। साल के अंत में इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया में एशेज के लिए भी उतरना है। डरहम की टीम मई में जिम्बाब्वे टेस्ट से पहले छह काउंटी चैंपियनशिप मैच खेलेगी, लेकिन स्टोक्स के इन मुकाबलों में खेलने की संभावना नहीं है। डरहम के कोच रयान कैंपबेल ने एक आधिकारिक बयान में बताया कि टीम को सिर्फ स्टोक्स ही नहीं, बल्कि इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स (पैर की चोट) और मार्क वुड (घुटने की चोट) की भी कमी खलेगी।

कैंपबेल ने कहा, ₹स्टोक्स, कार्स और वुड का हमारे लिए खेलना फिलहाल मुश्किल लग रहा है। उनकी प्राथमिकता इंग्लैंड के लिए पूरी तरह से फिट होना है। स्टोक्स ने सर्जरी के अगले ही दिन वेट लिफ्टिंग शुरू कर दी थी, जो उनकी दृढ़ता को दर्शाता है। वह टीम के लिए बेंचमार्क सेट कर रहे हैं। ब्रायडन कार्स ने पाकिस्तान के खिलाफ अक्टूबर 2024 में टेस्ट डेब्यू किया था और शानदार प्रदर्शन करते हुए 19.85 की औसत से 27 विकेट झटके थे। कोच कैंपबेल ने कहा कि इंग्लैंड उनके टैलेंट को लेकर गंभीर है, लेकिन उनकी फिटनेस को लेकर सावधानी बरती जा रही है।

कैंपबेल ने कहा कि कार्स इस समय इंग्लैंड के लिए बेहद अहम खिलाड़ी हैं। उनके अंदर टेस्ट क्रिकेट के लिए गजब की क्षमता है, लेकिन पैर की चोट से वह जूझ रहे हैं। हमें उन्हें लंबे समय तक फिट रखना है, इसलिए यह कहना मुश्किल है कि वह डरहम के लिए खेलेंगे या नहीं। उनकी लॉन्ग-टर्म फिटनेस ही प्राथमिकता है।₹ इंग्लैंड की टीम अपने प्रमुख खिलाड़ियों को पूरी तरह से फिट देखना चाहती है, ताकि भारत और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बड़ी टेस्ट सीरीज से पहले वे बेहतरीन प्रदर्शन कर सकें।

मलेशिया में भीषण आग का तांडव

गैस पाइप फटने से 100 से अधिक लोग झुलसे, 49 मकान क्षतिग्रस्त

कुआलालंपुर। मलेशिया में कुआलालंपुर के बाहरी इलाके में गैस पाइपलाइन फटने से मंगलवार को लगी भीषण आग में 100 से अधिक लोग घायल हो गए और कई मकानों में भारी नुकसान हुआ। कुआलालंपुर के बाहर 'पुत्रा हाइट्स' में एक गैस स्टेशन के पास लगी आग की लपटें कई किलोमीटर ऊपर तक दिखाई दे रही थीं और कई घंटों तक धधकती रही।

यह घटना सार्वजनिक अवकाश के दिन हुई क्योंकि मलेशिया में बहुसंख्यक मुस्लिम ईद के दूसरे दिन जश्न मनाते हैं। राष्ट्रीय तेल कंपनी 'पेट्रोनास' ने एक बयान में कहा कि उसकी एक गैस पाइपलाइन में सुबह आठ बजकर 10 मिनट पर आग लगी और प्रभावित पाइपलाइन को बाद में बाकी लाइनों से काट दिया गया। आपदा प्रबंधन अधिकारियों ने कहा कि वाल्व बंद करने से आग बुझ जाएगी। मध्य सेलंगोर राज्य के अग्निशमन विभाग ने 'स्टार' अखबार को बताया कि 20 मंजिल जितनी ऊंची लपटों वाली आग पर अपराह्न पौने तीन बजे काबू पा लिया गया। 'बरनामा न्यूज' एजेंसी ने सेलंगोर के 'डिप्टी पुलिस चीफ' मोहम्मद जैनी अबू हसन के हवाले से बताया कि कम से कम 49 घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं और 112 लोग घायल हुए हैं जिनमें से 63 को झुलसने और सांस लेने में तकलीफ की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि अन्य चोटिल हैं। सेलंगोर के मुख्यमंत्री अमीरुद्दीन शारी ने बताया कि अग्निशमन विभाग ने सुरक्षा उपाय के तौर पर आस-पास के मकानों से निवासियों को तुरंत बाहर निकाल लिया।

उन्होंने कहा कि स्थिति के नियंत्रण में आने तक उन्हें अस्थायी रूप से पास की एक मस्जिद में रखा जाएगा। आग लगने की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं।

चीन ने ताइवान के पास के इलाकों में बड़ा सैन्य अभ्यास शुरू किया

बीजिंग। चीन ने ताइवान पर अपनी संप्रभुता का दावा करने के लिए उसके आसपास के क्षेत्रों में मंगलवार को संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू किया जिसमें उसके कई बलों ने हिस्सा लिया। इस अभ्यास का मकसद ताइवान की ''उन ताकतों को कड़ी चेतावनी'' देना है जो स्वयं को स्वायत्त बताती हैं। 'चाइनीज पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ईस्टर्न थिएटर कमांड' के एक प्रवक्ता ने बताया कि कमान ने मंगलवार को ताइवान द्वीप के आसपास संयुक्त अभ्यास शुरू किया।

'थिएटर कमांड' के प्रवक्ता सीनियर कर्नल शी यी ने सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' के हवाले से कहा कि कमान ने अपनी थलसेना, नौसेना, वायुसेना और रॉकेट बलों को कई दिशाओं से ताइवान द्वीप के पास पहुंचने के लिए संगठित किया चीन ताइवान को अपनी मुख्य भूमि का हिस्सा मानता है। उसने हाल के दिनों में इसी तरह के सैन्य अभ्यास किए हैं, लेकिन अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के लिए सत्ता संभालने के बाद से ताइवान के आसपास यह पहला बड़ा सैन्य अभ्यास है। शी के अनुसार, ये अभ्यास मुख्य रूप से समुद्री एवं हवाई युद्ध के लिए तैयारी गश्त, उत्कृष्ट संयुक्त अभ्यास, समुद्री और जमीनी लक्ष्यों पर हमले का अभ्यास और सैनिकों की संयुक्त अभियानगत क्षमताओं का परीक्षण करने के लिए प्रमुख क्षेत्रों और समुद्री मार्गों पर केंद्रित हैं। शी ने कहा कि यह अभ्यास 'ताइवान की आजादी की समर्थक अलगाववादी ताकतों' के खिलाफ एक सख्त चेतावनी है और चीन की संप्रभुता एवं राष्ट्रीय एकता की रक्षा के लिए एक वैध एवं आवश्यक कार्रवाई है।

अमेरिका ने चीन और हांगकांग के छह अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाया

हांगकांग। अमेरिका ने चीन और हांगकांग के उन छह अधिकारियों पर प्रतिबंध लगा दिया है जिन पर आरोप है कि वे 'अंतरराष्ट्रीय दमन' समेत ऐसे अन्य कृत्यों में शामिल थे जिससे हांगकांग की स्वायत्तता को और नुकसान पहुंचने का खतरा था। इस पर पलटवार करते हुए हांगकांग की सरकार ने मंगलवार को प्रतिबंध लगाने के लिए अमेरिका की आलोचना की। जिन छह अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाया गया है उनमें न्याय सचिव पॉल लैम, सुरक्षा कार्यालय निदेशक डोंग जिंगवेई और पुलिस आयुक्त रेमन शामिल हैं।

संक्षिप्त खबरें

हूती विद्रोहियों का अमेरिकी ड्रोन गिराने का दावा

दुबई। यमन के हूती विद्रोहियों ने अमेरिकी का एक और 'एमक्यू-9 रीपर ड्रोन' गिराने का मंगलवार को दावा किया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हूतियों और उनके मुख्य संरक्षक ईरान का चेतावनी जारी करने के बीच हूती विद्रोहियों ने अमेरिकी ड्रोन गिराने का दावा किया है। हूती विद्रोहियों ने मारिब प्रांत में एक ड्रोन गिराने का दावा किया है। मारिब प्रांत एक महत्वपूर्ण इलाका है, क्योंकि यहां तेल व गैस के बड़े अड्डे हैं जो अब भी यमन की निर्वासित केंद्रीय सरकार के सहयोगियों के नियंत्रण में है। जारी तस्वीरों में आग की लपटें भी निकलती नजर आ रही हैं। हूती विद्रोहियों के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सारी ने अलग से एक पूर्व-रिकॉर्ड वीडियो संदेश में 'एमक्यू-9 ड्रोन' को गिराने का दावा किया। सारी ने बताया कि विद्रोहियों ने ड्रोन को स्थानीय रूप से निर्मित मिसाइल से निशाना बनाया। वहीं अमेरिकी सेना ने बताया कि उसे रीपर ड्रोन के गिराने की खबरों के बारे में जानकारी है, हालांकि उसने इस पर और कोई विस्तृत जानकारी देने से इनकार कर दिया। इससे पहले ट्रंप ने सोशल मीडिया वेबसाइट 'ट्रुथ सोशल' पर हूतियों और उनके मुख्य संरक्षक ईरान पर निशाना साधते हुए लिखा था कि हूतियों के कई लड़ाके और नेता मारे जा चुके हैं।

म्यांमा में भूकंप से अब तक 2,7 सौ से अधिक की मौत

बैंकॉक। म्यांमा में पिछले सप्ताह आए 7.7 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप में मरने वालों की संख्या 2,700 से अधिक हो गई है जबकि हजारों लोग घायल है। देश की मीडिया में मंगलवार को जारी खबरों में यह जानकारी दी गई। 'वेस्टर्न न्यूज' वेबसाइट पर जारी खबर के अनुसार, म्यांमा की सैन्य सरकार के प्रमुख एवं वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने राजधानी नेपीता में बताया कि भूकंप के कारण अब तक 2,719 लोगों की मौत हो गई है जबकि 4,521 व्यक्ति घायल हैं और 441 लापता हैं। भूकंप से प्रभावित कई क्षेत्रों में अब भी बचाव दल नहीं पहुंच पाए हैं, इसलिए मृतक संख्या बढ़ने की आशंका है।

बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में मोदी-ओली के बीच बैंकाक में होगी मुलाकात

काठमांडू। थाईलैंड की राजधानी बैंकाक में 4-5 अप्रैल को होने वाले बिम्सटेक (बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल) शिखर सम्मेलन के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के बीच साइडलाइन मुलाकात का समय तय हो गया है।

यूनुस ने चीन से बांग्लादेश में अपना आर्थिक प्रभाव बढ़ाने की अपील की

पूर्वोत्तर भारत का जिक्र किया

ढाका। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने चीन से बांग्लादेश में अपना आर्थिक प्रभाव बढ़ाने को कहा और उल्लेख किया कि इस संबंध में भारत के पूर्वोत्तर राज्यों का चारों ओर से जमीन से घिरा होना एक अवसर साबित हो सकता है। यह टिप्पणी जाहिर तौर पर यूनुस ने हाल में चार दिवसीय चीन यात्रा के दौरान की। इसका वीडियो सोमवार को सोशल मीडिया पर सामने आया।

यूनुस ने कहा कि भारत के पूर्वी हिस्से के सात राज्य सात बहनें कहलाते हैं। वे चारों ओर से जमीन से घिरे क्षेत्र हैं। उनके पास समुद्र तक पहुंचने का कोई रास्ता नहीं है। उन्होंने इस यात्रा के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात की और चीन के साथ नौ समझौतों पर हस्ताक्षर किए। बांग्लादेश को इस क्षेत्र में 'महासागर का एकमात्र संरक्षक' बताते हुए यूनुस ने कहा कि यह एक बड़ा अवसर हो सकता है और चीनी अर्थव्यवस्था का विस्तार हो सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने 'एक्स' पर यह वीडियो पोस्ट किया और सवाल किया कि यूनुस ने भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र का उल्लेख क्यों किया। उन्होंने कहा कि यह दिलचस्प है कि यूनुस चीनियों से इस आधार पर सार्वजनिक अपील कर रहे हैं कि भारत के सात राज्य चारों ओर से भूमि से घिरे हुए हैं। चीन का बांग्लादेश में निवेश करने का स्वागत है, लेकिन भारत के सात राज्यों के चारों ओर से भूमि से घिरे होने का क्या मतलब है?

भारत अंतरिक्ष से अद्भुत दिखता है, अपने पिता की जन्मभूमि पर जरूर जाऊंगी: सुनीता विलियम्स

न्यूयॉर्क। नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने कहा भारत अंतरिक्ष से अद्भुत दिखता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि वह अपने 'पिता की जन्मभूमि' जाएंगी और वहां के लोगों के साथ अंतरिक्ष खोज के बारे में अपने अनुभव साझा करेंगी। सोमवार को एक प्रेस वार्ता के दौरान सुनीता ने यह बात कही।

उनसे पूछा गया था कि जब वह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र में थीं तो वहां से भारत कैसा दिखता था और अंतरिक्ष खोज पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के साथ उनके सहयोग की कोई संभावना है? इस पर उन्होंने कहा कि भारत अद्भुत है। मैं आपको बताना चाहूंगी कि हम जब भी हिमालय के ऊपर से गुजरे तो बुच ने हिमालय की कुछ अविश्वसनीय तस्वीरें लीं। बेहद अद्भुत है।' सुनीता विलियम्स और उनके साथी अंतरिक्ष यात्री बुच विल्मोर ने 'स्पेसएक्स क्रू-9' मिशन के तहत पृथ्वी पर लौटने के कुछ दिनों बाद अपने पहले संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। ये दोनों नौ माह से अधिक समय तक अंतरिक्ष में फंसे रहे थे। उन्होंने कहा कि मुझे आशा और यकीन है कि मैं अपने पिता के देश (भारत) जाऊंगी और लोगों से मिलूंगी तथा अंतरिक्ष के बारे में अपने अनुभव साझा करूंगी। 'एक्सिओम मिशन' पर जा रहे भारतीय नागरिक शानदार हैं।'

उन्होंने ये टिप्पणी 'एक्सिओम मिशन 4' (एक्स-4) वाणिज्यिक अंतरिक्ष यात्री मिशन का जिक्र करते हुए कीं, जिसमें भारत के मिशन पायलट शुभांशु शुक्ला भी शामिल होंगे। लखनऊ में जन्मे शुक्ला, 1984 में अंतरिक्ष में जाने वाले भारतीय वायुसेना के पूर्व अधिकारी राकेश शर्मा के बाद भारत के दूसरे अंतरिक्ष यात्री होंगे। उन्होंने कहा कि उनके पास वहां अपने देश का हीरो होगा जो इस बारे में बात कर सकेगा कि उनके दृष्टिकोण से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन कितना अद्भुत है।

लेकिन मुझे उम्मीद है कि मैं किसी समय उनसे मिल पाऊंगी और हम भारत में जितना संभव हो सके उतने लोगों के साथ अपने अनुभव साझा कर सकेंगे, क्योंकि यह एक महान देश है, एक अद्भुत लोकतंत्र है, जो अंतरिक्ष के क्षेत्र में काम करने वाले देशों में अपना पैर जमाने की कोशिश कर रहा है और हम इसका हिस्सा बनना तथा उनकी मदद करना पसंद करेंगे। सुनीता के पिता दीपक पंड्या गुजरात से थे और 1958 में अमेरिका आए थे। उन्होंने क्लीवलैंड, ओहायो में मेडिसिन में इंटर्नशिप और रेजीडेंसी ट्रेनिंग की। सुनीता का जन्म ओहायो में दीपक और उर्सुलाइन बोनी पंड्या के घर हुआ था। जब विल्मोर ने सुनीता से पूछा कि क्या वह अपने क्रू (चालक दल) सदस्यों को भारत की यात्रा पर अपने साथ ले जाने की योजना बना रही है, तो उन्होंने हंसते हुए जवाब दिया 'बिल्कुल।

हम आपको मसालेदार भोजन खिलाएंगे, अच्छा रहेगा।' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सुनीता और उनके साथी क्रू-9 सदस्यों का अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लंबे मिशन के बाद पृथ्वी पर लौटने पर स्वागत किया था। उन्होंने कहा कि उनका अटूट दृढ़ संकल्प हमेशा लाखों लोगों को प्रेरित करेगा। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि आपका स्वागत है, क्रू9! धरती को आपकी याद आई।' नासा के अंतरिक्ष यात्री सुनीता, निक हेग और विल्मोर तथा रोस्कोस्मोस के अंतरिक्ष यात्री अलेक्सांद्र गोरबुनोव, 18 मार्च को 'स्पेसएक्स' के ड्रैगन अंतरिक्ष यान से पृथ्वी पर वापस लौटे, जो फ्लोरिडा के तल्हासी तट के पास समुद्र में उतरा।

आइसलैंड में ज्वालामुखी विस्फोट की आशंका एक कस्बे और ब्लू लैगून स्पा को खाली कराया

लंदन। दक्षिण-पश्चिम आइसलैंड में ज्वालामुखी में विस्फोट शुरू हो गया है और लावा निकलने लगा है। देश के मौसम विभाग ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। यह घोषणा उस समय की गई जब अधिकारियों ने आज दिन में ही पास के एक कस्बे और ब्लू लैगून स्पा को खाली करा लिया था। राष्ट्रीय प्रसारक आरयूवी ने बताया कि ग्रिंडविक शहर के निकट ज्वालामुखी से लावा बहना शुरू हो गया है, जहां लगभग 40 घरों को खाली कराया गया है। रेक्जेनेस प्रायद्वीप को करीब एक वर्ष पहले बड़े पैमाने पर खाली करा लिया गया था, जब ज्वालामुखी सक्रिय हो गया था। यह ज्वालामुखी पिछले आठ सौ साल से निष्क्रिय था। आइसलैंड के मौसम विभाग ने बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह साढ़े छह बजे ज्वालामुखी से लावे का बहाव शुरू हो गया। इसके साथ ही वहां भूकंपीय तूफान भी आया।

भारतीय सेना ने म्यांमार के मांडले में बनाया भूकंप प्रभावितों के लिए 200 बिस्तरों वाला अस्पताल

प्रभावित लोगों को आपातकालीन चिकित्सा देने के लिए पूरी तरह से तैयार

नई दिल्ली। भारतीय सेना की 118 सदस्यीय एयरबोर्न एंजल्स की टीम ने म्यांमार के मांडले में भूकंप प्रभावितों के लिए 200 बिस्तरों वाला अस्पताल तैयार किया है, जिसमें गंभीर सर्जरी और मरीजों की देखभाल करने की क्षमता है।

आगरा से गई यह टीम विनाशकारी भूकंप से प्रभावित लोगों को आपातकालीन चिकित्सा देने के लिए पूरी तरह से तैयार है। पहले दिन ही मंगलवार को मांडले के मुख्यमंत्री म्यो आंग ने फील्ड अस्पताल का दौरा किया। म्यांमार में आए भूकंप के बाद भारत ने तीनों सेनाओं के जरिए अपना ऑपरेशन 'ब्रह्मा' तेज कर दिया है। शत्रुजीत ब्रिगेड के 118 सदस्यीय एयरबोर्न एंजल्स की टीम सोमवार को वायु सेना के सी-17 हैवी लिफ्ट विमानों से एयरलिफ्ट करके आगरा से मांडले के लिए रवाना की गई थी। लेफ्टिनेंट कर्नल जगनीत गिल के नेतृत्व में टीम ने वहां पहुंचते ही 200 बिस्तरों वाली सुविधा सफलतापूर्वक स्थापित की है, जिसमें गंभीर सर्जरी और इन-पेशेंट देखभाल की क्षमता है। मांडले के मुख्यमंत्री म्यो आंग ने आज फील्ड अस्पताल का दौरा करके भारतीय सेना के प्रति आभार जताया।

सेना की ओर से बताया गया है कि म्यांमार में 28 मार्च को आए भूकंप के बाद त्वरित प्रतिक्रिया में भारतीय सेना ऑपरेशन ब्रह्मा के हिस्से के रूप में तत्काल मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए एक विशेष चिकित्सा कार्य बल तैनात किया है। सेना ने कहा कि यह मिशन भारत की 'पड़ोसी पहले' नीति और 'वसुधैव कुटुम्बकम' के सिद्धांत पर शुरू किया गया है, जो संकट के समय मित्र देशों के साथ एकजुटता से खड़ा है। यह टीम म्यांमार के लोगों को प्राथमिक उपचार और आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने में सहायता करेगी।